रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

अश्विन शुक्ल पक्ष 04, संवत 2081 | रांची, रविवार, 06 अक्टूबर 2024, वर्ष-25, अंक- 244, पृष्ठ-16 ₹3.00 रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

राज्यमंत्री ने युवाओं को विकसित भारत बनाने में अपनी भूमिका पहचानने को कहा

विकसित भारत के शिल्पी हैं आज के युवा : डॉ जितेंद्र सिंह

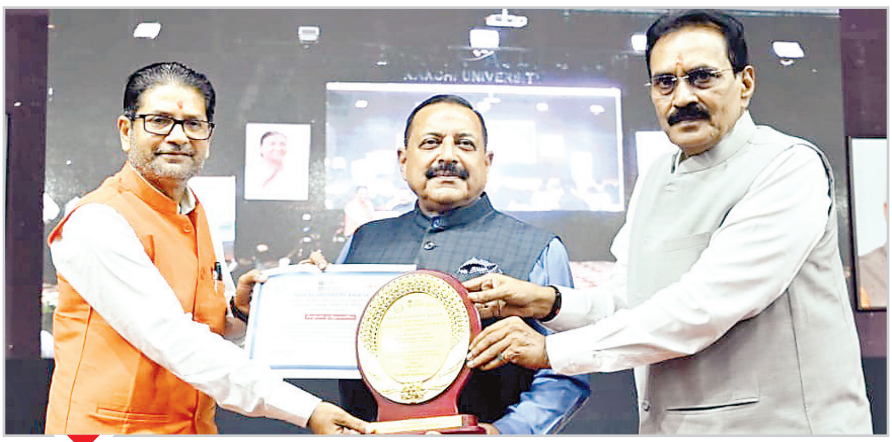

2047 तक दुनिया के सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा भारत

नवीन मेल संवाददाता

रांची। केंद्रीय विज्ञान व प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ जितेंद्र सिंह ने शनिवार को रांची विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में विकसित भारत एम्बेसडर यूथ कनेक्ट कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि 2014 से आज तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अधिक परिश्रम और दूरदर्शी कार्यक्रमों की वजह से भारत की स्थिति विश्व स्तर पर बिल्कुल बदल गई है। जहां 2014 के पहले विदेश में लोग भारतीय कहलाने में हिचकिचाते थे, आज गर्व महसूस करते हैं। उन्होंने कई दूरदर्शी योजनाओं और आंकड़ों का हवाला देकर कहा कि इस उम्मीद की स्थिति को लाने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साहस, लगनशीलता और रचनाशील योजनाओं के आधार पर बहुत मेहनत की है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वह इस बदले हुए समय का समुचित लाभ लेकर अपने आप को विकसित भारत के लिए तैयार करें ताकि उसमें उनकी भूमिका और प्रभावशाली हो सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने पुराने पड़ चुके दो हजार नियम खत्म किए,जिससे युवाओं को अपने भविष्य के प्रयासों को लेकर अधिक सहूलियत हो सके।

डॉ जितेंद्र सिंह ने पिछले तीन वर्षों में अंतरिक्ष नीति में केंद्र सरकार के द्वारा किए गए बदलावों का जिक्र करते हुए कहा कि महज तीन वर्ष में स्टार्टअप की संख्या लगभग नौ से तीन सौ हो गई है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल के व्यापक उपयोग से न सिर्फ कोविड जैसी महामारी के समय में लॉकडाउन की स्थिति में लोगों तक प्रभावी रूप से मदद पहुंचा सकी, बल्कि उसके बाद भी लोगों की स्थिति सुधारने में भी इससे बहुत मदद मिली।

पत्रकारिता का दायित्व समाज को भी जागरूक करना है : राज्यपाल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने दैनिक समाचार पत्र द्वारा होटल बीएनआर चाणक्या में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। वहीं शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षाविदों और संस्थाओं को बधाई दी। राज्यपाल ने पत्रकारिता को लोकतंत्र का 'चतुर्थ स्तंभ' बताते हुए कहा कि पत्रकारिता का दायित्व सिर्फ सूचना देना नहीं है, बल्कि यह समाज को जागरूक करने और उनके अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति मार्गदर्शन प्रदान करने का भी माध्यम है। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा किसी भी देश की प्रगति का मूल आधार है। हमारे शिक्षण संस्थान न केवल विद्यार्थियों को शिक्षित करते हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र की मजबूत नींव रखते हैं। उन्होंने शिक्षकों, प्रशासकों और संस्थानों के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इनके समर्पण से ही हम एक समृद्ध समाज का निर्माण कर सकते हैं। राज्यपाल ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का शिक्षा को समावेशी और रोजगारपरक बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'परीक्षा पे चर्चा' जैसे कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को तनावमुक्त और प्रेरणादायक अध्ययन के लिए प्रोत्साहित करते हैं। राज्यपाल ने कहा कि कोई भी विद्यार्थी आर्थिक कारणों से शिक्षा से वंचित न रहे। इसके लिए शिक्षण संस्थानों को संवेदनशील और सक्रिय रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों को विद्यार्थियों के समग्र विकास पर भी ध्यान देना चाहिए ताकि वे शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ नैतिकता, नवाचार और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति भी जागरूक हों।

झामुमो ने भाजपा के 'पंचप्रण' को बताया कॉपी पेस्ट

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झामुमो प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भाजपा का चुनावी घोषणा पत्र यानी पंचप्रण कॉपी पेस्ट है। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता पांच साल तक राजनीतिक रूप से बेरोजगार हो गए थे। हर 5 साल में ये लोग रोजगार की तलाश में निकलते हैं। इसी तरह ये लोग भी रोजगार के लिए निकले हैं। कुछ दिन पहले कहा गया की भाजपा का घोषणा पत्र किस्तों में जारी होगा। उन्होंने कहा कि ये घोषणा पत्र है या टीवी सीरियल, इसे समझना होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा किस्तों में घोषणा पत्र ला रही है। ये एक तरह से वैचारिक लाचारी का परिचायक है। भट्टाचार्य ने शनिवार को हरमू स्थित पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि घोषणा पत्र में भाजपा महिला सशक्तिकरण की बात कर रही है। लेकिन इसी पार्टी और इनकी सरकार ने अब तक 33प्रतिशत महिला आरक्षण पर बात नहीं की है। इस पर अब तक अमल नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि जनता को दिग्भ्रमित करने के लिए गोगो दीदी योजना लाने की बात कही गयी है। उन्होंने कहा कि हमारी योजनाएं भूत बनकर भाजपा के साथ-साथ चल रही हैं। वे गोगो दीदी योजना लेकर आ रहे हैं। उन्हें यह समझाना पड़ रहा है कि गोगो का मतलब क्या होता है, ये क्या है। संथाली में गोगो को मां को कहा जाता है। उन्होंने कहा कि गोगो दीदी योजना हमारी मंईयां सम्मान योजना का कॉपी पेस्ट है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपनी अगली घोषणा में कहा है कि सबको पक्का मकान दिया जायेगा। यह भी महागठबंधन की योजना अबुआ आवास का कॉपी पेस्ट है। अबुआ मतलब सभी का होता है। इस तरह सबको आवास का मतलब अबुआ आवास हुआ। उन्होंने कहा कि भाजपा अपनी घोषणा में कहती है कि प्रतिवर्ष 5 लाख नौकरी दी जाएगी।

कोरोना काल में हमने पूरे देश को उपलब्ध कराया मेडिकल ऑक्सीजन

नवीन मेल संवाददाता

जमशेदपुर। बाबा तिलका मांझी मैदान मानगो में आयोजित एमजीएम अस्पताल भवन के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी को याद होगा कि जब राज्य में मेरे नेतृत्व में यहां के आदिवासी-मूलवासियों की अपनी सरकार का गठन 2019 में हुआ था उस समय सरकार के गठन के चंद दिनों बाद ही वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण ने पूरी दुनिया को अपने चपेट में ले लिया। अचानक केंद्र सरकार का आदेश के अनुसार लॉकडाउन का आदेश हुआ और वह ऐसा आदेश था, जिससे पूरा भारत देश जहां का तहां खड़ा रह गया। पूरा देश रुक सा गया। सभी लोग अपने-अपने घरों में बंद रहने के लिए मजबूर हो गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमसभी को यह गर्व होना चाहिए कि देश के लोगों को कोरोना संक्रमण से सुरक्षित करने का काम झारखंड ने किया। पूरे देश में मेडिकल ऑक्सीजन सप्लाई करने में झारखण्ड नंबर 1 रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकट परिस्थिति के समय हमारी सरकार ने ऑक्सीजन सप्लाई कर पूरे देश के लोगों की जान बचाने का काम करती रही।

एमजीएम अस्पताल के नवनिर्मित भवन का विवरण

- 30 एकड़ भूमि क्षेत्र में फैले इस अभिनव निर्माण का शुभारम्भ अक्टूबर 2020 में लार्सन एण्ड टूब्रो इलेक्ट्रिक कम्पनी के द्वारा किया गया था।
- 376 करोड़ की लागत से तैयार इस महत्वाकांक्षी परियोजना में जहाँ चिकित्सा सुविधाओं के लिए 7 तल्लों का एक मुख्य भवन बनाया गया है, जिसमें कुल तीन ब्लॉक हैं।
- प्रशासनिक कर्मियों के लिए भवनों का समूह परिसर में ही बना है। कुल 30 एकड़ में से दस लाख वर्गफीट में निर्माण कार्य कराया गया है, जिसमें सात लाख वर्गफीट में चिकित्सा सेवा सम्बन्धी भवन बनाये गये हैं।
- लगभग 140 नर्सिंग स्टाफ के रहने के लिए एक अलग भवन का निर्माण किया गया है। पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था एवं सभी अन्य सुविधाओं से परिसर को भलि-भांति सजाया गया है।
- मुख्य चिकित्सा भवन के ब्लॉक-1 में श्वसन समस्याओं, चर्म रोग, गहन चिकित्सा ईकाई, डायलिसिस, शल्य चिकित्सा, औषधिय चिकित्सा, बच्चे तथा बच्चियों के लिए अलग अलग शिशु वार्ड तथा बाह्य चिकित्सा सेवाओं की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।
- ब्लॉक 1-2 में मुख्य रूप से ऑपरेशन थिएटर, निचला तल्ले में व्याख्यान कक्ष एवं हर प्रकार की जांच सुविधाएं, ब्लड बैंक, लेकर रूम तथा ऑपरेशन के बाद की सेवाओं को उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गयी है।
- ब्लॉक-3 में मानसिक स्वास्थ्य, नाक-कान-गला, नेत्र, बर्न वार्ड, गायनो, ऑर्थोपेडिक्स आदि के साथ रेडियोलॉजी, बाह्य हड्डी रोग सेवा, दन्त चिकित्सा सेवा, एक्स रे आदि की अत्याधुनिक सुविधाओं से लैश संरचनाएं तैयार की गयी हैं।

न्यूज | बॉक्स

राज्यपाल से मिले महानिदेशक आरके मल्लिक व मुरारी लाल मीणा

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शनिवार को पुलिस मुख्यालय के महानिदेशक आरके मल्लिक और रेल महानिदेशक मुरारी लाल मीणा ने राजभवन में मुलाकात की। यह दोनों अधिकारियों की शिष्टाचार भेंट बताया गया।

700 होमगार्ड्स का चयन, 150 को दिया जा रहा है प्रशिक्षण

रांची। 4 सितंबर को धुर्वा होमगार्ड प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे होमगार्ड जवानों का समापन सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। विदित हो कि रांची जिला यातायात प्रबंधन के लिए 700 होमगार्ड जवानों की प्रतिनियुक्ति की गई है। जिसमें 150 जवानों को एक बार में प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसका यह तीसरा बैच है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रांची के ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल के द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे होमगार्ड जवानों को यातायात प्रबंधन में लिए आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही प्रशिक्षण में उन्नत प्रदर्शन करने वाले होमगार्ड जवानों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रमोद केसरी, पुलिस उपाधीक्षक यातायात प्रथम रांची, होमगार्ड कमांडेंट, यातायात थाना प्रभारी, पुलिस केंद्र से सार्जेंट एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी शामिल हुए।

गैर आंदोलनकरियों के हाथों में सत्ता का खामियाजा भुगत रहे झारखंडी

रांची। पूर्व सांसद डॉ सूरज मंडल ने कहा कि गैर आंदोलनकरियों के हाथों में सत्ता रहने का खामियाजा झारखंडियों को भुगतना पड़ रहा है। झारखण्ड की सबसे बड़ी और विकट समस्या यही है कि आज इस प्रदेश की सत्ता आंदोलनकरियों की बजाय गैर आंदोलनकरियों के हाथों में है। इस कारण झारखण्ड वासियों का सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन बढ़ता ही जा रहा है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में सामान्य सीटों पर एसटी नेताओं को टिकट देने से भाजपा नेतृत्व को बचना चाहिये। श्री मंडल ने कहा कि जिन कारणों से झारखंड का गठन किया गया था वो सभी बातें पीछे छूट गयी है। सरकार का ध्यान विकास की बजाय सत्ता बचाने पर है. डॉ. मंडल ने कहा कि पिछले दिनों जमशेदपुर में झारखण्ड आंदोलनकारियों की हुई बैठक के बाद अगामी 16 अक्टूबर को रांची में सभी झारखण्ड आन्दोलनकारियों की विशेष बैठक आयोजित की गयी है। इस बैठक में आन्दोलनकारियों की मुख्य समस्याओं के साथ ही राज्य की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया जायेगा।

शॉर्ट सर्किट की वजह से भाजपा कार्यालय में लगी आग

रांची। अरगोड़ा थाना क्षेत्र के हरमू रोड स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में शनिवार को आग लग गयी। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि एसी में शॉर्ट सर्किट की वजह से प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेई के कमरे में आग लगी थी। अगलगी के बाद तुरंत लोगों ने आग को बुझाया। इस घटना में किसी भी प्रकार की जान माल की क्षति नहीं हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि एसी में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी थी, जिसे बुझा लिया गया। अगलगी में कोई हताहत नहीं हुआ। उल्लेखनीय है कि बीते चार जून को भी भाजपा कार्यालय में आग लगी थी।

अपने निश्चय पत्र को पूरा करने में विफल रही राज्य सरकार : अभिषेक शुक्ला

रांची। युवा आजसू के रांची महानगर संयोजक अभिषेक शुक्ला ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि राज्य सरकार ने सबसे ज्यादा युवा वर्ग को ठगा है। चाहे वह 5 लाख रोजगार देने की बात हो या नौकरी नहीं मिलने तक बेरोजगारी भत्ता देने की बात हो या पीएचडी करने वाले छात्र-छात्राओं को 22500 रुपए प्रति माह और शोधार्थी अभ्यर्थियों को 1500 से 2000 प्रति माह या महिलाओं को नौकरी मे 50%आरक्षण देना। यह सभी लोक लुभावने वादे धरे के धरे रह गये। वर्तमान स्थिति यह है के राज्य के विगत 5 सालों में राज्य सरकार द्वारा जितनी भी प्रतियोगी परीक्षाएं या अन्य परीक्षाएं कराई गई वह सभी संदेह के घेरे में है। जिसे लेकर आए दिन राज्य का युवा वर्ग सड़क पर धरना-प्रदर्शन, आंदोलन करने को मजबूर है। राज्य की वर्तमान स्थिति यह है की जेपीएससी एवं जेएसएससी के अध्यक्ष पद खाली पड़े हुए हैं लेकिन सरकार राज्य सरकार को इसकी कोई चिंता नहीं है। राज्य का युवा वर्ग इस सरकार से तंग आ चुका है और आने वाले चुनाव में राज्य का युवा वर्ग इस सरकार को सत्ता से उखाड़ कर फेंकने का काम करेगी।

कांग्रेस ने हमेशा झारखंडियों के हितों की बात की है : प्रदेश अध्यक्ष

चुनावी अभियान के तहत कांग्रेस नेताओं ने किया कई स्थानों पर संवाद

नवीन मेल संवाददाता

रांची। चुनावी अभियान के तहत प्रदेश कांग्रेस की ओर से चलाए जा रहे जनसंवाद अभियान-लक्ष्य 2024 के तहत कोल्हान प्रमंडल में जगन्नाथपुर विधानसभा में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, उत्तरी छोटा नागपुर प्रमंडल के धनबाद, झरिया, बाघमारा में चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष सुबोध कांत सहाय, हजारीबाग में पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, पलामू प्रमंडल के रमना, बिशुनपुरा एवं मझियांव में विधायक दल नेता डॉ रामेश्वर उरांव, दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के सिमडेगा,कोलेबिरा में डॉक्टर प्रदीप कुमार बालमुचू की ओर से सभाओं के माध्यम से आम जनता के साथ संवाद किया गया।

इस क्रम में शनिवार को जगन्नाथपुर विधानसभा में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए केशव महतो कमलेश ने कहा कि हमने हमेशा झारखंडियों के हितों की बात की है। इस चुनावी समर को जीतने के लिए धन कुबेरों की फौज झारखंड में विपक्ष के जरिये उतारा जा रहा है ऐसे व्यापारियों से सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पिछली भाजपा सरकार ने झारखंड के जल, जंगल, जमीन का सौदा करने वालों के हित साधने के लिए भूमि सुधार कानून में बदलाव किया, लैंड बैंक की स्थापना की। झारखंड में स्थापित पावर प्लांट से बांग्लादेश को बिजली दी जाती है और बकाया के नाम पर झारखंड की बिजली काटी जाती है, ऐसे वोटो के सौदागरों को झारखंड से खदेड़ना होगा। आज देश में भाजपा की सरकार दो पूंजीपतियों अडानी और अंबानी के इशारे पर चलती है और उन्हीं के लिए भाजपा झारखंड की सत्ता हथियाना चाहती है। हमारी गठबंधन सरकार किसानों का दो लाख ऋण माफ करती है और भाजपा किसानों पर गोलियां चलवाती है।

पूर्व डीसी छवि रंजन सहित सात आरोपियों की न्यायिक हिरासत अवधि बढ़ी

रांची(हि.स.)। रांची के चेशायर होम रोड की एक एकड़ जमीन की बिक्री से जुड़े मनी लाउंड्रिंग मामले के आरोपित रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन सहित सात आरोपितों की न्यायिक हिरासत अवधि कोर्ट ने शनिवार को बढ़ा दी है। इससे पूर्व जेल में बंद आरोपितों की वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार की कोर्ट में पेश किया गया। अदालत ने अगली पेशी की तारीख 13 नवंबर निर्धारित की है। यह मामला आरोप गठन के बिंदु पर सुनवाई पर लंबित है। आरोपितों का पुलिस पेपर सौंप दिया गया है। मामले में रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन, प्रेम प्रकाश, भरत प्रसाद, राजेश राय, इम्तियाज अहमद, अफसर अली और मो सद्दाम न्यायिक हिरासत में है। जबकि कारोबारी विष्णु अग्रवाल को हाईकोर्ट से जमानत प्राप्त है। वहीं एक आरोपित पुनीत भार्गव फरार चल रहा है।

भाजपा की पहले लिस्ट में कट सकते है चार सीटिंग विधायकों के टिकट

रजनीश

रांची। झारखंड में अब कुछ ही दिनों में आचारसंहिता लगने वाला है। आचारसंहिता लगने और चुनाव से पहले कई सारे खबरें गली- मोहल्लों, चाय दुकानों और मीडिया के माध्यम से सामने आ रहे हैं। इन्हीं खबरों के बीच एक खबर आ रही है कि भारतीय जनता पार्टी अपनी उम्मीदवारों का पहला लिस्ट बहुत जल्द ही जारी कर सकती है। इसमें सबसे चौंकाने वाले बात है कि पहले लिस्ट में चार विधायकों का नाम कट सकता है। जिन विधायकों का टिकट कटने की संभावना है जिसमें से रांची के विधायक सीपी सिंह, धनबाद विधायक राज सिन्हा, देवघर विधायक नारायण दास और जमुआ विधायक केदार हाजरा शामिल है। रांची के वर्तमान विधायक सीपी सिंह का अधिक उम्र के कारण उनका टिकट कट सकता है। वहीं देवघर विधायक नारायण दास का टिकट कटने की वजह जो चर्चा में है वह है कि वह विधायक और देवघर के जिला अध्यक्ष भी है तो कार्यकर्ताओं के साथ अच्छे समन्वय बैठाने में वह सफल नहीं रहे हैं। इस कारण से उनका टिकट कट सकता है। वही जमुआ में केदार हाजरा का टिकट कट सकता है क्योंकि जमुमा विधानसभा क्षेत्र भाजपा लोजपा को दे सकती है, वही धनबाद के वर्तमान विधायक राज सिन्हा का टिकट कटने का कारण जो बताया जा रहा है, वह है कि लोकसभा चुनाव के समय पार्टी प्रत्याशी के खिलाफ बयानबाजी करते रहे थे। सूत्रों का कहना है कि रांची विधानसभा से रमेश सिंह या नवीन जायसवाल को दिया जा सकता है। धनबाद विधानसभा से चंद्रशेखर अग्रवाल या एलबी सिंह टिकट दिया जा सकता है। वहीं जामुआ सीट से लोजपा को दे सकती है। देवघर से विनिता पासवान को मैदन में उतार सकती है।

नव पदस्थापित आरओ व एआरओ को दिया जा रहा प्रशिक्षण, बोले रवि कुमार

निर्वाचन से जुड़े पदाधिकारियों की भूमिका अहम

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में मतदाताओं को अधिक समय तक कतार में खड़ा न रहना पड़े इस उद्देश्य से मतदान प्रक्रिया में तेजी लाने का प्रयास करना है। इस हेतु वोटिंग कंपार्टमेंट के अंदर चेन सिस्टम के आधार पर मतदाताओं के मतदान प्रक्रिया को पूर्ण कराना है। उन्होंने कहा कि इस हेतु भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप सभी पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिससे मतदान प्रक्रिया में तेजी लाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस बात का ध्यान रखना है कि कोई भी मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न होने पाए। इसके लिए आवश्यक समयपूर्व तैयारियां होनी चाहिए ताकि अनावश्यक रूप से मतदाताओं को क्यू में खड़े रहकर अपनी बारी का इंतजार नहीं करना पड़े। श्री कुमार नव पदस्थापित आरओ एवं एआरओ के लिए निर्वाचन सदन में आयोजित पांच दिवसीय, 5 से 9 अक्टूबर तक चलने वाले प्रशिक्षण सह प्रमाणन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

श्री कुमार ने कहा कि शांतिपूर्ण, स्वच्छ एवं निष्पक्ष निर्वाचन प्रक्रिया में आरओ एवं एआरओ की अहम भूमिका होती है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उनके कर्तव्यों से संबंधित सभी बिंदुओं पर आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। पदाधिकारी इन दिशा निर्देशों का गहन अध्यन करते हुए इनका अपने कर्तव्य क्षेत्र में अनुपालन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने मतदान केंद्रों की तैयारियों, केंद्रों पर उपस्थित व्यवस्था का निरीक्षण, वोटर स्लिप के ससमय सम्यक वितरण, बीएलओ के स्तर पर की जाने वाली चुनाव पूर्व की तैयारियों आदि निर्वाचन से जुड़े विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसके साथ ही उन्होंने अपने संबोधन में निर्वाचन संबंधी अप्रत्याशित सामान्य गलतियों तथा उनके निराकरण के उपायों पर विस्तृत रूप से चर्चा की।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण सत्र के दौरान राष्ट्रीय स्तर के मुख्य प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न सत्रों में पदाधिकारियों को निर्वाचन से संबंधित विषयों का क्रमवार प्रशिक्षण दिया जाना है। जिसमें उन्हें निर्वाचन संबंधी विषयों यथा उम्मीदवारों की योग्यता एवं अयोग्यता, चुनाव चिन्ह आबंटन, नामांकन संबंधित निर्देश, आपराधिक पूर्ववृत्त, ई रोल, वल्नरेबलिटी मैपिंग, ईवीएम एवं वीवीपैट का प्रशिक्षण, आदर्श आचार संहिता, व्यय प्रबंधन, स्वीप, पोलिंग पार्टी का व्यवस्थापन, पोस्टल बैलट, पेड न्यूज, एमसीएमसी, मतगणना आदि विषयों पर बिंदुवार प्रशिक्षण दिए जायेंगे।

कलाकार मतदाताओं को कैनवास के जरिए करेंगें जागरूक : सुबोध

रांची। संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार ने कहा कि मतदाताओं को मतदान हेतु जागरूक करने के लिए आर्ट 81 कार्यक्रम का 18 से 19 अक्टूबर को जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम, रांची में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री के. रवि कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में झारखंड की कलाकृति, संस्कृति, प्राकृतिक सौंदर्य को चित्रकारी के माध्यम से मतदान के प्रति ज्ञानवर्धन एवं सजग करने का कार्य किया जाएगा। वे आज 'आर्ट 81' कार्यक्रम के आयोजन हेतु चयनित स्थल जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम, रांची का भौतिक निरीक्षण कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दो दिवस तक चलने वाले इस कला महोत्सव की संपूर्ण तैयारी ससमय पूरी करने की दिशा में रांची जिला प्रशासन एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा समन्वय स्थापित कर कार्ययोजना तैयार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस महोत्सव में केवल झारखंड के ही नहीं अपितु अन्य राज्यों से भी चित्रकला के क्षेत्र के नामचीन कलाकार भाग लेने वाले है। साथ ही नए वोटरों को आकर्षित करने के लिए मनोरंजक कार्यक्रमों जैसे नुक्कड़ नाटक, रंगोली, भाषण आदि का भी आयोजन किया जाना है। इसके साथ ही मतदान के महत्व को मनोरंजक रूप में मतदाताओं तक पहुंचाने के उद्देश्य से आरजे एवं लाइव म्यूजिक बैंड द्वारा कार्यक्रम का संचालन भी किया जायेगा। इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी रांची सहित जिला निर्वाचन कार्यालय एवं मुख्य निर्वाचन कार्यालय के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

पत्नी के साथ मारपीट के दोषी पति की क्रिमिनल अपील याचिका खारिज

रांची (हि.स.)। न्यायायुक्त दिवाकर पांडे की अदालत ने शनिवार को पत्नी के साथ मारपीट करने के साथ मानसिक रूप से परेशान करने के मामले में सजायाफ्ता पति राकेश कुमार सिंह की ओर से दाखिल क्रिमिनल अपील याचिका खारिज कर दी है। साथ ही उसकी सजा को बरकरार रखा है। डोरंडा के कुसाई कॉलोनी निवासी राकेश कुमार सिंह को न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत ने बीते 30 अगस्त को इसी मामले में दोषी करार कर तीन साल की साधारण कारावास की सजा सुनाई थी। साथ ही उस पर 10 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया गया था। इसकी चुनौती देते हुए याचिका दाखिल की गयी थी। इसे अदालत ने सुनवाई बाद खारिज करते हुए अभियुक्त को संबंधित कोर्ट में सरेंडर करने का निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि पीड़िता के साथ राकेश सिंह की शादी मई 2006 में हुई थी। शादी के चार साल बाद जमीन खरीदने के नाम पर चार लाख रुपए दहेज की मांग करते हुए शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना की गई। पीड़िता ने मामले को लेकर 3 मई 2015 को डोरंडा थाने में पति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | अश्विन शुक्ल पक्ष 04, संवत 2081 | रांची, रविवार, 06 अक्टूबर 2024, वर्ष-25, अंक- 244, पृष्ठ-16 ₹3.00 रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

या देवी सर्वभूतेषु मां कूष्माण्डा रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नम:॥

1. मां शैलपुत्री	2. मां ब्रह्मचारिणी	3. मां चंद्रघंटा	4. मां कूष्मांडा	5. मां स्कंदमाता	6. मां कात्यायनी	7. मां कालरात्रि	8. मां महागौरी	9. मां सिद्धिदात्री
बीज मंत्र: ह्रीं शिवायै नम:	बीज मंत्र: ह्रीं श्री अम्बिकायै नम:	बीज मंत्र: ऐं श्रीं शक्तयै नम:	बीज मंत्र: ऐं ह्री देव्यै नम:	बीज मंत्र: ह्रीं क्लीं स्वमिन्यै नम:	बीज मंत्र: क्लीं श्री त्रिनेत्रायै नम:	बीज मंत्र: क्लीं ऐं श्री कालिकायै नम:	बीज मंत्र: श्री क्लीं ह्रीं वरदायै नम:	बीज मंत्र: ह्रीं क्लीं ऐं सिद्धये नम:

मां कूष्माण्डा

वन्दे वांछित कामर्थे चन्द्रार्घकृत शेखराम्।
सिंहरुढा अष्टभुजा कूष्माण्डा यशस्वनीम्‌

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

चतुर्थ कूष्माण्डा

नवरात्र-पूजन के चौथे दिन कूष्माण्डा देवी के स्वरूप की उपासना की जाती है। इनके सात हाथों में क्रमश: कमंडल, धनुष, बाण, कमल-पुष्प, अमृतपूर्ण कलश, चक्र तथा गदा है। आठवें हाथ में सभी सिद्धियों और निधियों को देनेवाली जपमाला है। इनका वाहन सिंह है।

सुरासंपूर्णकलशं रुधिराप्लुतमेव च। दधाना हस्तपद्माभ्यां कूष्माण्डा शुभदास्तु मे॥

जब सृष्टि का अस्तित्व नहीं था, तब इन्हीं देवी ने ब्रह्मांड की रचना की थी। अत: ये ही सृष्टि की आदि-स्वरूपा, आदिशक्ति हैं। इनका निवास सूर्यमंडल के भीतर के लोक में है। वहां निवास कर सकने की क्षमता और शक्ति केवल इन्हीं में है। इनके शरीर की कांति और प्रभा भी सूर्य के समान ही दैदीप्यमान हैं। इनके तेज और प्रकाश से दसों दिशाएं प्रकाशित हो रही हैं। ब्रह्मांड की सभी वस्तुओं और प्राणियों में अवस्थित तेज इन्हीं की छाया है। मां की आठ भुजाएं हैं। अत: ये अष्टभुजा देवी के नाम से भी विख्यात हैं। मां कूष्माण्डा की उपासना से भक्तों के समस्त रोग-शोक मिट जाते हैं। इनकी भक्ति से आयु, यश, बल और आरोग्य की वृद्धि होती है। मां कूष्माण्डा अत्यल्प सेवा और भक्ति से प्रसन्न होनेवाली हैं।

केंद्र 1.36 लाख करोड़ दे तो महिलाओं को देंगे तीन-तीन लाख

नवीन मेल डेस्क

जमशेदपुर। शुक्रवार, शनिवार को राजधानी रांची में लगातार राज्यवासियों को बड़ा तोहफा देने के बाद रविवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जमशेदपुर पहुंचे। यहां भी उन्होंने तोहफे वाली थैली से कोल्हान को पांच सौ बेड वाले एमजीएम अस्पताल का उपहार प्रदान किया। वहीं बाबा तिलका मांझी मैदान मानगो में आयोजित उद्घाटन समारोह में उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की कोयला कंपनियों पास झारखंड का 01 लाख 36 हजार करोड़ रुपये बकाया है। यदि यह पैसा केंद्र सरकार झारखंड को उपलब्ध करा दे तो राज्य सरकार इस स्थिति में होगी कि हर महिला के खाते में तीन-तीन लाख रुपये भेज सकें।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज कोल्हान, पूर्वी सिंहभूम क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक दिन है। इस क्षेत्र के आम जनमानस को बेहतर स्वस्थ्य चिकित्सा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 500 बेड का एक भव्य अस्पताल हमारी सरकार समर्पित कर रही है। सीएम ने कहा कि वर्षों से टाटा शहर में अवस्थित अस्पताल जनता की सेवा में था। वर्षों पुराना होने की वजह से उसकी स्थिति जर्जर होती जा रही थी। ऐसे में राज्य सरकार के निर्णय के अनुरूप एक नया मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल आज से कोल्हान की जनता की सेवा में रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने जमशेदपुर में भी नया मेडिकल कॉलेज अस्पताल बनाने का निर्णय लिया है।

शेष पेज 13 पर

500 बेड वाला एमजीएम अस्पताल डिमना, मानगो के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन एवं ओपीडी का शुभारंभ

200 यूनिट तक का बकाया बिजली बिल माफ किया, साथ ही दो सौ यूनिट तक बिजली मुफ्त कर दी गई

कई महत्वाकांक्षी योजनाओं का मिल रहा लाभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीब, किसान, मजदूर सहित सभी वर्ग-समुदाय के लोगों को राज्य सरकार द्वारा अलग-अलग योजनाओं के माध्यम से लाभ प्रदान किया जा रहा है। किसानों का दो लाख रुपये तक का ऋण माफ किया गया। गरीब बिजली उपभोक्ताओं का 200 यूनिट तक का बकाया बिजली बिल माफ किया गया। साथ ही 200 यूनिट तक बिजली मुफ्त कर दी गई। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने राज्य में सर्वजन पेंशन योजना लागू करने का कार्य किया। यह योजना इतनी प्रभावकारी रही कि वर्तमान समय में सामाजिक सुरक्षा के अंतर्गत पात्र सभी लोगों को पेंशन उपलब्ध कराया जा रहा है।

मेडिकल की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों की सभी समस्याओं का होगा समाधान

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस एमजीएम मेडिकल कॉलेज में पढ़ रहे छात्रों ने अपनी समस्याओं को लेकर आवेदन दिए हैं। मैं आप सभी छात्रों से कहना चाहूंगा कि यह बात हमारे कानों तक आज पहुंची है। आप आश्वस्त रहें, एक माह के अंदर आपकी समस्या का समाधान होना प्रारंभ हो जाएगा। बेफिक्र होकर अपने कार्य को अंजाम देते रहें। आप जनता की सेवा में लगें, अच्छे चिकित्सक बनें। आपकी समस्या का समाधान राज्य सरकार करेगी।

राजधानी में छाई दुर्गोत्सव की खुमारी

श्री राम लला पूजा समिति की ओर से पुराने विधानसभा मैदान में बनाए गए अयोध्या के श्री रामलला मंदिर के आकार वाले पंडाल में स्थापित की गई मां दुर्गे की भव्य प्रतिमा।

प्रदेश भाजपा ने जारी किया पंच प्रण

नवीन मेल डेस्क

रांची। प्रदेश भाजपा ने शनिवार को झारखंड की जनता से पांच वादे किए हैं। इसे पंच प्रण नाम भी दिया गया। राजधानी के एक होटल में आयोजित प्रेसवार्ता में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने प्रदेश चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान, सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, संगठन प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी और नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी की उपस्थिति में पंच प्रण की जानकारी दी। बाबूलाल मरांडी कहा कि आज पांच तारीख को हम सब संध्या पांच बजे पांच प्रण यहां की जनता से कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि भाजपा महिला सशक्तिकरण के लिए अभी चुनाव के मद्देनजर बात कर रही है। पीएम मोदी के नेतृत्व में कई ऐसी पहल होती रही है, जिससे महिलाओं का उत्थान, विकास हो।

शेष पेज 13 पर

- सरकार बनते ही गोगो दीदी योजना के तहत महिलाओं के हाथ करेंगे मजबूत
- पहली कैबिनेट में लेगें ढाई लाख से अधिक रिक्त पदों को भरने का निर्णय

पंच प्रण के वादे और इरादे

1. गोगो (संथाली भाषा का शब्द जिसका अर्थ मां) दीदी योजना लाएगी। इसके तहत हर माह के 11 तारीख को 2100/- माताओं, बहनों के खाते में आएंगे।
2. राज्य में लक्ष्मी जोहार शुरू करेंगे, जिसके तहत के सभी घरों में 500 रुपये में एलपीजी गैस सिलेंडर और साल में दो मुफ्त सिलेंडर उपलब्ध कराएगी।
3. भाजपा राज्य में सुनिश्चित रोजगार शुरू करेगी, जिसके तहत झारखंड में युवाओं के लिए पांच साल में पांच लाख स्वरोजगार के अवसर पैदा करेगी। इसके अलावा 2.87 लाख खाली सरकारी पदों के लिए निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती की जाएगी। इसे सुनिश्चित करने के लिए पहली कैबिनेट बैठक में शेष पेज 13 पर

नक्सल प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक कल

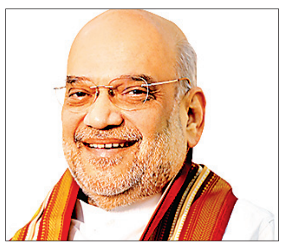

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 07 अक्टूबर को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, तेलंगाना, ओडिशा, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शामिल होंगे। वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों को विकास सहायता प्रदान करने में निकटता से शामिल पांच केंद्रीय मंत्रालयों के मंत्री भी बैठक में शामिल होंगे। उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और केंद्र, राज्यों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के वरिष्ठ अधिकारी भी विचार-विमर्श में भाग लेंगे।

डीसी मंजूनाथ ने सरकार को लिखा पत्र

अब जाएंगे सुप्रीम कोर्ट

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची डीसी बनाए जाने के बाद से आईएएस मंजूनाथ भजंत्री एक बार फिर सुर्खियों में हैं। चुनाव आयोग की राज्य सरकार को चिट्ठी के बाद मंजूनाथ भजंत्री सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने इस बात की जानकारी सरकार को चिट्ठी लिखकर दी है। चुनाव आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव को चिट्ठी लिखकर मंजूनाथ भजंत्री को रांची का डीसी बनाए जाने पर आपत्ति जतायी है। आयोग का कहना है कि ऐसा होना हाई कोर्ट के आदेश का उल्लंघन है। देवघर जिले के मधुपुर उपचुनाव के दौरान चुनाव आयोग की तरफ से तत्कालीन डीसी मंजूनाथ भजंत्री को चुनाव संबंधी कार्यों से दूर रहने का निर्देश दिया था। अब रांची डीसी बनने के बाद फिर से इस मामले ने तूल पकड़ा है। इधर, सरकार की तरफ से कार्मिक विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है। कार्मिक विभाग की तरफ से मुख्य सचिव को मामले से संबंधी सभी कागजात भेज चुकी है। आने वाले दिनों में संभवतः मुख्य सचिव या कार्मिक की तरफ से चुनाव आयोग को मामले से जुड़ी कार्रवाई के बारे में जानकारी दी जाए। कार्मिक की तरफ से मुख्य सचिव को भेजे गए फाइल में यह भी शेष पेज 13 पर

एग्जिट पोल: हरियाणा में कांग्रेस तो जम्मू-कश्मीर में गठजोड़ की सरकार

हरियाणा

20-32 तक सीटों पर सीमट सकती है सत्तारूढ़ भाजपा

55-62 सीटें तक मिल सकती है कांग्रेस पार्टी को

नई दिल्ली। दो राज्यों जम्मू-कश्मीर और हरियाणा से जुड़ी मतदान प्रक्रिया आज पूरी हो गई। मतदान के बाद आए एग्जिट पोल के अनुसार हरियाणा में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिल रहा है और केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के बहुपक्षीय मुकाबले में किसी को भी स्पष्ट बहुमत नहीं मिल रहा है। यहां सरकार बनाने के लिए गठजोड़ जरूरी होगा। हरियाणा विधानसभा की 90 सीटों पर आज मतदान सम्पन्न हुआ। एग्जिट पोल के मुताबिक पिछले 10 साल से सत्तारूढ़ भाजपा को इस बार 20-32 तक सीटें मिल सकती हैं। वहीं राज्य में मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस को 55 से 62 सीटें मिल सकती हैं। दूसरी ओर जम्मू-कश्मीर में बहुपक्षीय मुकाबला है। यहां की 90 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेस का गठबंधन है। भाजपा, पीडीपी और अन्य पार्टियां स्वतंत्र लड़ रही हैं। यहां के एग्जिट पोल के आंकड़ों के अनुसार कांग्रेस-एनसी गठबंधन को 40 से ज्यादा सीटें मिल सकती हैं। वहीं भाजपा अपने दम पर सबसे बड़ी पार्टी बनते हुए 27 से अधिक सीटें जीत सकती है। शेष पेज 13 पर

जम्मू-कश्मीर

20-25 सीटें भाजपा को तो पीडीपी 04 से 07 सीटें

35-40 सीटें कांग्रेस-एनसी को मिली सकती है

विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर के पार

मुंबई। भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच भारत विदेशी मुद्रा के अपने भंडार को मजबूत करने में लगा हुआ है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को बताया कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार पहली बार 700 अरब डॉलर को पार कर गया है। आरबीआई द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 27 सितंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 12.588 अरब डॉलर की वृद्धि के साथ 704.885 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह जुलाई 2023 के बाद का सबसे बड़ा उछाल है। इसमें सर्वाधिक योगदान फॉरेन करेंसी एसेट्स का रहा जो 10.468 अरब डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 616.154 अरब डॉलर हो गया। चीन, जापान और स्विट्जरलैंड के बाद भारत चौथा देश है जिसके पास 700 अरब डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार है।

अवैध खनन मामले की ईडी भी करेगा जांच

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने धनबाद में अवैध खनन के मामले में सीबीआई के साथ परवर्तन निदेशालय यानी ईडी को भी पीई दर्ज कर प्रारंभिक जांच करने का आदेश दिया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि प्रारंभिक जांच में आरोपों को सही पाए जाने के बाद नियमित प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जाए। न्यायालय ने सभी पुलिस अफसर को प्रारंभिक जांच में सीबीआई को सहयोग करने का भी निर्देश दिया है। कोर्ट ने आरूप चटर्जी की ओर से दायर रिट याचिका की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार द्वारा अपनाए गए रवैया पर तल्ख टिप्पणी की है। इस मामले में अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा है कि सरकार इस बात पर आमादा थी की अदालत कोई आदेश पारित नहीं कर सके। शेष पेज 13 पर

इंडिया पिछड़ा झारखंड जहां विकास नहीं चुनावी घोषणाओं की होड़ मची है !

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

पलामू सदियों से भौगोलिक कारणों से पिछड़ा रहा है और अनेक किस्से कहानियां प्रचलित रही हैं जिसमें स्व राधाकृष्ण का व्यंग्य ललटेनगंज के लोगों का कर्फ़्यू मेला भी था जब लोग रांची कर्फ़्यू देखने गए थे, जो प्रतीक था कि यह सबसे कम सिंचित क्षेत्र विकास में भी सबसे पीछे था । अभी पलामू की सड़क मार्ग से यात्रा हिचकोले भरी और ज़्यादातर सिंगल सड़क में आते-जाते पलामू की जो छवि बनती है वह वहाँ के जनप्रतिनिधियों पर एक सवाल भी है कि अब तक यह बदहाली क्यों है ? नोबल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यर्थी ने बाल और बंधुआ मजदूरी पर यहीं से काम शुरू किया था जिसका वे अक्सर उल्लेख करते हैं । 27 फरवरी 2019 को पलामू के पहला फोरलेन बाइपास का हुआ था शिलान्यास तब की यह पंक्ति ही पर्याप्त है जब सांसद वीडी राम ने कहा था कि 22.7 किमी लंबी फोर लेन वाली सड़क निर्माण पर 537 करोड़ की लागत आएगी और एनएच 75 बिहार, बंगाल, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश आदि राज्यों जुड़ाव के लिए बाईपास का निर्माण कराया जा रहा है। आज भी यह फॉर लेन अधूरी पड़ी है जिससे अंदाजा जगाया जा सकता है कि आजादी के बाद इस पिछड़े क्षेत्र की कितनी उपेक्षा हुई । पूर्व की सरकारी सर्वे में पलामू पिछड़ेपन में 115 वें स्थान पर था। अब 29 वे पायदान पर आ गया है। कुडू से डाल्टनगंज होते हुए श्री बंशीधर नगर तक कहीं कहीं पुल तो कहीं बन रही फोर लेन सड़क के बीच उड़ती धूल के पीछे सायरन बजाती बड़ी-बड़ी गाड़ियों में अलग-अलग पार्टियों के झंडे लगे दिखते हैं,उनके लिए पलामू में भूख से मरते लोग सवाल नहीं है। चुनाव सर पर है पर क्या अलग झारखंड बनने पर ऐसे लोगों का सवाल हाशिये पर ही रहेगा? झारखंड के प्रति प्रतिबद्ध राजनेता अगर पलामू-गढ़वा का सघन दौरा कर, इस मुद्दे पर छोटानागपुर के लोगों को गोलबंद करते, तो उनकी राजनीति समझ में आती, पर सत्ता पाने की राजनीति में भूख से मरते लोगों का सवाल मुद्दा नहीं बना करता। लगभग दो महीने से कम वेतनभोगी मनरेगाकर्मी कम से कम सम्मानजनक वेतन की मांग को लेकर हड़ताल पर हैं । रोजगार सेवक बताते हैं कि उनको 12 हजार रुपए मासिक वेतन मिलता है जिसमें घर का भाड़ा और मोटरसाइकिल के पेट्रोल में ही आधी तनख्वाह चली जाती है । यही हाल अन्य कर्मियों का है जो अपनी मांगों पर अड़े हैं जिस कारण पूरे राज्य में मनरेगा का हाल बुरा है जिसे रोजगार उत्पन्न करने के लिए

ही शुरू किया गया था । सबसे बुरा हाल पलामू का है जहां अनेक प्रखंडों में बिरसा हरित योजना स्वीकृत तक नहीं हुई है और बरसात का मौसम समाप्त हो गया । ऐसे में पेड़ पौधे लगाना या उनको असिंचित क्षेत्रों में बड़ा करना बड़ी चुनौती है । यही हाल गुमला,सिमडेगा,रांची जैसे जनजातीय बहुल जिलों का है जो गड्ढे खोदकर खाद और पौधों का इंतजार कर रहे हैं । हड़ताल टूटने पर अरबों रुपए या तो सरेंडर होंगे या उनकी बंदरबांट होगी । अनेक पौधशालाओं में लाखों पौधे लगे हैं जिनमें उनके करोड़ों रुपए लगे हैं यदि तुरंत हड़ताल नहीं टूटती उनका दिवाला निकालना तय है क्योंकि बिना मौसम पौधे अब खरीदेगा कौन ? मनरेगा को शुरू में 100 दिन कम से कम काम देने वाले रोजगार गारंटी कानून के नाम पर प्रचारित किया गया था जिसमें कोताही बरतने वाले कर्मचारियों को दंडित करने की बात बहुप्रचारित की गई थी पर जब पूरी योजना ही ध्वस्त होने के कगार पर है तो केंद्र सरकार को रिपोर्ट क्या भेजी जाएगी जिसके अभाव में आगे पैसे मिलने में तकनीकी बाधा होगी । सबसे दुखद पहलू है यहां का जनजातीय और दलित समुदाय जिसके पलायन में बहुत रोक लगी थी जो सदियों से फसल काटने के बाद पड़ोसी राज्यों में कोड़ा कमाने चले जाते रहे हैं और अभी भी यह क्रम टूटने वाला नहीं है । इस संबंध में पक्ष विपक्ष दोनों को आगे बढ़कर हड़ताल समाप्त कराने की पहल करनी थी पर शायद उनकी नजर में यह मामूली मुद्दा है या इस मुद्दे पर बात करने से बात निकलेगी तो दूर तलक जाएगी वाली बात होने का खतरा है । उत्तरी छोटानागपुर,कोल्हान और संताल परगना की मूल समस्याओं पर कोई भी पार्टी चर्चा नहीं कर रही है । ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि जनता किसके सर पर ताज रखती है वादों पर,विवादों पर या आश्वासनों पर क्योंकि सभी पार्टियों ने अपनी टोकरियां सजा रखी हैं । वैसे अभी तक के एग्जिट पोल और अंदरूनी सर्वे के परिणामों से अनेक दलों और नेताओं में बेचैनी भी है जाहिर है जनता जो असली मालिक है जनतंत्र की वह खंडित जनादेश देने जा रही है जिससे झारखंड की बदहाली,लूट और भ्रष्टाचार में और वृद्धि होगी । जनता जांचे परखे और स्पष्ट बहुमत दे तो ही झारखंड के सपने पूरे हो सकते हैं।

मुसाबनी में देश की सबसे पुरानी एचसीएल कॉपर माइंस में चार साल बाद उत्पादन शुरू

नवीन मेल संवाददाता

जमशेदपुर। झारखंड के मुसाबनी स्थित हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) सुरदा कॉपर माइंस को नई जिंदगी मिल गई है। देश की यह सबसे पुरानी कॉपर माइंस लीज खत्म होने की वजह से एक अप्रैल 2020 से बंद हो गई थी और यहां काम करने वाले प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष तौर पर करीब दो हजार कर्मी बेरोजगार हो गए थे। भारत सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने माइंस को पुनः चालू करने के लिए हाल में माइनिंग क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली 65.52 हेक्टेयर वन भूमि की लीज क्लीयरेंस दी थी। इसके साथ ही माइंस के फिर से परिचालन का रास्ता साफ हो गया।

केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने शनिवार को माइंस के शिलापट्ट का अनावरण किया। इसके साथ ही यहां से उत्पादन की प्रक्रिया फिर से शुरू हो गई। इस मौके पर झारखंड सरकार के जल संसाधन विभाग एवं तकनीकी उच्च शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन और जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो सहित एचसीएल के सीएमडी घनश्याम शर्मा मौजूद रहे।

राज्यपाल ने किया श्रीराम लला पूजा समिति धुर्वा के भव्य पूजा पंडाल का उद्घाटन

मां दुर्गा का आशीर्वाद सब पर सदैव बना रहे : संतोष गंगवार

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शनिवार को राजधानी रांची के पुराना विधानसभा मैदान धुर्वा में श्रीराम लला पूजा समिति के भव्य दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया। उद्घाटन के साथ ही मां के दर्शन के लिए पट खोल दिया गया। इस वर्ष पंडाल को अयोध्या में नवनिर्मित श्रीराम मंदिर के अद्वितीय स्वरूप में सजाया गया है। इस वर्ष पूजा पंडाल में हनुमानजी की 30 फीट ऊंची मूर्ति श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है।

राज्यपाल गंगवार ने राज्यवासियों को नवरात्र एवं दुर्गा पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मां दुर्गा का आशीर्वाद सभी पर सदैव बना रहे। उन्होंने सभी के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना करते हुए राज्य की तीव्र गति से प्रगति के लिए प्रार्थना की।

मौके पर श्रीराम लला पूजा समिति के अध्यक्ष अशोक चौधरी और महासचिव कुणाल आजमानी ने कहा कि 12 अक्टूबर तक पंडाल का पट खुला रहेगा। यहां सुरक्षा की पूरी व्यवस्था की गई है। पार्किंग की भी सुविधा रहेगी। पंडाल परिसर के अंदर कई तरह के झूले और खाने-पीने के स्टॉल भी लगाए गए हैं।

इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, झारखंड विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष एवं विधानसभा सदस्य सीपी सिंह तथा विधानसभा सदस्य नवीन जायसवाल समेत कई गण्यमान्य व्यक्ति व श्रद्धालु उपस्थित थे।

संग्राम क्लब वर्ष 1969 से लगातार कर रहा है दुर्गा पूजा का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

संग्राम क्लब दुर्गा पूजा समिति रांची के कचहरी चौक के पास वर्ष 1969 से लगातार दुर्गा पूजा का आयोजन करती आ रही है। इस वर्ष भी पूजा समिति भव्य दुर्गा पूजा का आयोजन कर रही है। पूजा पंडाल का प्रारूप काल्पनिक मंदिर के रूप में है। इसे पश्चिम बंगाल के पूर्व मिदनापुर जिले के कोलकाता सातमाइल कंटाई के राजू एवं उनके सहयोगियों ने बनाया है। 55 फीट ऊंचे एवं 46 फीट चौड़े पंडाल में कपड़ा, फाइबर, फोम आदि वस्तुओं का प्रयोग किया गया है।

प्रतिमा और पंडाल

पंडाल के अंदर राजदरबार का रूप है। मां दुर्गा सिंहासन पर दो शेर के साथ बैठकर राक्षस का वध करते हुए दिखाई देंगी। इस प्रतिमा का निर्माण बंगाल के कारीगर बेनू पाल एवं उनके सहयोगी कर रहे हैं। पंडाल और उसके आसपास आकर्षक विद्युत सज्जा की जाएगी। विद्युत सज्जा एवं साउंड रांची के रूपेश लाइट द्वारा किया जा रहा है।

संग्राम क्लब दुर्गा पूजा समिति, कचहरी चौक, रांची

सुरक्षा

श्रद्धालु और दर्शनार्थियों की सुरक्षा के लिए पूजा समिति ने पूरी व्यवस्था की है। पंडाल में कई जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। साथ ही, श्रद्धालु और दर्शनार्थियों के लिए पूजा पंडाल परिसर के आसपास लजीज व्यंजन के स्टॉल रहेंगे। बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले की व्यवस्था भी की जा रही है।

हर वर्ष पूजा पंडाल भव्य और आकर्षक बनाते हैं : कार्यकारी अध्यक्ष

रांची। बिहार क्लब श्री दुर्गा पूजा समिति भव्य पूजा का आयोजन कर रही है। बिहार क्लब श्री दुर्गा पूजा समिति के कार्यकारी अध्यक्ष ने बताया कि पूजा पंडाल पिछले 54 वर्षों से बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष पूजा पंडाल को आकर्षक और भव्य बनाया जाता है। बिहार क्लब के पूजा पंडाल का निर्माण कचहरी चौक के पास किया जाता है। यहां इस वर्ष काल्पनिक थीम पर माता रानी का दरबार बनाया गया है। बंगाल में प्रचलित कटबादाम के छिलके, नारियल के पत्ते व हुगला के पत्ते से पंडाल का निर्माण और सजावट किया गया है।

प्रतिमा और पंडाल

मां दुर्गा की प्रतिमा 12 फीट ऊंची है। लाल वस्त्र और आभूषणों से मां दुर्गा को सजाया गया है। मां दुर्गा के आभूषणों को कोलकाता से मंगवाया गया है। बंगाल के बाणेश्वर पाल और सुखेन पाल प्रतिमा का निर्माण कार्य किया है। पंडाल की ऊंचाई 55 फीट, चौड़ाई 40 फीट, लंबाई 90 फीट है।

बिहार क्लब श्री दुर्गा पूजा समिति, कचहरी चौक, रांची

सुरक्षा

सुरक्षा के मद्देनजर बिहार क्लब के पूजा पंडाल में एंट्री और एग्जिट द्वार अलग-अलग बनाए गए हैं। 8 फायर सिलेंडर और एयर बॉक्स लगाए जा रहे हैं। पूरे पंडाल में 6 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। पंडाल के पास पुलिस फोर्स भी तैनात रहेगी। साथ ही, 200 से अधिक महिला व पुरुष वॉलेंटियर तैनात रहेंगे।

महिलाओं के लिए उदाहरण हैं सपनों को हकीकत में बदलने वाली प्रियम्बदा

मां बनने के बाद शुरू की मॉडलिंग, जीता मिसेज झारखंड का खिताब

माता दुर्गा की पूजा भक्त शक्ति के लिए करते हैं। वहीं, नारी स्वयं शक्ति की प्रतीक है। पर, हम देखें तो भारतीय, खास तौर पर झारखंडी महिलाओं का जीवन ऐतिहासिक रूप से संघर्षपूर्ण रहा है। फिर भी बहुत-सी महिलाओं ने न सिर्फ अपनी मंजिल पाई है, बल्कि दूसरों के लिए प्रेरणा भी बनी हैं। आज हम चर्चा कर रहे हैं एक मां प्रियम्बदा सिन्हा की, जिन्होंने अपने सपनों का पूरा करने के लिए कड़ा संघर्ष किया और अपना परचम भी लहराया।

काजल मेहता

रांची। प्रियम्बदा सिन्हा ने अपनी जिंदगी में बहुत तूफान देखे। छोटी उम्र में ही पिता का निधन हो गया। 12 वीं कक्षा पास होने के बाद दिल्ली में नौकरी करनी पड़ी। पढ़ाई पूरी करते ही उनकी शादी करवा दी गई। शादी के बाद छह बार गर्भपात हुआ। अब इसे क्या कहेंगे, दुखांत टीवी सीरियल जैसी जिंदगी हो गई। लगा कि जीवन बेकार हो गया, अब कुछ नहीं हो पाएगा। लेकिन, ऐसा नहीं हुआ। प्रियम्बदा ने सोहन लाल द्विवेदी की इस कविता की निम्न पंक्ति को चरितार्थ कर दिया-

लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती, हिम्मत करने वालों की कभी हार नहीं होती।

प्रियम्बदा ने हिम्मत नहीं हारी और मॉडल बनने के अपने सपने को मां बनने के बाद भी पूरा किया। एक महिला मां बनने के बाद मॉडलिंग करना चाहे, तो लोग कहेंगे कि वह सपनों में जी रही है, लेकिन प्रियम्बदा ने अपनी आत्मशक्ति और जीतने की जिजिविषा से अपने सपने का हकीकत में बदल दिया। मां बनने के बाद भी मॉडलिंग की, वर्ष 2022 में मिसेस रांची और मिसेज झारखंड का खिताब भी जीता प्रियम्बदा सिन्हा बताती हैं कि मॉडलिंग, सिंगिंग, और लेखनी हमेशा से उनका सपना रहा है। कभी परिस्थितियों ने उनका साथ नहीं दिया, लेकिन उन्होंने **'पथ आप प्रशस्त करो अपना'** को सूत्र वाक्य बनाया और हालातों पर विजय प्राप्त कर आज वे अपनी मुकाम पर हैं। वास्तव में प्रियम्बदा उन सभी महिलाओं के लिए प्रेरणा हैं, जो बच्चा होने के बाद अपने शरीर के कारण कई तरह के शौक और सपनों को पूरा नहीं कर पाती हैं।

पिता की मृत्यु के बाद आर्थिक स्थिति खराब हो गई :

अपने संघर्ष की कहानी बताते हुए प्रियम्बदा कहती हैं कि जब वे छोटी थीं, तब से ही पिता की तबीयत खराब रहती थी। पिता की दोनों किडनी खराब हो गई थी। ऑपरेशन के बाद वे बच नहीं पाए और इस कारण परिवार आर्थिक रूप से कमजोर पड़ गया। चूंकि पिता की सरकारी नौकरी थी, इसलिए उनकी मृत्यु के बाद मां को अनुकंपा पर नौकरी मिल गई। लेकिन, मां के लिए नौकरी करके बच्चों को पालना काफी मुस्किल हो गया था। प्रियम्बदा ने बताया, 12वीं कक्षा के बाद मैंने दिल्ली में नौकरी करना शुरू कर दिया। 16,000 की मासिक सैलरी से अपना और अपनी पढ़ाई का खर्च निकालने लगी। उन दिनों मैं अक्सर मॉडलिंग और सिंगिंग के बारे में सोचा करती थी। मगर हालातों के तले सपने लगभग दम तोड़ चुके थे।

पढ़ाई पूरी होते ही विवाह हो गया : प्रियम्बदा ने कहा, पढ़ाई पूरी होने के बाद वर्ष 2012 मेरी शादी करवा दी गई। सपने तो पहले ही बिखर चुके थे। शादी के बाद छह बार मिसकैरेज (गर्भपात) हुआ और इस कारण मैं काफी कमजोर पड़ गई। लेकिन, खुशकिस्मती यह थी कि शादी के बाद से पति और सास का समर्थन हमेशा मिला। ससुराल वालों ने कभी मेरा साथ नहीं छोड़ा। प्रियम्बदा ने कहा, मॉडलिंग, सिंगिंग और लेखनी हमेशा से मेरा सपना था। लेकिन, कभी मजबूरियों ने तो कभी हालातों ने साथ नहीं दिया। लेकिन, परिवार के सहयोग से आज मुकाम पर हूं।

शक्ति है, कमजोर नहीं

आगे बढ़कर सपनों को पूरा करें

प्रियम्बदा कहती हैं, समाज के लोग हम ही हैं। ना मेरे जीवन के लिए समाज रुकावट बना और ना ही किसी अन्य महिला के लिए रुकावट बन सकता है। आत्मविश्वास बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोग अक्सर 'काश' कह कर सब छोड़ देते हैं, लेकिन 'काश' कहकर छोड़ना नहीं है। 'काश' के साथ आगे बढ़ना है।

दुनिया में हर कोई एक खास इरादे से जीवन जीता है और उसी को लक्ष्य बना कर आगे बढ़ना चाहिए। महिलाओं को आगे अवश्य बढ़ना चाहिए, क्योंकि उनके आगे बढ़ने से ही परिवार समर्थ बनता है। एक बच्चा जितना अपनी मां को देख कर सीखता है, उतना और किसी से नहीं सीखता है।

पति और सास ने दिया हर कदम पर साथ

प्रियम्बदा ने बताया, परिवार के सहयोग से अब मेरे सपने पूरे हुए हैं। मेरी हर कोशिश का फल मिला है। उन्होंने कहा, मिसकैरेज के बाद मेरा मनोबल कमजोर हो गया था। मैंने अपने सपनों के साथ मां बनने की इच्छा भी छोड़ दी थी। पर, भगवान पर विश्वास कायम रहा। पति और सास के समर्थन से अपने आप को संभाला और कुछ वर्षों के बाद मां बनी। मां बनने के बाद मेरा मॉडलिंग का सफर शुरू हो गया। इस वक्त भी एक चुनौती सामने थी कि बच्चे के साथ मॉडलिंग और सिंगिंग को कैसे संभाला जाए। उन्होंने कहा, मेरी बेटी डेढ़ साल की थी, तब मैंने मॉडलिंग में कदम रखा। उस समय सिर्फ बच्चे की जिम्मेदारी ही नहीं, शारीरिक फुर्ती बनाए रखना भी बड़ी चुनौती थी। बच्चे के जन्म के बाद महिलाओं के शरीर में हार्मोनल बदलाव आते हैं। इस कारण वजन बढ़ जाता है और सक्रियता घट जाती है। यह भी मेरे लिए चुनौती थी।

प्रियम्बदा वर्ष 2022 में मिसेस झारखंड बनीं

प्रियम्बदा ने बताया, मैं अपने ससुराल वालों के समर्थन से बच्चे की जिम्मेदारी के साथ वर्ष 2022 में मिसेस रांची का खिताब जीता। इसी वर्ष मिसेज झारखंड बनने का भी मौका मिला। अपने आप के मनोबल को मजबूत करते हुए और अपनी कमजोरी को नजरंदाज करते हुए अपने सपने को पूरा किया। उन्होंने कहा, हर किसी का अपना समय होता है। ना वो देर होता है और ना ही जल्दी। बस अपने कर्मों को करते जाने की राह पर चलते रहना चाहिए।

महिलाएं स्वयं को सशक्त बनाएं

महिलाओं के शोषण पर प्रियम्बदा ने कहा कि महिलाओं के साथ हर क्षेत्र में शोषण होता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि उसे मैनेज कैसे किया जाता है। महिलाओं को अपने आप को सशक्त बना कर रखना चाहिए, ताकि कोई भी खराब नजर ना डाल सके। समाज के अवांछित तत्वों को नजरअंदाज करते हुए और अपने अंदाज में जवाब देते हुए अपने लक्ष्य पर अड़े रहना चाहिए। धैर्य और भगवान पर भरोसा रखना चाहिए।

दुर्गा पूजा को लेकर रांची समेत पूरे राज्य में सुरक्षा के रहेंगे पुख्ता इंतजाम

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में दुर्गा पूजा को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। दुर्गा पूजा के दौरान राज्य में शांति और विधि-व्यवस्था बनी रही, इसको लेकर झारखंड पुलिस अलर्ट मोड पर है।शनिवार को मिली जानकारी के अनुसार पुलिस मुख्यालय की ओर से सभी जिलों में लगभग दस हजार से अधिक सुरक्षा बलों की अतिरिक्त तैनाती की गयी है। पूजा के दौरान असामाजिक तत्व पूजा के उत्साह में किसी तरह का खलल न डाल सकें। इसे लेकर यह तैनाती की गई है। सुरक्षा व्यवस्था में 5030 लाठी बल और 4975 होमगार्ड के जवानों को तैनात किया गया है। इसके अलावा रैप की पांच, बीडीएस की टीम और अश्रु गैस की चार कंपनियों की भी तैनाती की गयी है। साथ ही रेंज के डीआईजी के नियंत्रण में 570 जवानों को रिजर्व रखा गया है। राज्य के अलग-अलग जिले में विशेष शाखा के जवान और अधिकारी भी सादे लिबाज में तैनात किये गये हैं, जो हर संदिग्धों पर नजर रखेंगे। अगर कहीं भी किसी तरह की संदिग्ध गतिविधि दिखी, तो वह उस पर तुरंत कार्रवाई के लिए पहल करेंगे। इसके अलावा सुरक्षा के लिहाज से सभी जिले के कंट्रोल रूम में अतिरिक्त पुलिस बलो को रखा गया है, जिससे किसी भी तरह की आपात स्थिति में निपटा जा सके। साथ ही सभी पूजा पंडालों को सुरक्षा को लेकर सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा अत्यधिक भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में ड्रोन कैमरे से नजर रखने को कहा गया है। दुर्गा पूजा की सुरक्षा को

▸ **पुलिस अलर्ट, 10000 से अधिक जवानों की रहेगी तैनाती**

लेकर रांची में 1600, हजारीबाग में 600, जमशेदपुर में 950, गिरिडीह में 535, खूंटी में 200, सिमडेगा में 250, लोहरदगा 400,गुमला में 370, चाईबासा में 250, सरायकेला में 200, पलामू में 455, गढ़वा में 250, लातेहार में 200,कोडरमा में 400, रामगढ़ में 270,चतरा में 320,बोकारो में 525, धनबाद में 675, दुमका में 370, देवघर में 260, पाकुड में 200, जामताड़ा में 200, गोड्डा में 250, साहेबगंज में 275 अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है। इसके अलावा सभी पूजा पंडालून में दंडाधिकारी के साथ पुलिस वालों की तैनाती रहेगी। आईजी अभियान सह पुलिस प्रवक्ता एवी होमकर ने बताया कि दुर्गा पूजा को लेकर राजधानी रांची सहित राज्य के सभी जिलों में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। पर्याप्त संख्या में पुलिस बलों की तैनाती की गई है।

एक नजर

उर्सलाईन स्कूल में बेगलेस डे का हुआ आयोजन

सिल्ली। मुरी उर्सुलाईन इंग्लिश मीडियम स्कूल में बेगलेस डे का आयोजन शनिवार के दिन किया गया। इस आयोजन में कक्षा 6, 7और 8 के बच्चों ने भाग लिया। इसमें 12 राज्य के स्टॉल बनाया गया था। जिसमें केरल, गुजरात, तेलंगाना, असम, झारखंड, बिहार, बंगाल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और पंजाब आदि के व्यंजन स्टॉल पर बच्चों के द्वारा बनाए गए थे जहां स्टेट के अनुसार व्यंजन बनाकर अपने-अपने स्टॉल में प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। इस प्रदर्शनी के माध्यम से बच्चों के बीच अपने-अपने कला दिखाने का मौका मिला।

अनुष्ठान और महाआरती में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

लापुंग। लापुंग प्रखंड के दुर्गा मंदिर एवं पंडाल में नौ दिनों तक चलने वाली शारदीय नवरात्र के दौरान मां दुर्गा के विभिन्न रूपों की आराधना, मंत्रोच्चार तथा महाआरती के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। आचार्य राजकुमार पाठक ने शारदीय नवरात्र में सात्विक तरीके से रहकर मां की पूजा करने वाले यजमानों को पूरे विधि-विधान के साथ अनुष्ठान कराया। शारदीय नवरात्र को लेकर शनिवार को मां देवी दुर्गा के तृतीय स्वरूप मां चंद्रघंटा की विधिवत पूजा अर्चना की गई। लापुंग दुर्गा पूजा आयोजन समिति के तत्वावधान में नवरात्र की पूजा अनुष्ठान का आयोजन किया गया। इस मौके पर शारदीय नवरात्र के पावन मौके पर देर शाम लगभग 7:30 बजे मां की भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। आचार्य राजकुमार पाठक ने श्रद्धालुओं को पूजा अर्चना करायी।

राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई 13 नवंबर को

रांची। कांग्रेस नेता राहुल गांधी से जुड़े मानहानि मुकदमे में कोर्ट में पेशी से व्यक्तिगत छूट वाली याचिका पर अब 13 नवंबर को सुनवाई होगी। शनिवार को एमपी/एमएलए की विशेष अदालत में सुनवाई के सूचीबद्ध था, जो पूरी नहीं हो सकी। मामले में शिकायतकर्ता की ओर से जवाब दाखिल कर दिया गया है। राहुल गांधी मामले में व्यक्तिगत पेशी से छूट चाहते हैं। इसको लेकर उनके अधिवक्ता प्रदीप चंद्रा ने 14 अगस्त को सीआरपीसी की धारा 205 के तहत याचिका दाखिल की है। मालूम हो कि राहुल गांधी को मामले में कोर्ट में पेश होना है। पेशी को लेकर समन जारी है। दरअसल, 2018 में कांग्रेस अधिवेशन में राहुल गांधी ने अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी की थी, जिसको लेकर रांची में नवीन झा की ओर से शिकायत दर्ज कराई गई थी।

तमाड़ में बोलीं कल्पना सोरेन

मंईयां सम्मान यात्रा से बहुत कुछ सीखने को मिला

नवीन मेल संवाददाता। तमाड़

मंईयां सम्मान यात्रा के दूसरे चरण की शुरुआत दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के रांची जिला के तमाड़ स्थित तोड़ांग मैदान से शनिवार को हुई। मंईयां सम्मान यात्रा के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मंत्री बेबी देवी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सोच है कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनायें। इसी कारण उन्होंने झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को धरातल पर उतारा है, जिससे महिलाएँ आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। उन्होंने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपके खाते में झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की राशि की दो किस्त जा चुकी है। अब तीसरी किस्त भेजने की तैयारी है। विधायक कल्पना सोरेन ने कहा कि मंईयां सम्मान यात्रा से बहुत कुछ सीखने को मिला। उन्होंने कार्यक्रम में आयीं हजारों महिलाओं को जोहार कहते हुए कहा कि जोहार हमें अपनी परंपरा, संस्कृति से जोड़ना सिखाता है। महिलाएं अपने मान-सम्मान के लिए संगठित होकर अपनी आवाज बुलंद करें। उन्होंने कहा कि झारखंड के वीर कोने में भी आप जाएंगे। आपको वीर शहीद जरूर मिल जाएंगे। ये वीर शहीदों की भूमि है, जिन्होंने अपने घर,परिवार की परवाह किए बगैर अपने प्राण न्योछावर कर दिये। जिस कारण आज हम झारखंड की भूमि पर खड़े है और गर्व से खुद को झारखंडी कहते हैं।

झारखंड की महिलाओं के साथ खड़े हैं मुख्यमंत्री : दीपिका

कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि कोई महिला खुद के लिए खड़ी हो, तो समाज में बहुत बड़े बदलाव हो सकते हैं और झारखंड की महिलाओं के साथ तो झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खड़े हैं। ये महिलाओं को सशक्त, आत्मनिर्भर और मजबूत बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। पिछले दो महीने के अंदर ही झारखंड की आधी आबादी को सम्मान देने का, सशक्त बनाने का और उन्हें जागरूक करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति की ताकत से ही हम आपके बीच आ रहे हैं। मंईयां सम्मान यात्रा के कारण ही हमें मौका मिला झारखंड के हर कोने में जाकर माताओं, बहनों से बात करने का, उनसे जुड़ने का। यह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ही सोच थी कि आपसे जुड़ा जाए, आपका आभार प्रकट किया जाए।

सड़क हादसे में युवक घायल

मांडर। एन- एच 75 मुख्य पथ पर स्थित ब्राम्बे और मुड़मा के बीच शनिवार शाम 4:30 बजे स्कूटी डिवाइडर से टकरा जाने से दो युवक घायल हो गए। घायलों में एक की स्थिति गंभीर बनी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार एक ही स्कूटी में सवार होकर तीन दोस्त जिसमे बांसजाड़ी निवासी अनुज तिग्गा और लोयो निवासी अंकित तिग्गा अपने एक अन्य साथी के साथ ब्राम्बे बाजार से मांडर की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान उक्त स्थान के निकट असंतुलित होकर उनकी स्कूटी सड़क के बीचों बीच बने डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में सड़क पर गिरने के कारण दो लोगों को ज्यादा चोट आई है। घटना की जानकारी मिलते ही मांडर थाना प्रभारी राहुल ने सभी को रेफरल अस्पताल मांडर पहुंचाया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद अनुज तिग्गा को बेहतर इलाज हेतु रिम्स रेफर कर दिया गया है। देश शाम तक उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई थी। वहीं दो अन्य व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार के बाद रेफरल अस्पताल मांडर से ही छुट्टी दे दी गई। प्रभारी ने बताया तीनों में से किसी व्यक्ति ने हेलमेट नहीं पहना था। उन्होंने अपील की कि बाइक चलाते समय हमेशा हेलमेट का प्रयोग करें।

न्यूज | बॉक्स

मांडर विधानसभा क्षेत्र में बदलाव के लिए डॉ. परमेश्वर भगत ने निकाली पदयात्रा

लापुंग। आगामी मांडर विधानसभा चुनाव के मद्देनजर शनिवार को लापुंग प्रखंड के ग्राम दादगो, ब्लांद, दरंडा एवं नवा टोली में न्याय और बदलाव के लिए पूर्वडीडीसी सह भावी विधायक प्रत्याशी डॉ. परमेश्वर भगत के द्वारा पदयात्रा निकाला गया। इस क्रम में जनता से सीधे संवाद कर भय, भ्रम, भ्रष्टाचार, परिवारवाद, रिश्वतखोरी, कमीशन खोरी खत्म करने एवं रोजी रोजगार, नौकरी, चहुंमुखी विकास एवं बदलाव में साथ देने के लिए जनता से अपील किए। पदयात्रा के दौरान डॉ भगत ने उनकी मूलभूत समस्याओं जैसे जर्जर सड़कें, जलमिनार में पानी ना होना, गरीब एवं योग्य लोगों को आवास ना मिलना, प्रखंड अंचल कार्यालय में भ्रष्टाचार एवं बिचोलियाबाजी का बोलबाला से अवगत हुए। उन्होंने अपील किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में हमारा हाथ को मजबूत करें ताकि मैं आपके हर सुख दुख में खड़ा रह सकू और शिक्षा, नौकरी, रोजी रोजगार, स्वास्थ्य एवं कृषि के क्षेत्र में खुल कर मदद कर सकू। बताते चले कि पदयात्रा मांडर विधानसभा के प्रत्येक गांव, टोला मोहल्ला से होकर गुजरेगी।

भाजपा की बैठक में विधानसभा चुनाव पर चर्चा

खूंटी। झारखंड में पहली बार राज्य की आधी आबादी की चिंता करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उन्हें सम्मान देने और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए मंईयां सम्मान योजना की शुरुआत की है। यह योजना राज्य की आधी आबादी के लिए एक क्रांतिकारी कदम है। ये बातें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी और विधायक कल्पना सोरेन ने कही। कल्पना सोरेन शनिवार को भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू से मंईया सम्मान यात्रा का शुभारंभ करने के बाद खूंटी के कचहरी मैदान और बाद में तोरपा प्रखंड मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि राज्य में लंबे समय तक शासन करने वाले लोगों ने कभी भी राज्य की आधी आबादी के बारे में कोई चिंता नहीं की।

जेएसएससी सीजीएल रद्द करने को लेकर छात्र सड़कों पर उतरे

आज होगा ट्विटर अभियान : देवेंद्रनाथ महतो

सिल्ली। जेएसएससी सीजीएल पेपर लीक तथा रिजल्ट रिपीट के कारण परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर आंदोलन तूल पकड़ता जा रहा है। झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन द्वारा त्रिदिवसीय चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान किया गया है। छात्र सड़कों पर उतर आए हैं। आंदोलन के पहले दिन लगभग सभी जिला मुख्यालयों में विशाल मशाल जुलूस निकालकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और जेएसएससी अध्यक्ष का पुतला दहन किया गया। आज राजधानी रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक, खूंटी में बिरसा कॉलेज से सुभाष चौक तक, हजारीबाग में गांधी मैदान से डिस्ट्रिक मोड़ तक, पलामू में कचहरी चौक से छहमहन चौक तक, लातेहार में बाजार टांड़ से डीसी ऑफिस तक, गढ़वा में गोविंद हाई स्कूल से रंका मोड़ तक, चतरा में कॉलेज मोड़ से केसरी चौक तक, कोडरमा में सुभाष चौक से महाराणा प्रताप चौक तक, गिरिडीह में झण्डा मैदान से टावर चौक तक, रामगढ़ में रामगढ़ कॉलेज गेट से सुभाष चौक तक, बोकारो में जिला मुख्यालय से नया मोड़ तक, धनबाद में रणधीर वर्मा चौक पर, जामताड़ा में सुभाष चौक से इंद्रीश चौक तक, देवघर में अंबेडकर चौक से टावर चौक तक, पूर्वी सिंहभूम में आम बगान से साकची गोल चक्कर तक, सरायकेला खरसावां में एसडीओ कोर्ट से गैरेज चौक तक सैकड़ों छात्रों ने मशाल जुलूस और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तथा जेएसएससी अध्यक्ष का पुतला दहन किया गया।

कल्पना सोरेन ने बिरसा मुंडा की जन्मस्थली पर किया माल्यार्पण, कहा

सीएम ने मंईयां सम्मान योजना से महिलाओं का सम्मान किया

नवीन मेल संवाददाता। अड़की

मंईयां सम्मान यात्रा के तहत गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू में जाकर बिरसा ओड़ा में पूजा कर बिरसा कांप्लेक्स में भगवान बिरसा भगवान की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा मंत्री बेबी देवी, कृषि, पशुपालन सहकारिता मंत्री दीपिका पाण्डे और तमाड़ विधायक विकास मुंडा भी मौजूद रहे। वहीं कल्पना सोरेन ने बिरसा ओड़ा में सभा को संबोधित करते हुए कहा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंईयां सम्मान योजना लाकर झारखंड के हर तबके की महिलाओं को सम्मान दिया है। यह योजना बेटियों को सशक्त बनाएगी और उन्हें अपनी इच्छाएं पूरी करने में मदद करेगी। इस दौरान उलिहातू के ग्रामीणों ने पारंपरिक तरीके से कल्पना सोरेन का भव्य स्वागत किया। इसके बाद जनसभा को संबोधित करने के लिए, कल्पना सोरेन हेलीकॉप्टर से तमाड़ के तोड़ांग मोड़ रवाना हुईं। तमाड़ में कार्यक्रम खत्म होने के बाद तमाड़-खूंटी के सड़क मार्ग से तोरपा कार्यक्रम को संबोधित करने निकलीं। इस दौरान वह अड़की के सेरेंगहातु चौक में रुककर महिला कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

कमर्शियल हॉर्टिकल्चर प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ उद्घाटन

सिल्ली। श्री धर्मस्थला मंजुनाथेश्वर शिक्षण ट्रस्ट एवं केनरा बैंक द्वारा संचालित रूडसेट संस्थान सिल्ली में 13 दिवसीय कमर्शियल हॉर्टिकल्चर प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ। मुख्य अतिथि प्रखंड प्रमुख जितेन्द्र बड़ाईक, बुधराम महतो समाज सेवी, निदेशक संजीत कुमार के द्वारा किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न प्रखंड से आए 32 प्रशिक्षणार्थीयों ने भाग लिया। मुख्य अथिति ने संदेश दिया कि प्रशिक्षण के बाद आप सभी लोग पैसा कमाने में संपन्न रहिएगा। प्रशिक्षण के बाद आप अपना स्वरोजगार बेहतर तरीका से करें। रुडसेट संस्थान के निदेशक संजीत कुमार ने संदेश दिया कि आप अपने जीवन को कार्य कुशलता से बेहतर बना सकते है।आप अपना कार्य ईमानदारी और आत्मविश्वास के साथ करें। मौके पर वरिष्ठ संकाय अनिल कुमार, दशरथ कुमार महतो, महेश रोहिदास, सुनील कुमार महतो उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी सेविका-सहायिकाओं ने दिया धरना

मानदेय नहीं मिलने से आक्रोश अनिश्चितकालीन हड़ताल पर गईं

नवीन मेल संवाददाता। लापुंग

लापुंग प्रखंड की सभी आंगनबाड़ी सेविकाओं ने लापुंग प्रखंड मुख्यालय में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन का आयोजन किया। आंगनबाड़ी सेविकाओं ने ऐलान किया कि जब तक मांगे उनकी पूरी नहीं होगी तब तक हड़ताल जारी रहेगा। लापुंग प्रखंड मुख्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन का आयोजन करते हुए हेमंत सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाया। कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाओं का मानदेय बढोतरी करने की घोषणा की थी लेकिन आज तक बढ़ा हुआ मानदेय नहीं मिला। सीडीपीओ, बीडीओ व सीओ कार्यालय में आवेदन देकर पांच अक्टूबर से हड़ताल पर जाने की घोषणा की है। ज्ञापन में प्रमुख मांगों में कोर्ट के आदेश पर आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका को पेंशन का अविलंब विचार हो। आंगनबाड़ी सेविका- सहायिका को प्रति महीना मानदेय दिया जाए। साथ ही मानदेय में बढ़ोतरी की मांग रखी।

नवरात्र पर श्री श्याम मंदिर में भंडारा का हुआ आयोजन

रांची। श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में नवरात्र के तृतीय दिवस पर शनिवार को 129 वां श्री श्याम भंडारा का भव्य आयोजन किया गया। श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी मंत्री श्याम सुंदर शर्मा उप मंत्री अनिल नारनौली राजीव रंजन मित्तल व कविता मित्तल आदि ने संयुक्त रूप से श्री श्याम भोग का भजन गायन किया। उपस्थित सैकड़ो भक्तों ने आओ आओ भोग लगाओ बाबा श्याम जी रुच रुच भोग लगाओ बाबा श्याम जी के स्वर में स्वर मिलाकर भक्ति भावना से ओत प्रोत होकर ठाकुर जी से भोग स्वीकार करने का अनुरोध किया। प्राकृतिक पंखा डोलाकर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। खाटू नरेश दुर्गा महारानी बजरंगबली शिव परिवार लड्डू गोपाल जी शालिग्राम जी गरुड़ जी गुरुजनों को भोग लगे विशाल भंडारे में मिश्रित किया गया। भंडारे का समय होते-होते श्री श्याम मंदिर परिसर भक्तों से भर गया एवं हरमू रोड में भक्तजनों की लंबी-लंबी कतारें लग गए। खाटूनरेश दुर्गा महारानी भारत माता की जय जयकारों से पूरा हरमू रोड गूंज रहा था।

पंसस ने सीओ को गुलदस्ता भेंट किया

मांडर। मांडर प्रखण्ड के पंचायत समिति गण शनिवार को अंचल में नये पदस्थापित अंचलाधिकारी चंचला कुमारी से मिलकर गुलदस्ता भेंट किये। इस मौके पर सभी ने कहा कि अंचल के विकास के लिए सभी सदस्यों का भरपूर सहयोग मिलेगा। मौके पर मलती पंचायत समिति फरीदा नाज, युनुस अंसारी, जमील आलम, नुसरत जहाँ, कुलदीप कुजूर, संदीप पैयारी करकेट्टा, सुगीता कुजूर, प्रतिनिधि सफीक अंसारी समेत अन्य लोग मौजूद थे।

बुकबुका फिल्टर प्लांट से पानी की सप्लाई जल्द

जल शुल्क नहीं देने वालों के काटे कनेक्शन : बीडीओ

नवीन मेल संवाददाता। खलारी

विगत करीब 15 दिनों से बंद खलारी प्रखंड के पांच पंचायतों का जलापूर्ति जल्द शुरू कर दिया जाएगा। यह बात खलारी बीडीओ संतोष कुमार ने बहुग्रामीण जलापूर्ति योजना समिति के साथ हुए बैठक में चर्चा के बाद कहा है। मालूम हो कि बुकबुका में लगे पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के 5.5 एमएलडी क्षमता के वाटर फिल्टर प्लांट से प्रखंड के पांच पंचायतों में जलापूर्ति की जाती है। चूरी दक्षिणी पंचायत के करंजोरा में स्थित इंटेक वेल से फिल्टर प्लांट को पानी भेजा जाता है। इंटेक वेल में लगा इलेक्ट्रिकल पैनल व मोटर में खराबी आने से जलापूर्ति बंद हो गया है। जलापूर्ति का प्रबंधन बहुग्रामीण जलापूर्ति योजना समिति करती है। समिति संबंधित पंचायतों के मुखिया शामिल हैं। शनिवार को पानी की समस्या को लेकर प्रखंड सभागार में बीडीओ संतोष कुमार की अध्यक्षता में समिति, विभागीय अभियंता व प्रखंड के संबंधित पदाधिकारियों के साथ बैठक हुई। बीडीओ ने प्रखंड कोआर्डिनेटर 15वें वित्त असीत सिंह को मरम्मती के लिए आवश्यक पहल करने कहा। उन्होंने कहा कि इस फिल्टर प्लांट के सभी उपभोक्ताओं को प्रत्येक महीने जल शुल्क देना चाहिए। जो लोग जल शुल्क नहीं दे रहे हैं उनके लिए सख्त हिदायत देते हुए समिति को निर्देश दिया कि ऐसे लोगों का पानी कनेक्शन काट दे। काटने के बाद यदि बकायादार स्वतः कनेक्शन जोड़ता है उसके विरूद्ध वे स्वयं एफआईआर करेंगे। बीडीओ ने वाटर सप्लाई पाइप में मोटरपंप लगाकर पानी खींचने वालों को भी सख्त हिदायत दिया है।

मांडर में बिजली बिल माफी प्रमाण पत्र हुआ वितरण

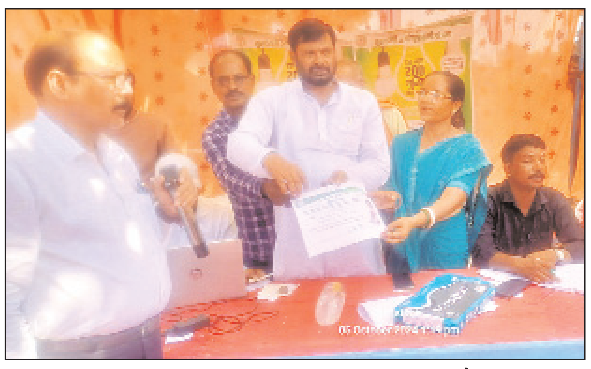

मांडर। मांडर प्रखंड अंतर्गत मुड़मा मैदान में शनिवार को मुख्यमंत्री ऊर्जा खुशहाली योजना के तहत मांडर विद्युत कार्यालय द्वारा बिजली बिल माफी का प्रमाण पत्र वितरण हेतु कैंप लगाया गया। जिसमे विभिन्न गांव के 100 कनेक्शन धारियों को बिल माफी का प्रमाण पत्र दिया गया। विदित होगी विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल मांडर के अंतर्गत करीब 44000 कनेक्शन धारा का बिजली बिल माफ हुआ है। जागरूकता के तौर पर आज जिन लोगों को भी प्रमाण पत्र की जरूरत होगी वह विद्युत कार्यालय ब्राम्बे में संपर्क करके प्रमाण पत्र ले सकते हैं। इस अवसर पर एस डी ओ राजेश बिरुवा, जे ई आशीष कुमार मुंडा, अल्पसंख्यक जिला कांग्रेस के अध्यक्ष शमीम अख्तर, विधायक प्रतिनिधि आबिद अंसारी, विकास त्रिवेदी, कृष्णा महतो सहित काफी संख्या में ग्रामीणों उपस्थित थे प्रमाण पत्र का वितरण किया गया।

मईया सम्मान यात्रा सह सभा की तैयारी को लेकर बैठक

सरकार निरंतर जनहित के मुद्दों पर कार्य कर रही है : रौशन एमानुअल तिग्गा

नवीन मेल संवाददाता। मांडर

प्रखंड कार्यालय में शनिवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोरंजन कुमार की अध्यक्षता में मईया सम्मान यात्रा सह सभा की तैयारी को लेकर बैठक की गई। यह सभा आठ अक्टूबर को मांडर प्रखण्ड के बुढ़ा खुखरा मैदान में होगी। इसमें समाज कल्याण मंत्री बेबी देवी, कृषि पशुपालन सहकारिता मंत्री दीपिका पांडे, विधायक कल्पना सोरेन, विधायक शिल्पी नेहा तिर्की, पूर्व मंत्री सह झारखंड सरकार सम्मनवय समीति सदस्य बंधु तिर्की उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की तैयारी को लेकर अलग अलग विभाग के कर्मचारी, जनवितरण प्रणाली दुकानदार और जन प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। बैठक में झामुमो प्रखण्ड अध्यक्ष रौशन एमानुअल तिग्गा ने कहा कि सभी जलसहिया, आंगनबाड़ी सेविका, समाज के अगवा लोग जिन लोगों को मैया सम्मान योजना का लाभ मिल रहा है उन्हें इस सभा में ज्यादा से ज्यादा संख्या में ले कर आयें। साथ ही किसान क्रेडिट कार्ड और जिनकी बिजली बिल माफ हुई है वैसे लोगों को भी ज्यादा संख्या में सभा में लायें। आगे उन्होंने कहा कि सरकार निरंतर जनहित के मुद्दों पर कार्य कर रही है। आगामी विधानसभा चुनाव में फिर से सरकार झामुमो की बनेगी और हम गरीब और आम लोगों के हित में काम करते रहेंगे।

एक नजर

नगर के वार्डों में फॉगिंग कराएं नपः विधायक

कोडरमा। विधायक डॉ नीरा यादव ने शनिवार को डेंगू बीमारी से प्रभावित विद्यापुरी सहित कई वार्डों का दौरा किया। उन्होंने झुमरी तिलैया नगर परिषद प्रशासक अंकित गुप्ता और सिटी मैनेजर को इस संबंध में दौरे के दौरान जरूरी निर्देश दिया। बता दें कि पिछले दिनों डेंगू से विद्यापुरी में दो लोगों की मौत हो चुकी है और कई इस बीमारी से जूझ रहे हैं। उन्होंने स्थिति का जायजा लेने के क्रम में कोडरमा नगर पंचायत सह डोमचांच नगर प्रशासक शंभू प्रसाद कुशवाहा, झुमरी तिलैया नगर परिषद प्रशासक अंकित गुप्ता को निर्देश में कहा कि युद्ध स्तर पर नगर के सारे वार्डों में तुरंत मच्छर नाशक फॉगिंग कराना सुनिश्चित करें। जरूरी स्थानों पर नियमित ब्लीचिंग पाउडर और चूना का छिड़काव करें और इसका नियमित इस्तेमाल करें।

गृहरक्षक अभ्यर्थियों की परीक्षा की ड्रोन से रखी गई नजर

कोडरमा। गृह रक्षक नव नामांकन संबंधित शारीरिक दक्षता और लिखित परीक्षा जारी है। पांचवें दिन शनिवार को भी गृह रक्षक नवनामांकन के लिए सतगावां प्रखंड के अभ्यर्थियों की शारीरिक जांच और हिंदी लेखन क्षमता परीक्षा ली। कदाचार मुक्त, शांतिपूर्ण और स्वच्छ वातावरण में परीक्षा संपन्न कराए जाने के लिए पर्याप्त दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई। इसके तहत कोडरमा थर्मल पावर प्लांट जाने वाली फोर लेन पर ट्रैक बनाया गया, जिसमें अभ्यर्थियों ने दौड़ लगायी। इसके बाद दौड़ में चयनित अभ्यर्थियों ने लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फेंक, शारीरिक माप, लिखित परीक्षा में हिस्सा लिया। इसके अलावा पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता के लिए स्टैटिक और ड्रोन कैमरे से नजर रखी गयी।

पूजा में अपने घर लौटे युवक से बाइक सवार दो बदमाशों ने बैग छीन हुए फरार

झुमरी तिलैया। तिलैया थाना क्षेत्र के झंडा चौक की थोड़ी दूरी से बाइक सवार दो बदमाशों ने एक युवक को बैग छिनतई कर फरार हो गया। घटना विगत शुक्रवार की पूर्वाह्न 11 बजे की है। पीड़ित युवक सुनील यादव(पिता बैद्यनाथ यादव, बीरजामू, बगडो, कोडरमा निवासी) ने बताया कि वह गुजरात में मजदूरी का काम करता है और पूजा में अपने घर लौट रहे थे। कोडरमा स्टेशन में उतरने के झंडा चौके से कुछ दूर जाने पर बाइक सवार दो युवक आया और उनका बैग छिनकर फरार हो गया। उन्होंने बताया कि उनके बैग में जरूरी कागजात के अलावे कमाया हुआ 20 हजार रुपए कैश था। उन्होंने इस मामले में थाने में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि पूजा को लेकर शहर में लगातार छिनतई की घटना बढ़ रही है।

विधायक के नेतृत्व में रैयतों ने उपायुक्त से की मुलाकात

समस्या के समाधान का मिला आश्वासन

नवीन मेल संवाददाता। बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव के नेतृत्व में प्रभावित रैयतों ने उपायुक्त नैंसी सहाय से मुलाकात की। विदित हो बरकट्ठा में सिक्सलेन चौड़ीकरण के संदर्भ में डीसी हजारीबाग के आदेशानुसार एलाइनमेंट के मुताबिक मकान व संरचनाओं का मूल्यांकन करना था जो नहीं हो पाया। बगैर मूल्यांकन के कुछ प्रभावितों को मुआवजा के नाम पर नोटिस दिया गया है। नोटिस में 4/6 लाइन का जिक्र किया गया है। लेकिन मुआवजा राशि न देकर सहायता राशि 20 -30 हजार रुपए भुगतान लेने का नोटिस लोगों को दिया गया है। जिससे रैयतों में आक्रोश है। लोगों के मुताबिक सरकार का नक्शा और एलाइनमेंट के अनुसार संरचनाओं का मूल्यांकन कर मुआवजा राशि देना है। वहीं उपायुक्त ने आश्वासन दिया कि संबंधित लोगों को बुलाकर पूछताछ की जाएगी। वहीं लोगों ने बताया कि केसर हिंद जमीन के पूरब और पश्चिम दिशा में लोगों का जमीन और संरचनाओं का मुआवजा 20 से 96 लाख रुपया तक बरकट्ठा और परबत्ता के प्रभावित लोगों को संरचनाओं का राशि का भुगतान किया गया है। लेकिन केसर हिंद जमीन पर बसे प्रभावितों के साथ सौतेला व्यवहार क्यों किया जा रहा है ' यह सरकार स्पष्ट करे कि कितना फिट करके बरकट्ठा में जमीन अधिग्रहण किया जा रहा अथवा किया गया है। शामिल लोगों में राजेश प्रसाद ,बिंदु सोनी, शक्ति लाल, सतीश प्रसाद मिनहाज खान, पीतांबर नायक आदि लोग शामिल थे।

बरही के 129 आंगनबाड़ी में आज से लगा ताला,

नौनिहाल हुआ बहाल

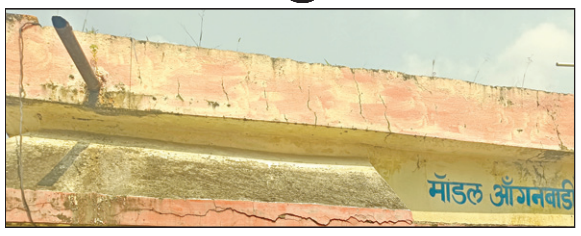

नवीन मेल संवाददाता। बरही राज्य की आंगनबाड़ी सेविका व सहायिकाओं का आज से अनिश्कितिकालीन हड़ताल पर चले जाने से प्रखंड सभी 129 आंगनबाड़ी केंद्र पर आज शनिवार ताला लग गया. इससे जहां एक और नौनिहालों पोषाहार के साथ इनके भविष्य पर भी ग्रहण लग गया. आंगनबाड़ी सेविका संघ के प्रखंड अध्यक्ष शोभा देवी ने बताया कि राज्य की सेविका व सहिया दिन रात मेहनत करके नौनिहालों को संवारने में लगी हुई है. बावजूद सरकार का सेवा कर्मियों पर कोई ध्यान नहीं है. उन्होंने बताया कि झारखंड राज्य सहायिका सेविका संघर्ष मोर्चा की बैनर तले अपनी मांगो के पूरी होने तक यह आंदोलन जारी रहेगा. उनके मांगो में प्रमुख रूप से सेविका व सहायिका का स्थायीकरण और जन तक स्थाई नहीं होता है तब तक सेविका को 1000 रुपए और सहायिका को 500 रुपए प्रतिदिन मानदेय, ईपीएफ, कार्य अवधि के दौरान असामयिक निधन पर सीधे अनुकंपा के आधार पर नौकरी, सरकारी सेवाओं में 50 फीसदी आरक्षण और आंगनबाड़ी केंद्र में पूरक पोषाहार की राशि किए अग्रिम भुगतान करना शमिल है. इस संबंध में बरही सीडीपीओ कार्यालय के राजीव कुमार ने बताया कि अब तक कोई वैकल्पिक व्यवस्था नही हुई है. वरीय पदाधिकारियों के निर्देशानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी.

न्यूज | बॉक्स

सरकार के कल्याणकारी योजनाओं का प्रदर्शनी लगाकर दिया गया जागरूकता संदेश

बरकट्ठा। जिला मुख्यालय के निर्देश पर झारखंड सरकार की कल्याणकारी योजनाओं जैसे- मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, मुख्यमंत्री ऊर्जा खुशहाली योजना, कृषि ऋण माफी योजना,अबुआ आवास योजना, हरा राशन कार्ड, मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, सर्वजन पेंशन योजना, सोना सोबरन धोती-साड़ी योजना, मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना, निःशुल्क साइकिल वितरण योजना, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, श्रमिक योजना, फूलो झानो आशीर्वाद योजना, दीदी बाड़ी योजना, कन्यादान योजना, सारथी योजना समेत अन्य कई योजना संबंधित जानकारी शुक्रवार को बाजार घंघरी में प्रदर्शनी केंद्र लगाकर ग्रामीण क्षेत्रों के महिला, किशोरी, विद्यार्थी, श्रमिक और किसानों को जागरूकता संदेश दिया गया। मौके पर दर्जनों की संख्या में महिला पुरुष उपस्थित थे।

आगामी विधानसभा आम निर्वाचन के मद्देनजर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने किया निरीक्षण

रामगढ़। आगामी विधानसभा आम निर्वाचन 2024 के मद्देनजर शनिवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार ने रामगढ़ महाविद्यालय रामगढ़ का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रामगढ़ महाविद्यालय रामगढ़ में चुनाव के सफल आयोजन हेतु डिस्पैच सेन्टर, मतगणना केंद्र तथा बज्रगृह स्थापित करने को लेकर उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। मौके पर उन्होंने निवार्ची पदाधिकारी 23 रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र सह अनुमंडल पदाधिकारी अनुराग कुमार तिवारी, निवार्ची पदाधिकारी 22 बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र सह भूमि सुधार उप समाहर्ता दीप्ति प्रियंका कुजूर, उप निर्वाचन पदाधिकारी रविंद्र कुमार गुप्ता सहित अन्य अधिकारियों के साथ निर्वाचन संबंधित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिया। वहीं, उन्होंने महाविद्यालय परिसर में आवश्यक मूलभूत सुविधाएं यथा पेयजल, शौचालय, पार्किंग व्यवस्था आदि का जायजा लेते हुए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर निर्वाचन की तैयारियां पूर्ण करने, सभी कार्यों को ससमय करने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया ।

बेरोजगारी भत्ता के लिए नौजवान संघ का धरना 21 को

कोडरमा। अखिल भारतीय नौजवान संघ जिला कमेटी की बैठक शनिवार को साहू धर्मशाला झुमरी तिलैया में हुई। झारखंड के नौजवानों को शिक्षित बेरोजगारी भत्ता देने, झारखंड में नियोजन नीति लागू करने, काम के अधिकार को संविधान में शामिल करने, अग्निपथ योजना को समाप्त करने आदि सवालों को लेकर विगत 21 अक्तूबर को समाहरणालय के सामने अखिल भारतीय नौजवान संघ के बैनर तले एक दिनी धरना देने का फैसला लिया गया। जिला सचिव क्यूमुद्दीन ने पिछले कार्यक्रमों का कार्य रिपोर्ट पेश किया, जिसे सभी ने पास किया। सीपीआई राष्ट्रीय परिषद सह जिप सदस्य महादेव राम ने कहा कि जिस भगत सिंह के देश में 23 वर्ष की उम्र में हंसते-हंसते फांसी पर चढ़ा, उनके ही देश में करोड़ नौजवान छले हुए महसूस कर रहे हैं। केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण नौजवान बेरोजगार हैं, जिन्हें बेरोजगारी भत्ता की जरूरत है। उन्होंने कहा कि करोड़ों नौजवानों को संगठित होकर भगत सिंह के आदर्श को अपनाते हुए दोलन तेज करने की जरूरत है।

अदानी कंपनी के खिलाफ दर्जनों गांवों ने 17 महीनों से धरने पर बैठे

बड़कागांव में फैलते प्रदूषण का जिम्मेवार कौन : मो हकीम

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग खतियानी परिवार की बैठक शनिवार को पुराने धरना स्थल के नजदीक महेश विश्वकर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में बड़कागांव क्षेत्र में बढ़ते प्रदूषण को ले कर चिंता जताई गई और चर्चा की गई कि एनटीपीसी एवं अदानी कंपनी के द्वारा क्षेत्र में प्रदूषण से आम जनता ग्रस्त है, जंगलों की कटाई धुआंधार चल रही है, पहाड़ नदी नाला का खुदाई धड़ल्ले से हो रहा है। जिससे धूल का अंबार जमीन से आसमानों तक फैलता हुआ नजर आ रहा है, गैसों का रिसाव सड़कों पर देखा जा रहा है, जंगल कटने से जंगली जानवर शहर की ओर कुच कर रहे है, ना हीं वहां चिकित्सा की व्यवस्था है, ना हीं अच्छी तरह दवा की व्यवस्था की जा रही है। बड़कागांव गोंदलपूरा में अदानी कंपनी के खिलाफ दर्जनों गांव करिब 17 महिनों से धरना पर बैठे हैं। उनकी मांग है की जितना मुआवजा सीसीएल एवं बीसीसीएल देती और एकड़ पर जमीन के बदले नौकरी देती और बिसथापितों को जमिन की व्यवस्था कंपनी करे। एसा नही होगा तो खतियानी परिवान ने आनदोलन में उतरने का मुड बन लिया है। बैठक में डॉ सी दांगी, बाबू भाई विद्रोही, रामावतार भगत, मो हकीम, विजय मिश्रा, अनवर हुसैन, प्रदीप कुमार मेहता, शंभू ठाकुर, मो फखरुद्दीन, सुरेश महतो, अमर कुमार, मो नसीरुद्दीन, बिंदु देवी, सीता देवी उपस्थित थे।

आठ सूत्री मांगों को लेकर आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन करती सेविका- सहायिकाओं

कोडरमा। झारखंड राज्य आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका संयुक्त संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर आठ सूत्री मांगों को लेकर शनिवार से सेविका-सहायिकाओं की बेमियादी हड़ताल शुरू हो गई। इससे जिले में 751 आंगनबाड़ी केंद्रों में ताला लटक गया है। तीन से छह वर्ष के करीब 25 हजार बच्चों को प्रतिदिन मिलने वाला पोषाहार भी बंद हो गया है। टीकाकरण, बीएलओ का काम भी प्रभावित हो गया है। झारखंड राज्य आंगनबाड़ी सेविका- सहायिका यूनियन के बैनर तले कोडरमा स्थित डॉ उर्मिला चौधरी क्लिनिक के पास से विशाल जुलूस निकाला गया, जो रांची- पटना रोड कोडरमा बाजार होते हुए समाहरणालय पहुंचकर प्रदर्शन और सभा में तब्दील हो गयी। जुलूस के दौरान सेविकाओं ने नारेबाजी भी की। मुख्य वक्ता सीटू के राज्य सचिव संजय पासवान ने कहा कि कहा कि केंद्र की मोदी सरकार द्वारा ईसीडीएस का निजीकरण और हर साल बजट में कटौती कर आंगनबाड़ी को समाप्त करने की साजिश कर रही है।

गोला में सड़क दुर्घटना, दो की मौत

रामगढ़ । गोला थाना क्षेत्र के भूभई गांव में शुक्रवार की रात सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई है। पुलिस के पीसीआर वैन ने बाइक सवार को धक्का मारा जिससे बाइक सवार दो लोगों की मौत हो गई। बताया जाता है की गोला थाना क्षेत्र के भूभई में रात 8:30 के आसपास गोला पुलिस केपीसीआर वैन ने बाइक सवार दो लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। पीसीआर वैन की टक्कर से घटनास्थल पर ही 27 वर्षीय अजीत हेंब्रम की मौत हो गई। वहीं, गंभीर रूप से घायल 20 वर्षीय सागर हेंब्रम को अस्पताल पहुंचाया गया। वहां इलाज के क्रम में सागर हेंब्रम की भी मौत हो गई।

आकांक्षी प्रखंड संपूर्णता अभियान का समापन

जयनगर/मरकच्चो। जयनगर प्रखंड सभागार में संपूर्णता अभियान का समापन समारोह भव्य रूप से संपन्न हुआ। यह अभियान 6 जुलाई से 30 सितंबर 2024 तक चला। इस कार्यक्रम का उद्घाटन डीडीसी ऋतुराज, बीडीओ गौतम कुमार, प्रमुख अंजू देवी, उप-प्रमुख राज नारायण सिंह ने किया। इस अवसर पर कई फ्रंटलाइन वर्कर्स, स्थानीय नेता और प्रखंड स्तर के अधिकारी भी उपस्थित थे। अस्पिरेशनल ब्लॉक फेलो अशोक कुमार ने कार्यक्रम में एक विस्तृत पीपीटी के माध्यम से संपूर्णता अभियान के तहत विभिन्न संकेतकों पर हुई प्रगति को प्रस्तुत किया।

दुगार्पूजा को लेकर खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने चलाया जांच अभियान

खाद्य पदार्थों के जांच के लिए सैंपल एकत्रित किए गए

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग दशहरा व आगामी त्यौहार के मद्देनजर उपायुक्त नैंसी सहाय के निर्देश पर एसीएमओ डॉ शशि जयसवाल ने खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी चंद्र प्रकाश गुग्गी को शहरी क्षेत्र के खाद्य प्रतिष्ठानों पर जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। इसी क्रम में आज खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने हजारीबाग नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों जिसमें मेसर्स प्रधान जी, मटवारी में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच को लेकर औचक निरीक्षण किया। उन्होंने शहरी क्षेत्र के अन्य मिठाई दुकान, होटल, रेस्तरां एवं खुदरा दुकानों आदि का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मिठाइयों की गुणवत्ता की जांच के लिए मिठाइयों का सैंपल संग्रह किया। उन्होंने इन प्रतिष्ठानों को खाद्य सुरक्षा के नियमों के अनुपालन के साथ कारोबार करने का निर्देश दिया। खाद्य पदार्थ बनाने में साफ पानी का उपयोग करने, कर्मियों के स्वच्छता पर ध्यान देने, फूड सेफ्टी के अनुज्ञप्ति के साथ कारोबार करने वाले कारोबारियों से समान की खरीद करने, उचित लेबल के साथ खाद्य सामग्रियों का पैक करने और खाद्य सामग्रियों में अनावश्यक रंगों के इस्तेमाल से परहेज करने का निर्देश दिया।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में गणित - विज्ञान मेला का हुआ आयोजन

इस तरह की प्रदर्शनी से बच्चों में आता है निखार : डॉ विमल कुमार

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग स्थानीय सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कुम्हार टोली, हजारीबाग में शनिवार को स्थानीय आधार पर गणित -विज्ञान मेला लगाया गया,जिसमें बाल वैज्ञानिकों ने गणित - विज्ञान संबंधी विभिन्न विषयों पर आकर्षक प्रदर्शों की प्रस्तुति की। माता सरस्वती वंदना के पश्चात मेला का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ विमल कुमार मिश्रा, प्राचार्य, आदर्श कॉलेज, राजधनवार, गिरिडीह, विशिष्ट अतिथि, विद्यालय के संरक्षक, श्रद्धानंद सिंह, अध्यक्ष डॉ प्रदीप कुमार सिंह, विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, मारखम कॉलेज, हजारीबाग, उपाध्यक्ष, डॉ अमिता कुमारी, विद्यालय के सचिव, डॉक्टर जयप्रकाश रविदास, प्रभारी प्राचार्य, बरही डिग्री कॉलेज, संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता वासुदेव, गजानंद पाठक, डायरेक्टर विवेकानंद आईटीआई एवं विद्यालय के प्राचार्य ब्रजेश कुमार सिंह के द्वारा हुआ। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ विमल कुमार मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा-बाल वैज्ञानिक भैया-बहनों को प्रोत्साहित करते हुए उनके द्वारा बनाए गए प्रदर्शों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्द्धन किया। इस तरह की प्रदर्शनी से बच्चों आगे बढ़ने की ललक होती है। उन्होंने गणितज्ञ रामानुजन, गोस्वामी तुलसीदास, महर्षि वाल्मीकि एवं भारतीय वैज्ञानिकों एवं गणितज्ञ के बारे में भैया- बहनों को बताते हुए कहा-आप सभी गणित एवं किसी भी एक भाषा पर मजबूत पकड़ बनाए जिससे आप विज्ञान एवं गणित के क्षेत्र में अपनी पहचान बना सकेंगे सनातनी संस्कृति विज्ञान एवं गणित के साथ साहित्य का समन्वय आदि के बारे में भी बच्चों को विस्तार से बताया। विद्यालय के अध्यक्ष डॉक्टर प्रदीप कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा-विद्या भारती के द्वारा संचालित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर का उद्देश्य शिक्षा और संस्कार के माध्यम से मनुष्य का निर्माण करना है। विज्ञान का संबंध नित्य नए और उपयोगी खोजों से है। सतत खोज के पश्चात ही विज्ञान संबंधी कुछ निष्कर्ष निकल आते हैं। उन्होंने बाल वैज्ञानिक भैया-बहनों द्वारा बनाए हुए मॉडलों की काफी सराहना की साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें बधाई दी।

सांसद व विधायक ने 4 करोड़ की विकास योजनाओं की रखी आधारशिला

डीएनएफटी से क्षेत्र का हो रहा है सतत विकास : मनीष जायसवाल

डीएमएफटी की राशि करीब 2 करोड़ 93 लाख रूपए की राशि से पीसीसी पथ का शिलान्यास किया गया

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएएफटी) की राशि से हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में विकास के कई कार्य हुए है और इस योजना से क्षेत्र की जरूरी विकास कार्यों को किया जा रहा है। क्षेत्र के हर इलाके शहर, गांव- कस्बे, गली के विकास के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ कर लोगों को राहत पहुंचाने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है।उक्त बातें हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र में डीएमएफटी योजनान्तर्गत दो विकासयोजनाओं की आधारशिला रखने के उपरांत कही। शनिवार को सांसद मनीष जायसवाल और बड़कागांव विधायक अम्बा प्रसाद ने संयुक्त रूप से बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत ग्राम सांढ में डीएमएफटी की राशि करीब 2 करोड़ 93 लाख रूपए की राशि से ग्राम सांढ के दुफेड़वा आम बैजनाथ महतो के घर से धमेंद्र प्रसाद के घर होते हुए श्मशान घाट तक एवं चैता महतो के घर से उत्क्रमित मध्य विद्यालय होते हुए मुख्य पथ जोधी महतो के घर तक पीसीसी पर निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया।

सांढ और गोसाईंबलिया दुर्गा मंडप में सांसद ने टेका माथा

हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र के ग्राम सांढ और ग्राम गोसाईं बलिया में नवरात्र के अवसर पर दुर्गा मंडप पहुंचकर यहां माथा टेका और माता रानी से संपूर्ण हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।उक्त मौके पर विशेषरुप से विनोबा भावे विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति मुकुल देव नारायण, संवेदक सह पूर्व मुखिया संघ जिला उपाध्यक्ष पारसनाथ प्रसाद, सांढ़ पंचायत मुखिया सुलेखा कुमारी, चौपदार बलिया पंचायत मुखिया पूजा कुमारी, कांग्रेस के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष विशेश्वर नाथ चौबे, प्रधानाध्यापक गोपाल कुमार दांगी, सांसद मनीष जायसवाल के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें।

युवा नेता गौतम कुमार की पहल पर लगा 100 केवी का ट्रांसफार्मर, कहा

अब तक पूरे विधानसभा में 100 से अधिक ट्रांसफार्मर लगवा चुका हूं

नवीन मेल संवाददाता। बरकट्ठा जेलकेम के युवा नेता गौतम कुमार के पहल पर प्रखण्ड क्षेत्र के बेडोकला पंचायत अंतर्गत मधुवन में 100 केवी का ट्रांसफर्मर लगाया गया ।इस दौरान गौतम कुमार ने कहा कि अब तक पुरे बरकट्ठा विधानसभा में 100 से अधिक ट्रांसफर्मर लगाया जा चुका है।आगे भी विधानसभा क्षेत्र में सेवा जारी रहेगा।उद्घाटन के दौरान सुदामा कुमार, संतोष कुमार, मुकेश रविदास, संतोष पासवान, गणेश प्रजापति,संदीप कुमार, रोबिन कुमार, सुनील आकाश, भोला दास, रंजन शंकर, पप्पु कुमार, मिथुन कुमार, नरेश कुमार, बैजनाथ, पिंटु राजेश, रमेश राणा समेत दर्जनों लोग मौजुद थे।

पंचकर्म प्रशिक्षण सह सेवा केंद्र का डीसी ने किया उद्घाटन, कहा

पंचकर्म भवन खुलने से जिले के सभी परेशान मरीजों को मिलेगा लाभ

◆उपायुक्त ने पंचकर्म भवन परिसर में औषधीय पौधा लगाया

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग जिला में स्वास्थ्य चिकित्सा अब दिन पर दिन और बेहतर होते जा रहा है, आयुष विभाग के द्वारा हजारीबाग जिला में पंचकर्म प्रशिक्षण सह सेवा केंद्र का उद्घाटन हजारीबाग उपायुक्त नैंसी सहाय ने फीता काटकर किया। जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ एस एन तिवारी ने उपायुक्त महोदया को गुलदस्ता देकर स्वागत किया। उपायुक्त नैंसी सहाय ने कहा कि पंचकर्म भवन खुलने से जिले के सभी परेशान मरीजों को लाभ मिलेगा। जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ एस एन तिवारी ने बताया की पुराने रोगों से प्रभावित मरीजों को स्थाई लाभ के अंतर्गत शारीरिक शोधन, स्नेहन स्वेदन, बमन ब्रिचन, उपस्थी, सिरो धारा, रक्त मोक्षन आदि किया का लाभ प्रदान किया जाएगा। जिससे स्थाई रूप से शरीर एवं मन की विकृतियां का निराकरण होता है। राज्य के सभी जिला में आयुष विभाग की देशी चिकित्सा पूरा धमाल मचाई हुई है सभी जिलों के गांव गांव में आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) में आयुष विभाग के चिकित्सक पदस्थापित हैं और गांव-गांव सुदूर-क्षेत्र जंगल हो या पहाड़ी एरिया वहां जाकर चिकित्सकीय उपचार एवं दवा का वितरण किया जाता है, प्रमौके पर जिला आयुष नोडल सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आनंद कुमार शाही, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ मकरंद कुमार मिश्रा, डिपिम जमाल रिजवी, डॉ विजय तिवारी, डॉ नीरज उपाध्याय, डॉ कौकाब सारा, डॉ रंजना कुमारी, डॉ दीपिका, झारखंड सेवा मंडल के सचिव सुबोध ओझा, संजय ओझा, प्रफुल सिंह, सुरजीत नागवाला, रामबली चौधरी, योग प्रशिक्षक आदि उपस्थित रहे।

मंईयां सम्मान यात्रा कार्यक्रम की तैयारी को लेकर डीसी एवं एसपी ने लिया जायजा

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सिमडेगा जिला में आज होने वाले "मंईयां सम्मान यात्रा" के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर शनिवार को उपायुक्त सिमडेगा अजय कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सौरभ कुमार ने कार्यक्रम स्थल अल्बर्ट एक्का स्टेडियम, सिमडेगा एवं कोलेबिरा प्रखंड स्टेडियम सहित इण्डोर स्टेडियम, सिमडेगा हेलीपैड स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम से संबंधित विधि-व्यवस्था का जायजा लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उपायुक्त ने सभी कार्यों को समय से पूर्ण कर लेने की बात कहीं। उन्होंने मंईयां सम्मान योजना से आच्छादित लाभुकों के आगमन, पार्किंग व्यवस्था, आम जनता के लिए पीने की पानी हेतु टैंकर की व्यवस्था, स्टेडियम के चारों ओर साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए थाना प्रभारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होंने बैरिकेडिंग करने, आम जनता के लिए अलग से पार्किंग का व्यवस्था सुनिश्चित कराने की दिशा में आवश्यक निर्देश दिया। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी सुमन्त तिर्की, जिला परिवहन पदाधिकारी ओमप्रकाश यादव, प्रखंड विकास पदाधिकारी, थाना प्रभारी सहित अन्य पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दल के साथ उपायुक्त ने की बैठक

सिमडेगा। उपायुक्त अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को आगामी विधानसभा आम चुनाव 2024 के निमित एमसीसी आईटी आवेदन इन्श्योर नामांकन इत्यादि से संबंधित प्रशिक्षण समाहरणालय सभागार में आयोजित की गई। जिसमें मुख्य रूप से सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के अध्यक्ष व सचिव गण उपस्थित रहे। उपायुक्त ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को कई विषेश जानकारियां दी। उन्होंने सक्षम एप्प में दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर सहित आवश्यक सुविधा हेतु अपने-अपने क्षेत्र के दिव्यांग मतदाताओं के लिए अप्लाई सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। उन्होंने हम वोटिंग हेतु बुजुर्ग मतदाताओं का चयन कर सूची उपलब्ध कराने की बात कही। बैठक के दौरान सी विजिल एप में आदर्श आचार संहिता की उल्लंघन से संबंधित मामलों का जानकारी देने की बात कहीं। इसके अलावा उपायुक्त ने कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी। मौके पर निर्वाचन पदाधिकारी पवन कुमार महतो, एलआरडीसी अरुणा कुमारी, सहित अन्य पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

शिशु विद्या मंदिर लचरागढ़ में मनाई गई रानी दुर्गावती जयंती

कोलेबिरा। विवेकानंद शिशु-विद्या मन्दिर लचरागढ़ में शनिवार को वीरांगना रानी दुर्गावती की जयंती मनाई गई। सर्वप्रथम रानी दुर्गावती के प्रतिमा के समक्ष प्रधानाचार्य राजेंद्र साहू के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित , पुष्पार्चन किया गया। तत्पश्चात सभी आचार्य बारी बारी से पुष्पार्चन किए।इस अवसर पर विद्यालय में छात्र छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया। शिखा कुमारी कक्षा नवम, संजीव कुमार कक्षा सप्तम पूजा कुमारी कक्षा निलेश सिंह कक्षा अष्टम, पायल कुमारी कक्षा नवम के द्वारा रानी दुर्गावती के जीवनी पर प्रकाश डाला गया।अंत में प्रधानाचार्य राजेंद्र साहू के द्वारा वीरांगना रानी दुर्गावती के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए बताया गया कि रानी दुर्गावती की आज 500 वीं जयंती मना रहे है, रानी दुर्गावती का जन्म 5 अक्टूबर 1524 को हुआ था।वह गोंड जनजाति से आती थी।ये 52 बार युद्ध की जिसमे मात्र 1 ही बार पराजय हुई थी। आज इनका गुणगान विभिन्न माध्यम से होती है।दुर्गाष्टमी को जन्म लेने के कारण उनका नाम दुर्गा पड़ा।उन्होंने ने कहा कि रानी दुर्गावती जैसा सभी बहनों को साहसी पराक्रमी बनने की ज़रूरत है।

न्यूज बॉक्स

एकदिवसीय चिकित्सा शिविर सह आयुष्मान कार्ड निर्माण कैंप का हुआ आयोजन

महाबुआंग। थाना प्रभारी के पहल पर थाना एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वाधान में महाबुआंग थाना में शनिवार को कैंप लगाकर स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डॉक्टर शाहबाज अली के नेतृत्व में बानो स्वास्थ्य विभाग की टीम के द्वारा ओपीडी की व्यवस्था की गई,बीपी,सुगर,हिमोग्लोबिन,सिकल सेल,मलेरिया पारा चेक,आदि की जांच की गई, जांच उपरांत निशुल्क दवाई भी वितरण की गई।थाना प्रभारी अभिषेक कुमार ने बताया कि पिछले 6-7 महीना से थाना क्षेत्र का पेट्रोलिंग और भ्रमण कर जनता से मिलने के बाद यह पता चला कि बानो स्थित स्वास्थ्य केंद्र की दूरी ज्यादा होने के कारण कई सारी बीमारियों का इलाज जड़ी बूटी और झाड़-फूंक का सहारा लेकर ग्रामीण करते हैं जो कभी-कभी नुकसान देह साबित हो जाता है। इस लिये शिविर लगाया जा रहा ।

संत थॉमस स्कूल बानो में चित्रांकन प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

बानो। संत थॉमस स्कूल बानो में शनिवार को चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चित्रांकन प्रतियोगिता में स्वच्छ व पर्यावरण विषय पर चित्र बनाना था ,विद्यालय के छात्राओं वर्ग 4 व वर्ग 5 छात्र छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में बेहतर चित्र बनाने वालों सांत्वना पुरस्कार दिया गया। वर्ग 4 से छात्रा जीरेंन,एंजेल व आराध्या तथा वर्ग 5के छात्रा खुशी ,रिमझिम, व सृष्टि समद क्रमशः प्रथम दुतीय,तृतीय स्थान प्राप्त किया।प्रिंसिपल फ्रांसिस टेटे ने कहा बच्चों को चाहिए कि पढ़ाई के साथ साथ खेल ,चित्रांकन में भी रुचि रखना चाहिए।आज चित्रांकन से भी अपनी रोजगार प्राप्त कर सकते हैं विद्यालय में होने वाले खेल कूद प्रतियोगिता में जरूर भाग लेंम खेलों में भाग लेने से शरीर स्वस्थ रहता है घर मे समय समय चित्रांकन का भी अभ्यास करते रहना चाहिए।

बानो में रौतिया समाज का तीन दिवसीय खेल कूद व सांस्कृतिक कार्यक्रम सपंन्न

बानो। प्रखण्ड के सिकोरदा में आयोजित सामाजिक फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला परिषद बीरजो कंडुलना ने खेलाडियो से परिचय प्राप्त कर किया। वही रात्रि में भक्ति जागरण व सामाजिक समस्याओं पर चर्चा की गई। समापन में रात्रि में नागपुरी गीत संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन रौतिया समाज बानो प्रखण्ड अध्यक्ष महेश सिंह व रूपेश बड़ाईक ने फीता काटकर किया। महेश सिंह ने कहा समय के साथ समाज के लोगो को जागरूक होना होगा आज समाज के विकास के लिए एक जुट होकर लड़नी होगी कार्यक्रम में रौतिया समाज के कलाकार गौतम सिंह ,भरत सिंह ,नरेंद्र सिंह पार्वती देवी आदि कलाकारों ने रात भर लोगो को खूब झुमाया।

विद्या बड़ाईक ने सड़क में घायल व्यक्ति की मदद की

सिमडेगा। भाजपा जलडेगा मंडल प्रभारी विद्या बड़ाईक ने सड़क में घायल व्यक्ति की मदद की। श्री बड़ाईक जलडेगा मंडल में बैठक कर वापस लौट रहे थें। टापुडेगा के पास स्वंय अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे दो व्यक्ति गिरे पड़े थें। मंडल प्रभारी घायल व्यक्ति के पास पहुंचे। तत्काल 108 एलम्बुलेंस और पुलिस को दूरभाष के माध्यम से दुर्घटना की सूचना दी। समय पर 108 और पुलिस पहुंच गई और घायलों को सदर अस्पताल में इलाज के लिए लाया गया। घायलों में गुड़गुड़ टोली निवासी प्रफुल केरकेट्टा तथा छोटू प्रधान शामिल है।

भाजपा नेताओं के प्रयास पर प्रवासी मजदूर का शव पहुंचा गांव

ठेठईटांगर। ठेठईटांगर प्रखंड क्षेत्र के मृत प्रवासी मजदूर गोविंद प्रधान जिसका अंद्रप्रदेश राजामुंडी रेलवे स्टेशन पर घर आने के क्रम में बीमारी से मृत्यु हो गई थी जिसकी सूचना उनके परिजनों ने भाजपा युवा मोर्चा श्रावण साहू एवम प्रखंड अध्यक्ष विजय महतो को दिया।तत्पश्चात मंडल अध्यक्ष विजय महतो ने भाजपा नेता सुजान मुंडा को सूचना दिया और बताया कि गोविंद प्रधान का राजा मुंडी रेलवे स्टेशन पर बीमारी से मृत्यु हो गई है और उनके परिजन घर शव को लाने में असमर्थ है ,सुजान मुंडा ने सूचना पाते ही श्रम अधिक्षक सिमडेगा पुनीत मिंज को आवेदन सौप का शव को घर तक लाने हेतु आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने की बातें कही।

विधानसभा चुनाव को लेकर कुरडेग प्रखंड कार्यालय में दिया गया प्रशिक्षण

कुरडेग। विधानसभा चुनाव को लेकर प्रखंड कार्यालय सभागार में प्रखंड स्तरीय चुनाव प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण 5 एवं 7 अक्टूबर दो दिन आयोजित किया गया है।प्रथम दिन स्कूलों एवं विभागों के आधे शिक्षक एवं कर्मियों ने प्रशिक्षण में शामिल हुए।बाकी आधे दूसरे दिन शामिल होगें।मास्टर ट्रेनर संतोष कुमार यादव एवं भूषण नायक के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।प्रशिक्षण के दौरान निर्वाचन कार्यों से संबंधित सभी बिन्दुओं पर विस्तारपूर्वक बताया गया।इस दौरान मतदान की पूरी प्रक्रिया एवं ईवीएम के बारे विस्तृत जानकारी दी गई।साथ ही मतदान दिन की पूर्व संध्या,मतदान दिन व मतदान के बाद के कार्यों की भी जानकारी दी गई।

भाजपा ने सिर्फ लोगों को लूटा, कांग्रेस गठबंधन सुविधा देने का कर रहा काम : नमन

सिमडेगा। झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के निर्देनुसार कोलेबिरा विधानसभा अंतर्गत पांचों प्रखंड ठेठईटांगर, कोलेबिरा, बोलबा, जलडेगा एवं बांसजोर के प्रखंड और पंचायत स्तर के कार्यकर्ताओं संग जन संवाद लक्ष्य 2024 कार्यक्रम का आयोजन किया गया।मौके पर आगामी विधानसभा चुनाव में पुनः कांग्रेस पार्टी को मजबूत करते हुये राज्य में सरकार बनाने के लिए अपील किया। वहीं कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी गठबंधन की सरकार अनेकों प्रकार की योजना लाकर लाभान्वित करने का प्रयास कर रही है।किन्तु भाजपा एवं झापा गरीब,आदिवासी, पिछड़ा, अल्पसंख्यक को समृद्ध होते नहीं देख पा रहा है।साथ ही इस महत्वाकांक्षी योजना को रोकने के लिए इन लोगों ने हाईकोर्ट में केस तक दर्ज कराया है।

मांगों को लेकर झारखंड शिक्षा परियोजना कर्मियों ने दिया धरना

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। झारखंड शिक्षा परियोजना कर्मी संघ राज्य इकाई झारखंड एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कर्मी संघ द्वारा शनिवार को संयुक्त रूप से अपनी विभिन्न मांगों को राज्य कार्यकारणी की बैठक मेंअपनी मांग पारित नहीं होने के दुखी होकर तीन दिवसीय धरना का दिया। जिसमें जिला स्तर पर समाहरणालय के समीप धरना किया गया तथा 7 अक्टूबर एवं 8 अक्टूबर को मुख्यमंत्री आवास के समीप प्रस्तावित है जिसमें सिमडेगा जिले से सभी प्रबंधन मद के परियोजना कर्मी एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के कर्मी भाग लेंगे। इस अवधि में सभी कर्मी अवकाश में रहेंगे उन्होंने बताया कि उनकी मुख्य मांग सीपीआई के आधार पर वेतन वृद्धि , चिकित्सा बीमा ,इपीएफ, पेंशन , सेवा नियमितीकरण शामिल है।मौके पर डॉक्टर देशबंधु शास्त्री आशा विलुंग, जय रश्मि ,अनिल खलखो, नीलिमा कुजूर, पार्वती कुमारी, शिखा कुमारी, प्रेमा केरकेट्टा, रेखा नंदिनी, गुलजार राजा ,निम्न इक्का, राजेश कुमार, प्रमिला बड़ाईके जयप्रकाश सिंह, रामशरण मांझी ,निर्मला लिंडा, रीना कुमारी, संध्या कुमारी ,संध्या मिंज,फूलमानी तिर्की, सनी पीटरहेरेंज, देवमाती देवी, महफूज आलम, पूनम कुमारी पूनम साहू ,अमृता कुमारी, कुमारी कुल्लू, सुधा कुमारी सचिन तिर्की इत्यादि लोगों शामिल हुए।

डीसी ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' से संबंधित जागरूकता रथ को किया रवाना

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। उपायुक्त अजय कुमार सिंह ने समाहरणालय परिसर से बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ से संबंधित जागरुकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बताया कि जिला समाज कल्याण विभाग, सिमडेगा द्वारा बाल विवाह, दहेज प्रथा को समाप्त करने व किशोरियों, बालिकाओं में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार की ओर से सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना लागू की गयी है। सरकार की ओर से दिए गए लक्ष्य को शत प्रतिशत पूर्ण करना है। जागरुकता रथ जिले के सभी प्रखंडों में हाट बाजारों, वार्ड, गांव, पंचायतों में जाकर लोगों को जागरूक करेगा।उपायुक्त ने कहा कि योजना का उद्देश्य किशोरियों के अपने जीवन के सम्मान में स्वतंत्र निर्णय लेने के लिए सक्षम बनाना है। मौके पर उप विकास आयुक्त संदीप कुमार दोराईबुरु, समाज कल्याण पदाधिकारी सुरज मुन्नी कुमारी, जिला नियोजन पदाधिकारी आशा मैक्सिमा लकड़ा अन्य मौजूद रहे।

विधानसभा चुनाव को लेकर उपायुक्त ने सभी कोषांग के पदाधिकारियों संग की बैठक

सिमडेगा। आगामी विधानसभा आम चुनाव-2024 के निमित्त उपायुक्त सिमडेगा अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में गठित सभी कोषांग के वरीय, नोडल एवं प्रभारी पदाधिकारी संग बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान चुनाव संबंधी कार्यों के तहत तैयारियां से संबंधित सभी पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने जिले सभी कर्मियों का डाटा बेस प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई करने हेतु निर्देश दिया। कार्यालय के द्वारा कर्मियों का डाटा नहीं दिया गया है उसे विभाग के कार्यालय प्रधान ससमय सूचित कर समय उपलब्ध कराने की बात कहीं। उन्होंने सोमवार से कर्मियों का प्रशिक्षण हेतु वरीय प्रशिक्षण पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश दिया। पोस्ट बैलेंस से संबंधित अलग काउंटिंग हॉल चयन करने का निर्देश दिया। स्वीप कार्यक्रम के तहत हर गांव में धूमकुडिया एवं जतरा आदि का आयोजन कर मतदाताओं को जागरूक करने की बात कहीं। इसके अलावा उन्होंने चुनाव से संबंधित महत्वपूर्ण निर्देश दिये। बैठक में जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

भाजपा नेता सोनू एक्का ने गांव में किया जनसंपर्क, लोगों की सुनी समस्याएं

नवीन मेल संवाददाता

पाकरटांड। प्रखंड स्थित आसनबेडा पंचायत के सारुबेडा गांव में शनिवार को भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता सोनू एक्का ने परिवर्तन पदयात्रा के तहत पहुचे।इस अवसर पर महिला-पुरुष युवक-युवतियां ग्रामीण लोग भारी संख्या में मौजूद थे। सोनू एक्का ने सारुबेडा गांव क्षेत्रों की सारी समस्याओं से अवगत हुए।ग्रामीणों ने बताया ब्रिटिश काल से गांव में बिजली नहीं जली है।लोग आज भी अंधेरे में अपना जीवन यापन करने पर विवश हैं।सारुबेडा गांव में बिजली आयेगी।तो गांव की रौनक बढ़ जायेगी। उन्होंने बताया।की सारुबेडा गांव में बच्चों की शिक्षा के लिये वर्ग 1 से लेकर वर्ग 8 तक के लिये स्कूल नहीं है।शिक्षा स्तर में सुधार होगीतो बच्चे आगे की पढ़ाई कर पायेंगे।यहां सड़क की व्यवस्था नहीं है।कारण अधिकांश लोग बेरोजगारी का दंश झेलने पर विवश हैं।सड़क की व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों को आने-जाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।गांव तक जाने के लिये सड़क की उचित व्यवस्था नहीं है।सोनू एक्का ने कहा कि इस बार के विधानसभा चुनाव के दौरान आप सभी सिमडेगा विधानसभा से सभी लोग भरपूर तरीके से भाजपा का सहयोग करें।

रणनीति बनाते हुए प्रत्येक घर पहुंचें कांग्रेस कार्यकर्ता : विधायक

सिमडेगा। विधायक भूषण बाड़ा ने आगामी विस चुनाव को लेकर प्रखंड स्तरीय चुनाव समिति का गठन किया है। नव गठित सभी चुनाव समिति के सदस्यों के साथ विधायक ने बैठक की। साथ ही सभी सदस्यों को आगामी विस चुनाव को लेकर बेहतर रणनीति बनाते हुए लोगों के घर घर जाने का निर्देश दिया। विधायक ने कहा चुनाव तक सभी घरों तक कांग्रेस का झंडा लेकर जाना है। उन्होंने आगामी विस चुनाव मेहनत, संगठन के प्रति समर्पण एवं आम जनता की प्रति सेवा भाव पर निर्भर करेगी। विधायक ने कहा कि संगठन को मजबूत करने एवं आगामी विस चुनाव जिताने के लिए पार्टी के अन्य सभी कार्यकर्ताओं को भी शामिल करें। कुरडेग प्रखंड हमारी जनता काफी जागरूक है। विधायक ने सदस्यों को कुरडेग के हर बूथ में जीत दर्ज करने का मूल मंत्र भी दिया।

कांग्रेस पार्टी ने गांव में किया जन संवाद लक्ष्य 2024 कार्यक्रम का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

ठेठईटांगर। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के निर्देनुसार कोलेबिरा विधानसभा अंतर्गत ठेठईटांगर प्रखंड के खरवागढ़ा गाँव में शनिवार को जन संवाद लक्ष्य 2024 कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में वक्ताओं ने कांग्रेस पार्टी के गौरवशाली योगदान और गठबंधन सरकार द्वारा झारखण्ड के जनता को दिये जा रहे महत्वकांक्षी योजनाओं को प्रचार प्रसार करते हुये आगामी विधानसभा चुनाव में पुनः कांग्रेस पार्टी को मजबूत करते हुये राज्य में सरकार बनाने के लिए अपील किया।साथ ही सभी से कहा कि जन विरोधी भाजपा और उसकी बी टीम को क्षेत्र से बाहर करने के लिए आह्वान करे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जन संवाद कार्यक्रम के प्रभारी पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ प्रदीप कुमार बलमुचू , सदस्य पूर्व मंत्री गीताश्री उरांव ,कैम्पेन कमिटी सदस्य डॉ अजय नाथ शाहदेव,मेनिफेस्टो कमिटी सदस्य दयामनी बरला,जिलाध्यक्ष डेविड तिर्की, विधायक नमन बिक्सल कोंगाड़ी ,झारखण्ड युवा आयोग सदस्य विशाल तिर्की ,महिला कांग्रेस अध्यक्ष शान्ति बाला केरकेट्टा , सेवा दल जिला मुख्य संगठक सामरोम पौल टोपनो ,युवा प्रदेश सचिव वारिस रज़ा, वरीय उपाध्यक्ष जॉन्सन मिंज ,जिला उपाध्यक्ष शिशिर मिंज ,सम्मी आलम शैतन्य लोगों ने संबोधित करते हुए विधानसभा चुनाव की तैयारी में अभी से ही जुट जाने का आवाहन किया गया।

जूनियर कैंब्रिज स्कूल की स्वर्ण जयंती पर संस्थापक का सम्मान समारोह आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। जूनियर कैंब्रिज स्कूल अपने स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष में शनिवार को विद्यालय संस्थापक सदस्यों का सम्मान समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थापक सदस्यों के परिवार से उपस्थित रेखा रानी, विद्या देवी और अंजू रंजन के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। सर्वप्रथम स्वागत करते हुए विद्यालय की प्राचार्या प्रभा केरकेट्टा ने सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि विद्यालय स्वर्ण जयंती वर्ष में प्रवेश कर चुका है और इस वर्ष को यादगार बनाने के लिए विद्यालय परिवार सभी संस्थापक सदस्यों के परिवार को सम्मानित कर रहा है। हमारे पूर्व सम्मानिए पदाधिकारी गण जिन्होंने सर्वप्रथम विद्या वनस्थली शिक्षा समिति के सदस्य एवं मार्गदर्शन बनाकर समिति को आगे बढ़ाने में तन मन धन से अपना योगदान दिया था। आज उन सभी पुण्य आत्माओं का आशीर्वाद आज हमारे साथ है।विद्यालय के निदेशक ने कहा कि जब कोई संस्था जन्म लेती है तो जनमानस संस्था से लाभ लेने के लिए उत्सुक होते हैं। संस्था का मुख्य कार्य सेवा होता है। संस्था सेवा के रूप में लोगों को ज्ञान और प्रेम बांटते हैं। प्रेम के आधार स्तंभ में समाज, ज्ञान, अन्न और प्राण देते हैं। मौके पर संस्थापक समिति के परिवार से उपस्थित सदस्य भुवनेश्वर सेनापति, गोविंद अग्रवाल, रेखा रानी, अरविंद प्रसाद, कामेश्वर प्रसाद, दिनेश्वर प्रसाद, अनुज प्रसाद, प्रदीप प्रसाद, संजय प्रसाद और विद्या देवी को तुलसी का पौधा भेंट स्वरूप देते हुए विद्यालय परिवार अपनी कृतज्ञता प्रकट की। पौधा वितरण में विद्यालय परिवार के प्रभात कुमार का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। विद्यालय में उपस्थित सभी संस्थापक सदस्यों के उत्तराधिकारियों के उज्जवल भविष्य की कामना की गई और जन गण मन के साथ कार्यक्रम को पूर्ण किया गया।

आईरीन एक्का ने कहा बेटी की अगुवाई में होगी बदलाव की क्रांति

केरसई। प्रखंड के कोनजोबा पंचायत के डुंबरटोली गांव में शनिवार को ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया गया। झापा नेत्री आईरीन एक्का ने फीता काटकर ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया। महीनो बाद ट्रांसफार्मर बदलने के बाद बिजली आपूर्ति बहाल होने पर ग्रामीणों ने आईरीन एक्का का गांव में भव्य स्वागत किया और उन्हें धन्यवाद दिया। ग्रामीणों ने कहा कि समस्या के समाधान के लिए ही विधायक का चुनाव होता है, लेकिन स्थानीय जनप्रतिनिधि जनता की समस्या से कोई मतलब नहीं रखते है। उन्होंने विधानसभा चुनाव में काम करने वाले नेता को ही चुनने की बात कही। मौके पर आईरीन एक्का ने अपने संबोधन में कहा कि झारखंड पार्टी सभी समस्या को दूर करते हुए हर चेहरे पर मुस्कान लाना चाहती है। उन्होंने कहा कि झारखंड पार्टी की जीत के साथ है ट्रांसफार्मर और बिजली के समस्या को दूर किया जाएगा।

मदर टेरेसा कॉलेज ऑफ नर्सिंग में प्रदर्शनी आयोजित, सीएस हुए शामिल

नवीन मेल संवाददाता

बानो। मदर टेरेसा कॉलेज ऑफ नर्सिंग में नर्सिंग प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के ए।एन।एम। प्रथम वर्ष द्वितीय वर्ष तथा जी।एन।एम। की छात्राएं बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस प्रदर्शनी के माध्यम से लंग्स, फोटोथेरेपी , ह्यूमन स्किन, डाईलेसिस, सोलर एनर्जी एवं रेनवॉटर हार्वेस्टिंग, वाटर प्यूरीफिकेशन , महिला प्रजनन तंत्र के साथ साथ स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर प्रदर्शनी का आयोजन विभिन्न स्टाल लगाकर किया गया है। संस्थान के निदेशक डॉ प्रह्लाद मिश्रा ने बताया कि विभिन्न विद्यालयों से सैकड़ों की संख्या में छात्र,छात्रा इस नर्सिंग प्रदर्शनी को देखने तथा सीखने हेतु पहुंचे जिससे लोगों में उचित स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का प्रचार - प्रसार किया गया। नर्सिंग एक्जीबिशन के मुख्य अतिथि सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान ने दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करने के पश्चात विभिन्न स्टॉल का निरीक्षण कर विषयगत प्रश्न पूछा, वहीं विशिष्ट अतिथि डॉ। के।के। शर्मा ने भी दूसरे सत्र में नर्सिंग एक्जीबिशन का निरीक्षण किया, साथ ही विशेष अतिथि पुलिस निरीक्षक रामानुज कुमार वर्मा भी संयुक्त रूप से उपस्थित रहे। वहीं वाटर प्यूरीफिकेशन को प्रथम, फोटोथेरेपी को द्वितीय तथा डाईलेसिस को तीसरा स्थान मिला, मुख्य अतिथि के हाथों ट्रॉफी वितरित किया गया जिसके बाद सभी ग्रुप को विशिष्ट अतिथियों द्वारा सांत्वना पुरस्कार के रूप में ट्रॉफी वितरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कोर्डिनेटर रविकांत मिश्रा ने किया मौके पर संस्थान के निदेशक डॉ प्रह्लाद मिश्रा, जीएनएम की प्राचार्य एरेन बेक, एएनएम की प्राचार्य प्रभा सुरीन, अल्बीना टोपनो, तनुप्रिया साहू, वंदना, अमृता जोजो, कामना रेवराज, लीलावती, मटिल्डा, रवि वर्मा, बिल्लू अग्रवाल सहित संस्थान की सभी छात्राएं उपस्थित रहीं।

भारतीय इतिहास मे महारानी दुर्गावती का नाम प्रसिद्ध

सिमडेगा। झारखंड प्रदेश गोड़ आदिवासी महासभा के द्वारा शनिवार को विरांगाना महारानी दुर्गावती की जयंती धूमधाम के साथ मनाई गई। अलबर्ट एक्का सटेडियम के समीप आयोजित प्रतिमा स्थल पर पूर्व विधायक विमला प्रधान सहित गोंड समाज के कई पदधारी उपस्थित थे। मौके पर विधायक पूर्व विधायक ने अपने संबोधन में कहा कि रानी दुर्गावती भारतीय इतिहास में एक ऐसा नाम है जिसकी पहचान देश के प्रसिद्ध विरांगानाओं में होती है। उन्होंने महारानी दुर्गावती का जन्म पांच अक्तूबर 1524 में चंदेल राजपूताना के महोबा राजा के घर में हुआ था। बचपन से ही रानी दुर्गावती हथियार चलाने, घोड़सवारी करने आदि का शोक रखती थी। रानी दुर्गावती के साहस की चर्चा बचपन से ही होते रहती थी।युवावस्था में रानी दुर्गावती का विवाह गोड राजा दलपत शाह के साथ हुआ।

मसूरी : गंगोत्री का प्रवेश द्वार

अनिता रश्मि

उत्तराखंड के देहरादून से 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्रीष्मकालीन पर्वतीय नगर मसूरी गंगोत्री का प्रवेश द्वार है, खूब लोकप्रिय और बेहद सुदंर भी। मसूरी में टेंडम पैराग्लाइडिंग तथा ट्रेकिंग की विश्व स्तरीय सुविधा उपलब्ध होने से देश-विदेश के यायावर आते हैं। हम हरिद्वार की याद को दिलों में सँजोए मसूरी की खूबसूरत बलखाती राहों से गुजरते हुए ऊपर जा रहे थे। आकाश में प्रचंड दिवाकर हँसते हुए अपना तेज दिखला रहा थ कि एक गुरुद्वारे के पास पहुँचे। यहाँ रुकने की उत्तम व्यवस्था है लेकिन अभी खाली न था। वहाँ से यू टर्नवाली सड़क से और ऊपर जाकर एक होटल के बाहर, हर होटल सीढ़ियों की मेहरबानी के हवाले। शाम को अस्ताचल में बाँधनी के लाल और पीले रंगों के बीच जंग छिड़ी थी, जब माल रोड की सैर को निकले। दुकानों से अँटे पड़े माल रोड में पाँव धरने की जगह न थी। दूर-सुदूर से एकाध घरोंवाली सुरम्य चोटियाँ आकर्षण में बाँधने के लिए तत्पर। लेकिन हर कोई भागा जा रहा था।

अँधेरा घिर आया, जब पैदल पाँव रंग-बिरंगे फव्वारों की फुहारों के करीब पहुँचे। यहाँ फव्वारे के बीच आदमकद प्रतिमाएँ दिखीं। प्रतिमाओं के बहुत पास ऊपर से रोप वे के केबल कार ऊपर जा रहे थे, आहिस्ते-आहिस्ते जैसे दबे पाँव पी से मिलने जा रहे हों। रोपवे से आप बंदरपंच चोटी से मिल सकते हैं।

सुप्रसिद्ध लेखक, उपन्यासकार रस्किन बांड याद आए। उन्होंने काफी वक्त प्रकृति की इस अद्भुत उपहार में विचरते हुए अनगिन रोचक कृतियाँ दी हैं। लोग उनकी कृतियों के दीवाने हैं। उनके बेहतरीन उपन्यासों को माल रोड की दुकानों से खरीदा जा सकता है।

मसूरी से 23 किलोमीटर दूर कैंपटी फॉल की सैर दूसरे दिन के नाम रही। भोर की लालिमा से होड़ ले जग गए। वहीं माल रोड पर बची जगहें देख, फॉल के लिए निकले। रास्ते भर मोटी रस्सियों से पीठ पर सामान बाँधे पहाड़ी ऊँचाई पर धड़ाधड़ दूरियाँ नापते मेहनतकश। पर्वतीय ऊँचाई पर ऐसे दृश्य आम...कत्तई पसंद आने लायक नहीं।

अब कैंपटी फॉल का ऐसा विकास कि जगह-जगह से जलप्रपात टुकड़ों में नजर आता है। पिछली बार 40 फीट की ऊँचाई से गिरते झरने के तल पर सुंदर चाँदी से चमकते तालाब के सामने पत्थर पर हम जा बैठे थे। मसूरी ही नहीं, पूरे उत्तराखंड के सबसे सुंदर झरनों में से एक कैंपटी निर्झर के चारों ओर खुले आकाशीय वितान तले मनोरम दृश्य और फुहारों ने मन में उमंगों को हवा दी थी। आखिर वह हम नवविवाहित जोड़े की प्रथम यात्रा थी। ऊपर से नीचे तक झरना एक साथ नजर आया था। जलप्रपात के जल को सरोवर में गुडुप से डूब जाते हम देर तक देखते रहे थे। उसमें तैराकी करने वालों की मौज थी।

आज जगह-जगह बँटा निर्झर नीचे बुलाता रहा, पहाड़ काटकर नई बनी सड़क की रेलिंग से ऊपर से ही झाँका। आधा-अधूरा टुकड़ों में बँटा झरना नजर आया, पूरा नहीं। स्वच्छंद हवाओं में अब दुपहरी की गर्मी थी।

यहाँ भी कोयले की आँच पर सिंकते, नींबू-नमक मिले सोंधे, स्वादिष्ट भुट्टे। पर्वत काटकर बने एक बड़े से समतल मैदान में बसों, कारों की रेलमपेल।

इसी रास्ते पर मसूरी की सबसे शांत जगह है लेक मिस्ट। प्रकृति की गोद में बसे इस सुंदर पर्यटन स्थली में प्राचीन झील के नीले, साफ पानी में नौका विहार की सुविधा पर्यटकों को रोमांचकारी अनुभव प्रदान कराती है, झील पर जैसे रंग-बिरंगे पाखी।

मसूरी से 6 किलोमीटर की दूरी पर प्रसिद्ध लाल टिब्बा आकर पर्यटक प्राकृतिक परिवेश को देख आश्चर्यचकित हो जाते हैं। लाल टिब्बा का अर्थ है 'लाल पत्थर' मसूरी की सबसे ऊँची एवं अधिक बारिश होने के कारण बेहद ठंडी जगह लाल टिब्बा भी स्वर्ग के समान सुंदर मानी जाती है।

मसूरी से 5 किलोमीटर दूर प्रसिद्ध कंपनी बाग की ओर रुख किया हमने। यहाँ रंग-बिरंगे फूलों के साथ एक कृत्रिम तालाब में नौका विहार का सुख बस महसूस किया जा सकता है। निकटवर्ती लैंढ़ौर कस्बा भी बालोगंज और झाड़ीपानी सहित वृहत या ग्रेटर मसूरी में आता है।

यहाँ हरीतिमा युक्त पर्वत विभिन्न पादप-प्राणियों समेत नजर आते हैं। उत्तर-पूर्व में हिम मंडित शिखर सिर उठाये दंभी दृष्टिगोचर होते हैं, तो दक्षिण में दून घाटी और शिवालिक श्रेणी दिखती है।

9 किलोमीटर दूर गन हिल पॉइंट मसूरी के सबसे ऊँचे, रम्य, रोमांचक पर्यटन केंद्रों में से एक हैं इसका नाम एक लुप्त ज्वालामुखी गन हिल के नाम पर रखा गया है। कहते हैं, यहां की पहाड़ी पर एक पुरानी बंदूक रखी हुई है। ऊँचाई से हिमालय की ऊँची-ऊँची बर्फीली चोटियों को सूरज की रोशनी में अलग रंगों में देखा जा सकता है।

इनके अलावा क्लाउड एंड मसूरी एक बेहतरीन वाकिंग प्लेस है। यहाँ से मसूरी का अंतिम स्थान दिखता है। अलगर नदी घाटी का एक बहुत ही मनोरम दृश्य दिखाई देता है देवदार के ऊँचे-ऊँचे वृक्षों से भरे मसूरी के केदारनाथ पीक, गंगोत्री पीक, बंदर दीपक खूब रमणीय हैं मसूरी के अलकनंदा एवं धौलागंगा में राफ्टिंग करते हैं लोग।

राजस्थान लाइब्रेरी, बेनोग वन्य जीव अभयारण्य आदि मनोरंजक स्थलों से भरे मसूरी को भी स्थानीय लोग 'पर्वतों की रानी' कहते हैं। मैं अक्सर सोचती, 'हिमालय की गोद में कितनी पर्वतों की रानियाँ?' वैसे यहाँ के सुरम्य वातावरण ने पूर्व में भी मन मोह लिया था, इस बार भी।

कैसे जाएं : देहरादून हवाई, रेल या बस से पहुँच सकते हैं। यहाँ से सड़क मार्ग ही मसूरी के आवागमन का एकमात्र विकल्प है। कैब, स्टेट ट्रांसपोर्ट और निजी ऑपरेटर्स की लग्जरी बसें उपलब्ध।

हर इलाके में रहने के लिए उत्तम व्यवस्था के साथ हर रेंज में होटल हैं। वैसे तो कभी भी, कहीं भी बारिश हो सकती है। पर बरसात में न जाएँ।

स्थानीय भोजन : चने की दाल का फन्ना, आलू के गुटके, फानू, पालक की सब्जी काफुली, नशाहीन भांग की चटनी चावल के साथ खा सकते हैं।
विविध राज्यों के प्रमुख, प्रसिद्ध जायकेदार व्यंजन तो मिलते ही हैं।

मुस्कान की लाली

गीता चौबे 'गूंज'

दादी! फेरीवाले काका आ गए। आज बड़े सुंदर-सुंदर तरबूज लेकर आएँ हैं। उनके साथ उनकी बेटी भी आयी है। चलिए न दादी खरीद दीजिए। मुझे बहुत पसंद है। अले, मेला लाजा बेटा तलबूज खाएगा। चल खलीद देती हूँ, जितना मन हो खा ले... कहते हुए गोलू की दादी ने तरबूज वाले को पैसे दिए और एक छोटा तरबूज काटकर देने को कहा। गोलू ने तरबूज खाते हुए तरबूज वाले की बेटी से कहा, तुम कितनी लकी हो, तुम्हें रोज तरबूज खाने को मिलता है। रोज कहाँ? बाबा कहते हैं कि जब खूब पैसे हो जाएँगे तब तुम्हें भी रोज खाने को दूँगा। गोलू ने आश्चर्य से तरबूज वाले काका को देखा। काका गोलू का आशय समझ कर बोले, छोटे साहब पेट भरने के लिए 'भात' की जरूरत होती है, उसी के इंतजाम में गली-गली साइकिल पर फलों का टोकरा लेकर घूमना पड़ता है, जिससे पूरे परिवार का पेट भर सकूँ। गोलू उस काका की बात बड़े ध्यान से सुन रहा था। उसे याद आया कि उसकी टीचर ने एक बार कहा था कि हमें किसी के चेहरे पर मुस्कुराहट लाने के लिए छोटी-सी कोशिश अवश्य करनी चाहिए। उसने तुरंत दादी से कहा, दादी! आप थोड़ा-सा तरबूज काका की बेटी के लिए भी खरीद दीजिए न...। अरे नहीं बेटा! ये लोग बड़े लालची होते हैं, एक बार दे दो तो पीछा ही नहीं छोड़ते। आज दे दूँगी तो रोज आएगी। तुम्हें जितना खाना है उतना खाओ और चलो यहाँ से। दादी ने सख्ती से कहा। दादी! मुझे और तरबूज खानी है ...मन-ही-मन कुछ सोचकर गोलू ने कहा। अच्छा ठीक है... कहकर दादी ने तरबूज वाले से दूसरा तरबूज काटने को कहा। गोलू ने दूसरे तरबूज का छोटा-सा टुकड़ा स्वयं लिया और बाकी सभी टुकड़े तरबूज वाले की बेटी को दे दिए। अरे! जब तुम्हें खाना नहीं था तो क्यों लिया, उतना पैसा बरबाद कर दिया। दादी मेरा पेट इतने से ही भर गया, और बर्बाद कहाँ हुआ? काका की बेटी खा लेगी। गोलू के साथ-साथ गोलू की दादी ने भी देखा- काका और उसकी बेटी के चेहरे पर आयी मुस्कान की लाली से शाम की आभा सिंदूरी हो उठी।

माफ कीजिए

संगीता कुजारा टाक

माफ कीजिए
टीचर जी !
आपकी बातें झूठी निकलीं
आपने कहा था -
'सच बोलो,
सच की हमेशा जीत होती है'
नहीं टीचर जी!
सच बोलने वालों की हमेशा फजीहत होती है
इंसान अकेला हो जाता है रिश्तों की भीड़ में
टीचर जी !
आपकी बातें झूठी निकलीं
आपने कहा था-
'विनम्र बनो, विनम्रता गुणों की खान है'
नहीं टीचर जी !
विनम्र रहने वालों को
उनकी आवाज के साथ दबा दिया जाता है
और झुके हुए सिर से
ऑक्सीजन
फेफड़ों तक नहीं पहुंच पाता!
टीचर जी !
आपकी बातें झूठी निकली
आपने कहा था- 'दूसरों के हक के लिए लड़ो,
अपने लिए तो जानवर तक लड़ते हैं '
नहीं टीचर जी !
आजकल दूसरों के हक के लिए लड़ने वालों को
बेवकूफ समझा जाता है...
लोग मौकापरस्त समझते हैं
मुझसे ये गाली सही नहीं जाती!
टीचर जी!
आपकी बात मान कर मैंने बड़े दुख पाए हैं
टीचर जी !
आप भी मेरी तरह थीं न ? -- भोली?
आपने भी अपनी टीचर की बात मानी थी न ?

यादों की बारिश

घनघोर काली घटाएँ ! तेज मूसलाधार बारिश और मेघों की भयंकर गर्जना! जैसे किसी अनहोनी की ओर इशारा कर रही हो। टीवी पर बार-बार दिखाया और सचेत किया जा रहा था कि तेज बारिश के कारण बाढ़ विकराल रूप लेती जा रही है सभी आसपास के गाँव धीरे-धीरे अपना अस्तित्व खोते जा रहें हैं। मन में रह-रहकर ख्याल आ रहा है- कहीं मेरा भी गाँव तो नहीं डूब जाएगा? आँखें बस स्क्रीन पर ही गड़ी हैं। क्या मेरा गाँव...? या माँ की कर्मभूमि !! छोटी-सी उम्र में ही पढ़ने के लिए शहर आ गया था फिर नौकरी के कारण बड़े-बड़े शहरों में ही पोस्टिंग होती रही। ऐसे में माँ अकसर बुलाती थी, कभी तो आजा बेटा! पर मुझे मिट्टी की गीली गलियाँ, कच्चे-पक्के घरों के चूल्हे से निकलता सफेद-पीला धुआँ, बरसात में चारों ओर की काई, गोबर की गंध जाने क्यों अच्छी नहीं लगती थी। कितने बहाने बनाता था मैं! कभी मीटिंग है, कभी बच्चों की पढ़ाई, कभी और कुछ। नहीं जाने के सैकड़ों बहाने थे मेरे पास। माँ को भी स्वयं कभी शहर रास नहीं आया। उनकी भी अपनी दुनिया थी जिसमे कुछ गाएँ, तरह-तरह की सब्जियों और फूलों के पौधे तथा पड़ोसियों के सुख-दुःख थे, जो उनका साथ नहीं छोड़ते थे। माँ कभी फोन से, तो कभी चिट्ठी लिखकर बुलाती थी मुझे। तब मैं उन चिट्ठियों की कीमत बिल्कुल समझ न पाता और सोचता- माँ भी ना! जब मोबाइल पर बातें हो जाती है, फिर भी चिट्ठियाँ क्यों भेजती रहती हैं .... फिर एक दिन गोबर-मिट्टी की गंध लिये चली गयी माँ किसी और ग्रह पर अपनी दुनिया बसाने। पूरे दो महीने हो गए हैं, पर पता नहीं क्यों आज बहुत याद आ रही है माँ। दराज से सारी चिट्ठियाँ निकाल लाया, तब एहसास हुआ-जैसे ये शब्द नहीं, बल्कि माँ ही सामने बैठ, मेरे सुख-दुःख पूछ रही हो। तेज बिजली की गड़गड़ाहट ने मेरी तन्द्रा तोड़ दी और फिर मन गहरी आशंका में डूब गया। सामने टीवी पर मेरे ही गांव के चित्र आ रहे थे, जिसे बाढ़ अपने साथ बहाकर ले जा रही थी, ... माँ का वह घर, वह पीछे का कुंआ वह अमरूद का पेड़, खूँटे से बँधे गाय और बैल, आँगन की तुलसी, चिड़ियों के लिए बिखरे दाने, धीरे-धीरे सब तेज बहाव में विलीन होते गए। लगा मैं सच में अनाथ हो गया । माँ के जाने के बाद भी यह पीड़ा नहीं हुई थी, जो आज महसूस हुई। आज लगा जैसे मेरा बचपन, मेरा अस्तित्व, माँ के स्पर्श से भरा घर का हर कोना, सब बाढ़ के साथ बह गया। मैं फूट-फूटकर रो पड़ा। लगा दो महीने पहले नहीं, मेरी माँ आज ही मरी हैं।

सत्या शर्मा 'कीर्ति'

नयी कोंपल

अनामिका मिश्रा

राधिका की तबीयत अचानक बिगड़ गई। रोहित की मां को लगा शायद राधिका गर्भवती है....और सच में वो गर्भवती थी। मगर अचानक एक दिन राधिका रोहित रात को एक पार्टी से लौट रहे थे, एक्सीडेंट हो गया और....पता चला कि राधिका का मिसकैरेज हो गया । डॉक्टर ने कहा कि, अब वो दोबारा माँ नहीं बन सकती। राधिका की सास को इस बात की बहुत फिक्र थी। आज दोनों काशी से लौट रहे थे रोहित और राधिका। माँ का देहांत हो गया था। उनकी अंतिम इच्छा थी कि उनका अंतिम संस्कार गंगा नदी के किनारे हो और अस्थि विसर्जन भी वहीं हो। राधिका की सास की बहुत इच्छा थी कि राधिका और रोहित की कोई संतान हो जाए पर इच्छा पूरी नहीं हो सकी थी। राधिका और रोहित लौटते वक्त मंदिर के दर्शन करने गए। दर्शन करके जब लौटने लगे तो उन्होंने देखा 2 वर्ष की बच्ची वहां रो रही थी और अकेली बैठे हुए थी। राधिका और रोहित उसके पास गए और उससे पूछने लगे, क्या हुआ तुम अकेले यहाँ क्यों रो रही हो! उस बच्ची ने तुतलाते हुए कहा कि, उसके माता-पिता नहीं है,उसकी चाची सुबह उसे यहां लाई थी और बैठा कर गई, मैं प्रसाद लेकर आ रही हूं,पर वो अभी तक नहीं लौटी। राधिका और रोहित जब सब समझ चुके थे। उन्होंने कहा, चलो तुम हमारे साथ हमारे घर, तुम्हारी चाची अब नहीं आएगी। उस बच्ची को राधिका ने आंसू पोंछे, माथा चूमा और उसे प्रसाद खिलाया,अपने साथ लिवा लाई। वो सोचते लगी कि, कल रात उसने सपना देखा था जिसमें,एक मुरझाया सूखा पौधा था छोटा सा और उसके बगल में ही एक नया पौधा,नया कोंपल उग रहा था। ईश्वर ने नये कोंपल भी खिला दिए। कितने दयालु है भगवान, वो ईश्वर का हृदय से धन्यवाद दे कर आंखों में खुशी और गम के आंसू लिए उस बच्ची को लेकर ट्रेन में चढ़ गई।

रे जोगिया

सत्या सिन्हा

न मांगा सोना, न चांदी को रटाए,
मनका - मनका चुन - चुन मोतिया दे पिराए।
बांध गले में काला धागा, प्रियतम से लजाए,
पानी की इक बूंद ले, जोगनिया मृगतृष्णा से भरमाए।
भरल - पूरल थी, छोटी सी कुटिया,
फिर काहे, जोगिया गया परदेस कमाए ?
दर-दर ढूंढ रही बूढ़ी मां, आंचल में गुड़-मलीदा छिपाए,
खेतों में अकेले खट रहे छोटे भाई, स्नेह को तरसाए।
गुड्डे - गुड़ियों की शादी रचा रही छोटी बहना,
कौन दुलार करे, कौन उसकी डोली सजाए ?
चंद सिक्कों की खातिर, न जाने कैसे मति भरमाए ,
फिर काहे, जोगिया गया परदेस कमाए?
सूनी आंखों से रास्ता ताकते बाबा, उन्हें कैसे समझाए?
जिन अंगुलियों ने थामी थी बाहें, उन्हें कौन राह दिखाए?
औरों की गुलामी से अपनी मलकियत भली,
सारी बतिया, जोगिया को के विधि समझाए ?
मां बाबा की बाहों में सिमटा देस - परदेस,
जोगनिया खींच - तान कर गृहस्थी की गाड़ी चलाए,
फिर काहे, जोगिया गया परदेस कमाए?
न सुनी बच्चों की तुतली बोली, न घोड़ा बनकर घुमाया,
किस्से कहानियों में बाबा से मिली लाडो, बेटे ने भी थोड़ा बहुत जाना।
औरों को कंधे पर घूमते देख पूछते कब आयेंगे बाबा?
काहे गए परदेस? अपना घर ही कासी-काबा।
मां बाप दोनों बनकर थक गई जोगनिया, कौन सिर पर हाथ फेरे,
कौन सहलाए? फिर काहे, जोगिया गया परदेस कमाए?

चांदनी

पूनम सिन्हा भाव शिखा

मैं कहां थी! चांदनी थी मैं न थी
मैं कहां थी! चांदनी थी मैं न थी

विराने में छेड़ा था जिसने आपको
सूने मन को झंकृत किया था आपके
वो भी भला कोई और ही था, मैं न थी
मैं कहां थी! चांदनी थी मैं न थी

दिल कभी पागल हुआ था मेरा भी
एक जुनून था चाहत थी मेरी कभी
वो कोई पागल ही था,मैं ना थी
मैं कहां थी! चांदनी थी मैं न थीं

मेरा इश्क मुलायम रेशम वाला
रूह भी सरगम सा, बजने वाला
नासमझ था नादान भी, मैं न थीं
मैं कहां थी! चांदनी थी, मैं न थी

अब तो छिपने का आलम भी ना
रहा बारिशों का दौर अब जो शुरू
हुआ ये गलत है की जुनून में
डूबी हुयी, मैं न थी

मैं कहां थीं! चांदनी थीं मैं न थी
मैं कहां थी! चांदनी थी मैं न थी।''

बथुकम्मा

राग-खुशी-उल्लास व आस्था का उत्सव

पद्मा मिश्र
(संस्मरण)

आंध्रप्रदेश/तेलंगाना में मनाया जाने वाला राग रंग-फूलो की सुरभि और खुशबू का त्योहार बथुकम्मा नवरात्रि के प्रथम दिन बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। मै इस समय हैदराबाद तेलंगाना में हूं और अपनी बालकनी से नीचे सजी धजी साडियों में पुष्प स्तवक लिए आती जाती महिलाओ को देख रही हूं। बथुकम्मा तेलंगाना का एक रंगीन पुष्प त्योहार है और महिलाओं द्वारा क्षेत्र के देशी विदेशी फूलों के साथ मनाया जाता है.. यह त्यौहार वर्षों से तेलंगाना की संस्कृति और पहचान का प्रतीक बन गया है.. बथुकम्मा सर्दियों की शुरूआत से पहले, मानसून के उत्तरार्ध में आता है। फूलों का यह त्योहार एक विशेष उत्सव के रूप में विशेष रूप से महिलाओ द्वारा मनाया जाता है।जो बथुकम्मा साडियां पहने फूलों से श्रृंगार कर पूजा करती हैं और एक दूसरे को फूलो का उपहार भी देती हैं। फूलों से सात लेयर से गोपुरम मंदिर की आकृति बनाई जाती है.. इस छोटे से पुष्प पर्वत को देवी बथुकम्मा के रूप में पूजा जाता है। यह त्यौहार हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है। इसी गोपुरम की आकृति के चारोओर घूम-घूमकर महिलाए। नृत्य करती हैं। प्रत्येक वर्ष यह पर्व सातवाहन कैलेंडर जो नौ दिनो तक पितृ अमावस्या से प्रारंभ होता है।जो सितंबर से अक्टूबर में शुरू होने वाले ग्रेगेरियन कैलेंडर से जुड़ा है..और नौ दिनो तक एक अनुष्ठान के रूप में मनाए जाने का प्रचलन है। यह त्योहार शारदीय नवरात्रि। अथवा दुर्गा पूजा से भी संबद्ध है। तेलुगु में बथुकम्मा का

अर्थ है 'मां देवी जीवित हो जाएं' और देवी महा गौरी-'जीवन दाता' को नारीत्व की संरक्षक देवी गौरी देवी के रूप में पूजा जाता है, जिन्हें बथुकम्मा के नाम से भी जाना जाता है.. बतुकम्मा को देवी पार्वती को वर्तमान वर्ष के लिए फसल की कटाई और उत्पन्न आय के लिए मानव जाति को आशीर्वाद देने के लिए धन्यवाद देने के लिए यह पर्व मनाया जाता है। और इसी समय से शरद ऋतु की शुरूआत मानी जाती है। इन समारोहों के दौरान, नृत्य प्रदर्शन, संगीत, नाटक और विभिन्न प्रकार के मनोरंजन होते हैं और हजारों दर्शक और स्थानीय लोग भी इन सुंदर आयोजनों को देखने के लिए आते हैं। क्योंकि यह तेलंगाना की संस्कृति का प्रतीक भी है अत :सदियों से चली आ रही एक लोककथा भी प्रचलित है। सदियों पहले एक राजा और एक रानी रहते थे जिनके सौ पुत्र थे। ऐसा माना जाता है कि एक युद्ध में सभी पुत्र मारे गए और दंपति ने देवी लक्ष्मी से अपनी बेटी के रूप में जन्म लेने की प्रार्थना की। दंपत्ति के समर्पण को देखकर देवी राजकुमारी लक्ष्मी का जन्म हुआ। उसका नाम बथुकम्मा (जिओ हे मेरे बच्चे !) रखा गया था, वह बेहद सुंदर थी और फूलों से प्यार करती थी.. तब से लड़कियों और महिलाओं फूलों से देवी बथुकम्मा की पूजा करती हैं। नौ दिनों तक चलने वाला यह त्यौहार न केवल जीवन का जश्न मनाता है बल्कि महिलाओं को सम्मानित भी करता है। उपयोग किए जाने वाले फूल मौसमी होते हैं और इनमें औषधीय गुण होते हैं.. परिवार में पुरुष इन फूलों को इकट्ठा करते हैं जबकि महिलाएं उन्हें थम्बलम नामक थाली पर व्यवस्थित रूप से सजाती हैं.. नौ दिनों में से प्रत्येक का एक अलग नाम होता है जो तैयार किए गए नैवेद्यम (भोजन की पेशकश) पर आधारित होता है। इनमें से ज्यादातर चीजें साधारण सामग्री से बनाई जाती हैं और घर में बच्चे अक्सर इस प्रक्रिया में भाग लेते हैं। यह केवल 9वें दिन होता है - जिसे सद्दुला बथुकम्मा के नाम से जाना जाता है। घर की महिलाएं चावल की पांच किस्मों से युक्त एक नैवेद्यम तैयार करती हैं.. इस दिन महिलाएं बथुकम्मा को केंद्र में रखती हैं और उसके चारों ओर लोक गीत गाकर नृत्य करती हैं। सूर्यास्त से पहले, वे अपनी अच्छी तरह से सजाए गए बथुकम्मा को ले जाते हैं और उन्हें बड़े जल निकायों में विसर्जित कर देते हैं।। बथुकम्मा तेलंगाना की सच्ची भावना का प्रतिनिधित्व करता है और इसलिए इसे राज्य उत्सव के रूप में भी घोषित किया गया है। इस वर्ष संयोग से मैंने भी इस उत्सव में शामिल होकर खुशी का अनुभव किया।और पहली बार किसी दक्षिण भारतीय त्योहार का आनंद उठाया।दुर्ग जी की स्थापित मूर्ति जहां आस्था। विश्वास और भक्ति की भावना जगाती है। वहीं बथुकम्मा जैसे उत्सव प्रकृति के महत्व और समरसता का संदेश देते है।

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/व्हाट्सएप 82925 53444। –संपादक

आज का दोहा

महल लाख का, आग के सारे खिड़की, द्वार।
चलीं हवाएं रार की, पिघल रहीं दीवार।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

सुंदरता का मोल

गीता सिन्हा
गीतांजलि

एक कौवा उड़ता- उड़ता सरोवर के किनारे गया। उसने देखा एक सफेद हंस पानी में तैर रहा है। वह अपने दोनों डैनों को फैलाए पानी की लहरों का आनंद लेता हुआ तैर रहा था। उसके सफेद पंख संगमरमर के पत्थर के समान चमक रहे थे। प्रातः कालीन सूर्य की किरणें उन पंखों पर पड़ रही थी। कौवा अपने रंग पर खीजता हुआ, अपने सिर पर टक्कर मारते हुए, कांव-कांव करते हुए पानी की सतह पर पहुँचा। उसने हंस की ओर देख कर बोला - - - हंस भाई, तुमने क्या अच्छे-अच्छे कर्म किए की विधाता ने तुम्हें इतना श्वेत, इतना सुंदर बनाया? मैं तो अपने रंग- रूप, अपनी कर्कश आवाज पर रो रहा हूँ।

हंस मुस्कुराया, अपने भाग्य पर इठलाया - - - कौवा भाई, प्रकृति में मुझसे भी सुंदर पंछी हैं। देखो, महुआ के पेड़ पर तोते कितनी प्यारी आवाज में शोर मचा रहे हैं। चलो, वहाँ चलते हैं।

दोनों उड़ते हुए महुआ के पेड़ पर पहुँचे। एक तोता आगे बढ़कर अपनी मीठी आवाज में अगवानी करते हुए बोला - - - हंस भैया, कौवा भैया, मेरे पेड़ पर तुम्हारा स्वागत है।

कौवा बोला - - - न जाने, तुम सब ने क्या अच्छे कर्म किए कि विधाता ने इतनी सुंदर

काया दी। पंख ऐसे कि हरे पत्ते भी लज्जित हो जाएँ। होंठ ऐसे कि लिपस्टिक वाले होठ भी शर्मा जाएँ।

अब एक तोता से रहा नहीं गया।--- इसी सुंदरता के कारण तो मनुष्य हमें बंदी बनाकर पिंजरा में डाल देता है। सालों साल हम कैदी का जीवन जीते हैं।

कौवा और हंस दोनों गंभीर हो गए। कौवा ने कहा - - यह तो हमने सोचा ही नहीं। तुमसे भले हम हैं कि हमारी स्वतंत्रता बनी रहती है।

कौवा उड़ता हुआ, अपने स्वतंत्रता पर खुश होता हुआ घोंसला की ओर जा रहा था।

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

एक नजर

धरना पर बैठे सीएचओ से मिले धर्मेंद्र तिवारी

रांची। 14 दिनों से धरने पर बैठे सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी सीएचओ से भारतीय जनतंत्र मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी ने भेंट की। धरना पर बैठे लोगों ने कहा कि सत्ता व विपक्ष के लोग अभी तक मिलने नहीं आए हैं। मौके पर तिवारी में कहां की राज्य के अधिकारी व पदाधिकारी बड़ी-बड़ी बातें करते हैं रोजगार का सृजन करते हैं लेकिन अंदर जाएंगे तो कुछ और देखने को मिलेगा। सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी संविदा पर कार्य करते हैं जो कि ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी सेवा दे रहे हैं।

कैलाशपति मिश्र की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी

रांची। धुर्वा में स्थापित भाजपा नेता कैलाशपति मिश्र की प्रतिमा की प्लास्टिक हटाकर शनिवार को भाजपा नेताओं ने माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। रक्षा राज्यमंत्री सांसद संजय सेठ, महानगर अध्यक्ष वरुण साहू और अन्य नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। स्वर्गीय मिश्र की शनिवार को जयंती भी थी। इस अवसर पर नेताओं ने कहा कि पार्टी के निर्माण तथा समाज कल्याण के लिए उनका त्याग और समर्पण अतुलनीय है। इस अवसर पर बलराम सिंह, जीतेंद्र वर्मा, शोभा यादव, रविनाथ किशोर एवं अन्य लोग मौजूद थे।

'नशे को ना-जीवन को हां' को लेकर जागरूकता कार्यक्रम

रांची। नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को एमसीए कांटाटोली में नशा/अवैध ड्रग्स को लेकर जागरूकता अभियान कार्यक्रम चलाया गया। इस कार्यक्रम मे एमसीए संस्था में उपस्थित स्थानीय युवा, महिलाएं,एवं संस्था से जुड़े वॉलिंटियर्स को ड्रग्स के नाशक परिणाम, कानूनी पक्ष एवं इससे बचने के उपायों के बारे में विस्तार से बताया गया। एएनटीएफ टीम सी0आई0डी0 झारखंड से पु०अ०नि०रिजवान अंसारी ने अवैध ड्रग्स के क्रय -विक्रय करने वालों तथा इसमें संलिप्त व्यक्तियों से निपटने के लिए,और उन पर कैसे और इस दिशा में झारखंड पुलिस कार्रवाई कर रही है।

वन्यजीव संरक्षण पर सेमिनार

पलामू में बाघ और साहिबगंज में डॉल्फिन की संख्या बढ़ाने की कवायद

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार और वन विभाग ने आज नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ (एनयूएसआरएल) रांची में वन्यजीव संरक्षण सप्ताह के तहत सुस्त भालू, बाघ और डॉल्फिन के संरक्षण पर एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में एनयूएसआरएल और बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के छात्रों ने भाग लिया। सेमिनार में सुस्त भालू के संरक्षण पर डॉ. हरेंद्र सिंह, बाघ के संरक्षण पर रिटायर्ड प्रधान मुख्य वन संरक्षक प्रदीप कुमार और डॉल्फिन के संरक्षण पर गौतम ने महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। डॉ. शोवोना ने वेबिनार के माध्यम से डॉल्फिन के संरक्षण के खतरों पर चर्चा की।

कार्यक्रम में रांची के बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के प्रोफेसर बसंत उरांव, डीएफओ अवनीश कुमार चौधरी, आईएफएस प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजय श्रीवास्तव, मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) एसआर नटेशा सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद थे। सेवा निवृत ढउउऋप्रदीप कुमार ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, बाघ अत्यंत मजबूत जीव हैं और माइनस 30 डिग्री से लेकर 40 डिग्री तक के तापमान को सहन कर सकते हैं। उन्होंने बेतला नेशनल पार्क और पलामू टाइगर रिजर्व में बाघों की स्थिति के बारे में भी जानकारी दी और बताया कि उनकी संख्या बढ़ाने के लिए रेलवे लाइन को शिफ्ट किया जा रहा है।

डॉल्फिन के संरक्षण पर गौतम ने बताया कि कैसे उनकी गिनती की जाती है और साहेबगंज में वन विभाग के कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी गई है। डॉ. शोवोना ने बताया कि डॉल्फिन का शिकार तेल के लिए किया जा रहा है और मछली पकड़ने के दौरान इस्तेमाल होने वाले जाल भी उनके लिए खतरा हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को मोमेंटम देकर सम्मानित किया गया।

डीएफओ अवनीश कुमार चौधरी ने एनयूएसआरएल के वीसी डॉ. प्रो अशोक आर पाटिल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम की तैयारी में उनका सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण था।

एचईसी के पुनरुद्धार के लिए सरकार के साथ बैठक होगी : वाजपेयी

रांची। भाजपा के प्रदेश सह प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कहा है कि वह एचईसी के मामले में जल्द ही सरकार के साथ बैठक निर्धारित कर इसके पुनरुद्धार के लिए प्रयास करेंगे। वह शनिवार को भारतीय मजदूर संघ के प्रांतीय कार्यालय में एचईसी कर्मचारियों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर भाजपा नेता विनय जायसवाल भी मौजूद थे। वाजपेयी ने कहा कि एचईसी देश की धरोहर है। इसने भारत सरकार को एक से एक उपकरण बनाकर विदेशी मुद्रा बचायी है। एचईसी की पुरानी हो चुकी मशीनों को अपग्रेड करने के साथ कार्यशील पूंजी एवं नए तरीके से काम करने की जरूरत है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि कर्मचारियों का वेतन समय से मिले। इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश संगठन मंत्री बृजेश कुमार, एचईसी मजदूर संघ के महामंत्री रमाशंकर प्रसाद, सचिव विकास तिवारी, उपाध्यक्ष सुनील कुमार, रविकांत, सरोज कुमार, बसंत पिल्लई, डी भट्टाचार्य, मनोज कुमार एवं अन्य मौजूद थे।

न्यूज | बॉक्स

लाल किशोर व संजय को कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता की जिम्मेवारी

रांची। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग का विस्तार किया है। इस संबंध में शनिवार को प्रदेश कांग्रेस मीडिया चेयरमैन सतीश पाल मुंजनी ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस ने लाल किशोर नाथ शाहदेव और संजय पांडेय को मुख्य प्रवक्ता की जिम्मेवारी सौंपी है। पार्टी के नीति, सिद्धांतों, कार्यक्रमों को मीडिया के माध्यम से जनता के समक्ष रखने के लिए मीडिया कमिटी में विस्तार किया गया है। मुंजनी ने आशा व्यक्त की है कि दोनों नेता संगठन के हित में नेतृत्व के निर्देशों का पालन करते हुए संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे।

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्राएं बीमार

लातेहार। जिले के बरवाडीह कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की कई छात्राएं शनिवार को फूड प्वाइजनिंग की शिकार हो गई। हालांकि इलाज के बाद सभी छात्राओं की स्थिति पूरी तरह सामान्य बताई गई। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को खाना खाने के बाद अचानक विद्यालय की छात्राओं ने सर में चक्कर आने तथा खुजली होने की शिकायत की। एक साथ कई छात्राओं के द्वारा इस प्रकार की शिकायत किए जाने के बाद विद्यालय प्रबंधन ने एंबुलेंस की मदद से सभी छात्राओं को बरवाडीह अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर क्षितिज राज ने छात्राओं का इलाज किया। हालांकि इलाज के बाद सभी छात्राएं पूरी तरह सामान्य हो गई। डॉ क्षितिज राज ने कहा कि हो सकता है कि खाने में कुछ ऐसी चीज मिल गई हो जिससे छात्राओं को खुजली या चक्कर आने लगा था। फिलहाल सभी छात्राएं पूरी तरह स्वस्थ हैं। वहीं स्कूल की शिक्षिका ने बताया कि खाना खाने के कुछ देर बाद जब छात्राओं ने बताया कि उन्हें खुजली हो रही है और चक्कर आ रहा है, तो सभी को तत्काल अस्पताल लाया गया। उन्होंने बताया कि इलाज के बाद सभी छात्राएं पूरी तरह स्वस्थ हैं।

निगम के कर्मचारियों की बेमियादी हड़ताल दूसरे दिन भी जारी, कई काम प्रभावित

रांची। रांची नगर निगम कर्मचारी संघ की बेमियादी हड़ताल शनिवार को दूसरे दिन भी जारी रही। आंदोलनरत कर्मचारियों ने निगम के मुख्य द्वार पर नारेबाजी की और मांग पूरी करने की आवाज उठाई। इस बीच करीब 350 कर्मचारियों ने खुद को काम से दूर रखा। इस कारण निगम से जुड़े कई कामों में बाधा आई। निगम के कर्मचारियों की हड़ताल से जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने समेत टैक्स कलेक्टर से संबंधित एवं कार्यालय में विभिन्न विभाग का काम प्रभावित रहे। संगठन के प्रतिनिधियों की प्रशासक संदीप कुमार से वार्ता भी हुई। प्रशासक ने कर्मचारियों की मांग से नगर विकास विभाग के वरीय अधिकारियों को अवगत कराने का भरोसा दिलाया। इसके बावजूद बातचीत बेनतीजा रही। संघ के अध्यक्ष नरेश राम ने बताया कि प्रशासक की ओर से पूर्व में निगम के स्थायी, संविदा व दैनिक कर्मचारियों का सातवें वेतनमान की बकाया राशि त्योहार से पूर्व देने का आश्वासन दिया था। बावजूद इसके राशि का एकमुश्त भुगतान नहीं किया गया। ऐसे में एक अक्तूबर को संघ ने आमसभा कर अनिश्चितकालीन हड़ताल का निर्णय लिया। मामले में नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव को भी संघ ने पत्र भेजा था।

शिल्पकार-कारीगर दुर्गा पूजा पर मूर्ति बनाने में थर्मोकोल का उपयोग नहीं करें : प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने रांची ने दुर्गा पूजा के अवसर पर शिल्पकारों और कारीगरों को चेतावनी दी है। बोर्ड के सदस्य सचिव राजीव लोचन बक्शी की ओर से शनिवार को जारी आदेश में कहा गया है कि कारीगर किसी भी मूर्ति को बनाने में थमोकोल का उपयोग नहीं करें। मां दुर्गा सहित अन्य मूर्तियों के निर्माण में चिकनी और शुद्ध मिट्टी का ही उपयोग करें। मूर्ति निर्माण में प्लास्टर ऑफ पेरिस का भी इस्तेमाल नहीं होना चाहिए।

बक्शी ने अपील भी करते कहा है कि वे माता दुर्गा और अन्य की मूर्तियां पारंपरिक तरीके से ही बनाएं। पर्षद ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण पर्षद द्वारा प्रकाशित 'मूर्ति विसर्जन के लिए संशोधित दिशा-निर्देश 2020' के अनुपालन की बात करते मूर्ति निर्माण में प्लास्टर ऑफ पेरिस, प्लास्टिक और थमोकोल के इस्तेमाल से बचने को कहा है। प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के मुताबिक, मूर्तियों के आभूषण बनाने के लिए केवल सूखे फूल, पुआल इत्यादि और मूर्तियों के प्राकृतिक रेजिन को मूर्तियों को आकर्षक बनाने के लिए एक चमकदार सामग्री के तौर पर

इस्तेमाल किया जा सकता है। एकल प्लास्टिक और थमोकोल सामग्री के प्रयोग की सख्त मनाही रहेगी। केवल पर्यावरणीय अनुकूल सामग्री के रूप में पुआल से बनी मूर्तियों, उसकी सजावट, पंडालों की सजावट के लिए पुआल का प्रयोग होगा ताकि जल स्रोतों में जल प्रदूषण को रोका जा सके।

मूर्तियों को पेंट करने के लिए विषाक्त और अजैव-अपघटनीय रासायनिक डाई, ऑयल पेंटों का उपयोग ना हो। मूर्तियों के सौंदर्यीकरण के लिए केवल नेचुरल सामग्रियों और रंगों से बने एवं हटाए तथा धोने जा सकने योग्य सजावटी कपड़ों का उपयोग किया जाना चाहिए। मूर्तियों को बनाने वाले शिल्पकारों या कारीगरों को नागरिक निकायों में रजिस्टर्ड होना चाहिए। ऐसा नहीं किए जाने पर मूर्ति निर्माण कार्य से दो सालों तक प्रतिबंधित किए जाने की बात कही गयी है। पर्षद ने विस्तृत जानकारी के लिए पर्षद की वेबसाइट से मदद लेने को कहा है।

अमेजन और फ्लिपकार्ट रिटेल बाजार पर डाल रहा प्रभाव : रिपोर्ट

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की रिपोर्ट के मद्देनजर, कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन (एमरा) के साथ मिलकर श्वेत पत्र जारी किया है। जिसमें ई-कॉमर्स कंपनियां अमेजन और फ्लिपकार्ट ने भारत के रिटेल इकोसिस्टम पर डाले जा रहे गंभीर प्रभावों का उल्लेख किया है। यह श्वेत पत्र उन नियमों के उल्लंघनों को बताता है, जिनका उल्लंघन इन कंपनियों द्वारा विशेष रूप से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति और अन्य ई-कॉमर्स से संबंधित नियामक ढांचों के तहत किया जा रहा है।

चांदनी चौक के सांसद और कैट के राष्ट्रीय महामंत्री ने मोबाइल व्यापार नेताओं को संबोधित करते हुए देशभर के व्यापारियों से ई-कॉमर्स दिग्गजों के अनैतिक व्यापारिक तरीकों का कड़ा विरोध किया है, जो घरेलू व्यापार के विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण को विकृत करने पर तुले हुए हैं। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि व्यापारिक समुदाय इन कंपनियों की भारत के खुदरा व्यापार को हड़पने की योजना का

जोरदार प्रतिकार करें। उन्होंने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का हवाला देते हुए कहा, जिन्होंने कुछ दिनों पहले इन कंपनियों को अपने निहित स्वार्थों को त्यागने और एक समान स्तर का खेल मैदान बनाने के लिए काम करने की चेतावनी दी थी। सीसीआई की रिपोर्ट ने उन सभी आरोपों की पुष्टि की है जो कैट और अन्य ने लगभग 4 साल पहले लगाए थे। सीसीआई को कानून के तहत इन कंपनियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

श्वेत पत्र के निष्कर्ष अधिकारियों के लिए एक चेतावनी हैं, क्योंकि ये दिखाते हैं कि अमेजन और फ्लिपकार्ट ने लगातार उन एफडीआई मानदंडों को दरकिनार किया है, जो घरेलू खुदरा विक्रेताओं के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए थे। चुनिंदा विक्रेताओं को तरजीही उपचार, गहरे छूट वाले उत्पादों और विशेष उत्पाद लॉन्च के माध्यम से, इन कंपनियों ने खुदरा बाजार को विकृत कर दिया है, जिससे देशभर में छोटे और मध्यम खुदरा विक्रेताओं पर गंभीर प्रभाव पड़ा है।

कैट और एमरा ने अमेजन और फ्लिपकार्ट के खिलाफ तत्काल और सख्त कार्रवाई की मांग की है, क्योंकि उन्होंने एफडीआई नीति और नियमों का स्पष्ट रूप से उल्लंघन किया है। खुदरा समुदाय सरकार से आग्रह करता है कि वह हस्तक्षेप करे और भारतीय खुदरा विक्रेताओं के हितों की रक्षा करने और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए सुधारात्मक कदम उठाए।

स्वच्छ भारत मिशन : शहरी अपशिष्ट प्रबंधन के लिए ब्लू-प्रिंट

श्री तोखन साहू

ऐसे वक्त में जब हम स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) की दसवीं वर्षगांठ मना रहे हैं, हम एक दशक तक चलने वाली एक ऐसी परिवर्तनकारी यात्रा के साक्षी बन रहे हैं, जिसने भारत में साफ सफाई और स्वच्छता को एक नए रुप में परिभाषित किया है। 2 अक्टूबर, 2014 को शुरू किया गया यह मिशन महज एक पहल नहीं, बल्कि एक आंदोलन था झ देश के हर नागरिक को स्वच्छ, स्वस्थ और विकसित भारत में योगदान करने का आह्वान। आज, एसबीएम ने केवल शौचालयों के निर्माण और पहुंच बढ़ाने से आगे बढ़ते हुए, प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं को अपनाने के लिए समुदायों को सही मार्गदर्शन देने पर ध्यान केंद्रित किया है। यह बदलाव स्वच्छता के लिए जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देता है और लोगों को समाज की भलाई में सक्रिय रूप से योगदान करने के लिए प्रोत्साहित करता है। खुद प्रधानमंत्री द्वारा इस पहल को आगे लाने के प्रयास की बदौलत, भारत आज खुले में शौच से मुक्त हो चुका है और इस पहल ने हमारे समुदायों में जन भागीदारी के भाव को बल दिया है।

शहरी क्षेत्रों में एसबीएम ने अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाया है। प्रभावी अपशिष्ट पृथक्करण प्रणालियों के कार्यान्वयन से लेकर अपशिष्ट-से-ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना तक, देश भर के शहरों ने आज नए समाधानों को खुले दिल से अपनाया है, जो हमारे माननीय प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 2014 -2024 के बीच किए गए दूरदर्शी नेतृत्व और अथक प्रयासों के कारण ही संभव हो पाया है।

वार्षिक स्वच्छता सर्वेक्षण, स्वच्छ सर्वेक्षण की शुरूआत ने शहरों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया है, ताकि वे अपने साफ सफाई और स्वच्छता मानकों को बढ़ाने के लिए प्रेरित हो सकें। इस प्रयास ने स्वच्छता को स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण मूल्यों के साथ एकीकृत किया है।

एसबीएम के केंद्र में विभिन्न समुदायों की सक्रिय भागीदारी है। स्कूली बच्चों से लेकर महिला समूहों तक, नागरिक आज स्वच्छता के चैंपियन बन गए हैं। राज्य सरकारों ने स्थानीय स्तर पर राष्ट्रीय नीतियों को लागू किया है, स्पष्ट दिशानिर्देश स्थापित किए हैं, शहरों को ध्यान में रखते हुए स्वच्छता रणनीतियों को तैयार किया है और सार्वजनिक शौचालयों और अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाओं जैसे आवश्यक बुनियादी ढांचे का निर्माण किया है, इसके साथ ही नगरपालिका कर्मचारियों और सफाई कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से क्षमता निर्माण में भी निवेश किया गया है। राज्यों ने स्वच्छ सर्वेक्षण जैसे उपकरणों का उपयोग करते हुए, इस मुहिम के तहत हो रही प्रगति को ट्रैक करने और जरुरी बदलाव करने के लिए मजबूत निगरानी और मूल्यांकन तंत्र के साथ अपने प्रदर्शन पर काम किया है। विभिन्न क्षेत्रों के साथ सहयोग करते हुए मिशन ने स्थानीय निकायों, गैर सरकारी संगठनों और नागरिकों को एक सामान्य लक्ष्य की दिशा में मिलकर काम करने के लिए सशक्त बनाया है। सार्वजनिक-निजी भागीदारी पर जोर देने की वजह से संसाधनों को जुटाने और तकनीकी नवाचारों में और सुविधा मिली है, जिससे स्वच्छता समाधान अधिक सुलभ और टिकाऊ हुए हैं। इसके अतिरिक्त सफाई मित्र सुरक्षा शिविर जैसी पहल स्वास्थ्य जांच प्रदान करती है और सामाजिक सुरक्षा लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाती है, जो सामुदायिक स्वास्थ्य के लिए मिशन के व्यापक दृष्टिकोण पर जोर देती है।

यह सुनिश्चित करना बेहद महत्वपूर्ण है कि स्वच्छता सेवाएं, समावेशी हों और हाशिए पर रहने वाले लोगों तक न्यायसंगत तरीके से पहुंचे और एसबीएम ने सफलतापूर्वक ऐसा किया है। ऐसा ही एक उदाहरण, जो मैंने करीब से देखा है, वह छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के अंबिकापुर का है। एक विकेन्द्रीकृत अपशिष्ट प्रबंधन योजना के जरिए, करीब 200,000 निवासियों वाले इस शहर ने लैंडफिल कचरे को प्रभावी ढंग से कम किया है और इसे स्रोत पर प्रबंधित करते हुए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता अर्जित की है। इस सफलता का एक प्रमुख कारण है, 470 सफाई कर्मियों का एक समर्पित समूह, जो शहर के लिए कचरे का प्रबंधन करने के लिए प्रशिक्षित जीवंत महिलाओं का एक समूह है। उनके प्रयासों ने न केवल राजस्व उत्पन्न करने के लिए बल्कि समावेशी रणनीतियों के सामाजिक-आर्थिक लाभों का प्रदर्शन करते हुए, अंबिकापुर नगर पालिका को सामुदायिक सेवाओं में पुनर्निवेश करने में भी सफलतापूर्वक मदद की है।

अंबिकापुर में महिलाएं संपूर्ण अपशिष्ट प्रबंधन प्रक्रिया को चलाती हैं - संग्रह और पृथक्करण से लेकर प्रसंस्करण तक झवे कचरे को दायित्व के बजाय एक संसाधन के रूप में देखती हैं। यह मानसिकता रीसाइक्लिंग और संसाधन वसूली को प्रोत्साहित करती है और अपशिष्ट चक्र को प्रभावी ढंग से संचालित करती है। जिम्मेदार अपशिष्ट निष्पादन के बारे में समुदाय को शिक्षित करके, वे पर्यावरण रखरखाव में सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देती हैं, आर्थिक अवसरों के अवसर बनाती है और टिकाऊ प्रथाओं को प्राथमिकता देती हैं। जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन से शुरूआत को ज्यादा अहमियत देने वाले इस नजरिए ने, राज्यों को अपशिष्ट प्रबंधन में प्रशंसनीय प्रगति करने में सक्षम बनाया है।

अंबिकापुर की महिलाओं के नेतृत्व वाली स्वच्छता पहल, उन टियर क्क और टियर क्कक शहरों के लिए एक उम्मीद भरे प्रयास के रूप में कार्य करती है, जो प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन रणनीतियों पर काम करना चाहते हैं। हांलाकि हर समुदाय की चुनौतियां अलग होती है, अंबिकापुर मॉडल, सामुदायिक जुड़ाव द्वारा संचालित स्थानीय समाधानों की शक्ति को दशार्ता है। जैसे-जैसे शहरी आबादी बढ़ रही है और अपशिष्ट प्रबंधन तेजी से जरुरी होता जा रहा है, दुनिया भर के शहर अंबिकापुर से प्रेरणा ले सकते हैं। सही समर्थन और प्रतिबद्धता के साथ, हम अपशिष्ट प्रबंधन को विकास और सशक्तिकरण के संसाधनों में तब्दील कर सकते हैं, जिससे समुदायों और पर्यावरण दोनों को लाभ होगा।

हमारे पास देश भर में महिला सशक्तिकरण के तमाम उदाहरण मौजूद हैं, जिनसे साफ सफाई और स्वच्छता के मिशन के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में महिलाओं की अहम भूमिका साफ दिखाई देती है। अपशिष्ट प्रबंधन, सामुदायिक शिक्षा और स्वास्थ्य पहलों में महिलाएँ सबसे मजबूत नेतृत्व की भूमिका अदा करती हैं, जो उन्हें बदलाव का एक अहम केंद्र बिंदु बनाता हैं। अपनी सक्रिय भागीदारी के जरिए, उन्होंने न केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में योगदान दिया है, बल्कि साफ सफाई और स्वच्छता के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण को भी बदला है। एसबीएम द्वारा लाए गए प्रभावों में से एक है- स्वच्छता भूमिकाओं में महिलाओं के लिए रोजगार के अवसरों का निर्माण। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन जैसी पहलों ने महिलाओं को अपशिष्ट संग्रह, पृथक्करण और प्रसंस्करण प्रक्रियाओं में शामिल होने के लिए प्रशिक्षण और संसाधन प्रदान किए हैं। सफाई कर्मी के रूप में महिलाओं को वित्तीय स्वतंत्रता मिलती है और साथ ही उनके समुदायों में उनका ओहदा बढ़ता है। यह आर्थिक सशक्तिकरण और पारंपरिक लिंग मानदंडों को चुनौती देते हुए उनके आत्मसम्मान और मान्यता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। महिलाएं सामुदायिक बदलाव लाने और जागरूकता अभियानों में भी अहम भूमिका निभाती हैं। वे परिवारों को स्वच्छता से जुड़ी प्रथाओं, अपशिष्ट पृथक्करण और स्वच्छता के महत्व के बारे में शिक्षित करती हैं। उनकी भागीदारी स्वच्छता की संस्कृति को बढ़ावा देती है और एसबीएम की पहलों में सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करती है। अंत में, एसबीएम में महिलाओं के आने से न केवल स्वच्छता पहल की प्रभावशीलता में इजाफा हुआ है, बल्कि सामाजिक-आर्थिक विकास और लैंगिक समानता को भी बढ़ावा मिला है। और अगर भविष्य में ये मिशन और कामयाबी हासिल करेगा। अब स्वच्छता प्रथाओं में स्थिरता सुनिश्चित करने, शहरीकरण की चुनौतियों का समाधान करने और चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की ओर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। प्रौद्योगिकी और डेटा-संचालित नजरियों का उपयोग करके, हमारा लक्ष्य अपनी रणनीतियों को और सुधारना तथा अपनी पहुंच का विस्तार करना है, ताकि देश के हर कोने तक स्वच्छता का फायदा पहुंच सके।

वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग,झारखण्ड सरकार, राँची वन प्रमण्डल,राँची

आम नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस प्रमण्डल के अंतर्गत अधिहरित वाहनों की आम नीलामी निम्नलिखित विवरणी अनुसार की जानी है।

(क) नीलामी का स्थान– पलाश सभागार, डोरण्डा, रांची, नीलामी का समय– 11.30 बजे पूर्वाह्न, नीलामी की तिथि– 18.10.2024

क्र0 सं0	वाहन का पंजीयन संख्या/चेचिस नं0/ईन्जन नं0	वाहन का मॉडल/मेक	स्थान/ कार्यालय जहाँ वाहन रखा हुआ है
1	2	3	4
1	BR20G – 6060	ट्रक	प्रक्षेत्र कार्यालय महिलौंग
2	OR14E – 7819	407 ट्रक	प्रक्षेत्र कार्यालय महिलौंग
3	BR14G – 6759	एल0 पी0 ट्रक	प्रक्षेत्र कार्यालय महिलौंग
4	BR17M – 6205	407 मैक्सी सवारी गाड़ी	प्रक्षेत्र कार्यालय महिलौंग
5	BHH – 9184	एल0 पी0 ट्रक	प्रक्षेत्र कार्यालय महिलौंग
6	364052521714	ट्रक	प्रक्षेत्र कार्यालय महिलौंग
7	JH01B – 6752	ट्रेक्टर	प्रक्षेत्र कार्यालय महिलौंग
	JH01B-6758	ट्रेलर	प्रक्षेत्र कार्यालय महिलौंग
8	CG04A- 4270	एल0 पी0 ट्रक	प्रक्षेत्र कार्यालय महिलौंग
9	OR04C- 8962	ट्रक	प्रक्षेत्र कार्यालय महिलौंग
10	RDLW22525	ट्रेक्टर	प्रक्षेत्र कार्यालय महिलौंग
11	JH01AT- 8312	बोलेरो मैक्सी ट्रक	प्रक्षेत्र कार्यालय महिलौंग
12	CG14A - 3911	ट्रक	प्रक्षेत्र कार्यालय महिलौंग
13	BR14P - 1561	बस	प्रक्षेत्र कार्यालय महिलौंग
14	B3125164	ट्रेक्टर	प्रक्षेत्र कार्यालय महिलौंग
15	JH01C - 5945	ट्रेक्टर	प्रक्षेत्र कार्यालय महिलौंग
16	BR14G - 8851	407 ट्रक	प्रक्षेत्र कार्यालय महिलौंग
17	JHG1E31198	पिकअप	प्रक्षेत्र कार्यालय महिलौंग
18	JH02V - 1450	मोटर साईकल पैसन प्रो	प्रक्षेत्र कार्यालय महिलौंग
19	BRV- 9966	ट्रक	स्थाई पौधशाला धुर्वा, राँची
20	JH01F - 3819	पिकअप	स्थाई पौधशाला धुर्वा, राँची
21	P371WZ308363	TATA 207	स्थाई पौधशाला धुर्वा, राँची
22	BR14A - 9873	ट्रक	स्थाई पौधशाला धुर्वा, राँची
23	BRB - 5514	ट्रक	स्थाई पौधशाला धुर्वा, राँची
24	JH05H - 6159	पिकअप	स्थाई पौधशाला धुर्वा, राँची
25	JH01R - 4651	TATA 207	स्थाई पौधशाला धुर्वा, राँची
26	BR41G - 5691	ट्रक	स्थाई पौधशाला धुर्वा, राँची
27	JH11A - 5678	ट्रक	स्थाई पौधशाला धुर्वा, राँची
28	JH01H - 3326	ट्रेक्टर	वन परिसर कार्यालय, बुढ़मू
	JH01H - 3325	ट्रेलर	वन परिसर कार्यालय, बुढ़मू
29	JH01BH - 3971	ट्रेक्टर	वन परिसर कार्यालय, बुढ़मू
30	JH01AL-8425	पिकअप	वन परिसर कार्यालय, बुढ़मू
31	JH01W - 0749	सवारी टेम्पू	वन परिसर कार्यालय, माण्डर
32	JH01CV- 9408	टाटा टर्बो ट्रक	वन परिसर कार्यालय, माण्डर
33	JH01BC- 1489	पिकअप वैन	वन परिसर कार्यालय, माण्डर
34	JH07D - 7403	टाटा मैजिक	वन परिसर कार्यालय, माण्डर
35	Body Frame No. T152571	टाटा मैजिक	वन परिसर कार्यालय, माण्डर
36	005558519R	ट्रेक्टर एवं ट्रेलर	वन परिसर कार्यालय, अनगड़ा

आम नीलामी की तिथि एवं समय पर इच्छुक क्रेता (पैन कार्ड धारक), कुल रू0 5000.00 (पांच हजार) प्रति वाहन ड्राफ्ट के रूप में जो भारतीय स्टेट बैंक, डोरण्डा शाखा में भुगतेय हो, वन प्रमण्डल पदाधिकारी, राँची वन प्रमण्डल, राँची (D.F.O Ranchi) के पदनाम से जमा करना होगा तथा पैन कार्ड की छायाप्रति भी समर्पित करेगें। पैन कार्ड के बिना क्रेता नीलामी में भाग नहीं ले पायेगें। वाहनों की बिक्री जहाँ है, जैसा है के आधार पर उच्चत्तम डाक वक्ता को की जाएगी। गेट मनी की राशि सफल क्रेता के बिक्री राशि में समायोजित कर ली जाएगी तथा असफल क्रेता के गेट मनी की राशि वापस कर दी जाएगी। बिक्रीत वाहनों की सक्षम पदाधिकारी द्वारा बिक्री मूल्य के अनुसमर्थन (रेटीफिकेशन) के पश्चात् सफल क्रेता को शेष राशि अविलम्ब जमा करना होगा तथा वाहन का उठाव 30 दिनों के अन्दर कर लेना होगा। किसी भी नीलामी को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा। बिक्री मूल्य एवं उस पर लगने वाले सभी देय कर एवं शेष (जैसे– जी0एस0टी0, आयकर, सरचार्ज आदि) सफल क्रेता को किसी राष्ट्रीयकृत बैंक के अलग–अलग डिमाण्ड ड्राफ्ट के माध्यम से जमा करना होगा।

आम नीलामी हेतु निर्धारित तिथि से पूर्व किसी भी कार्य दिवस में वन प्रमण्डल, कार्यालय राँची से सम्पर्क कर विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है एवं इच्छुक क्रेता को नीलामी से संबंधित फार्म प्रमण्डल कार्यालय से निःशुल्क रूप से दिनांक– 07.10.2024 से दिनांक– 15.10.2024 तक किसी भी कार्य दिवस में ब्लॉक–एफ0 के ग्राउण्ड फ्लोर से प्राप्त कर लें (उल्लेखित तिथि के बाद फार्म नहीं दिया जाएगा) तथा प्राप्त फार्म को दिनांक– 16.10.2024 तक मूल रूप में (फोटोकॉपी मान्य नहीं होगा) कार्यालय में जमा करेगें एवं उल्लेखित तिथि के बाद फार्म किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(नोट– एक व्यक्ति को एक ही फॉर्म दिया जाएगा तथा जिस नाम से फॉर्म लेंगे उसी व्यक्ति के नाम से डिमाण्ड ड्राफ्ट मान्य होगा)

PR 338151 Forest, Environment and Climate Changes(24-25).D

वन प्रमण्डल पदाधिकारी
राँची वन प्रमण्डल,राँची

एक नजर

गांडेय अंचल अधिकारी ने ग्रहण किया पदभार

गांडेय / गिरिडीह। गांडेय अंचल कार्यालय में शनिवार को नए अंचल अधिकारी मोहमद हुसैन ने पद ग्रहण किया। वर्तमान अंचल अधिकारी मनोज कुमार ने नए पोस्टिंग अंचल अधिकारी मोहम्मद हुसैन को पदभार ग्रहण कराए मो हुसैन पदभार ग्रहण करने के बाद कहा कि आम जनता के समस्या को प्राथमिकता दी जाएगी .शासन व्यवस्था दुरुस्त किया जाएगा अंचल कार्यालय में लंबित मामलों को जल्द से जल्द निष्पादित किया जाएगा मौके पर उपस्थित बीडीओ निशांत अंजुम, सी ओ मनोज कुमार सहित कई प्रखंड कर्मी मौजूद थे।

गंजवापेशरा में विवाहित महिला का फंदे से झूलता शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

तिसरी। लोकाय थाना क्षेत्र के थानसिंहडीह ओपी अंतर्गत गंजवापेसरा गांव में एक विवाहिता का फंदे से झूलता हुआ शव मिला है. मृतका गंजवापेसरा निवासी संजीत हांसदा की पत्नी सुमा मरांडी बताई जा रही है.सुमा मरांडी भेलवाघाटी थाना क्षेत्र की रहने वाली थी। संजीत हांसदा से उसका विवाह हुआ था. यह आत्महत्या बताया जा रहा है हालांकि स्पष्ट तौर पर कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी.इधर मामले की जानकारी पर थानसिंहडीह ओपी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. इस संबंध में ओपी प्रभारी नीरज कुमार ने बताया कि अभी तक कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है, पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है.

जनता को गुमराह करने वालों को मुंहतोड़ जवाब दें : मंत्री

चाईबासा। चाईबासा विधानसभा क्षेत्र में लगातार झामुमो की ओर से पंचायत स्तरीय बैठक की जा रही है. शनिवार को टोंटो प्रखंड के बामेबासा एवं पूरनापानी पंचायत में झामुमो पंचायत स्तरीय सम्मेलन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसमें परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा भी शामिल हुए. उक्त कार्यक्रम में वर्तमान हेमंत सोरेन की सरकार द्वारा चलाए जा रही लोक कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार तथा सांगठनिक रूप से युद्ध स्तर पर कार्यक्रमों को आयोजित कर योजनाओं का लाभ राज्य के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया. मंत्री ने कार्यकर्ताओं में उत्साह तथा ऊर्जा भरने का कार्य किया. उन्होंने बैठक में आए कार्यकर्ताओं से संवाद कर राज्य सरकार की जन- कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए लोगों को लाभ दिलाने के लिए जागरूक किया. संगठन की मजबूती के लिए हर स्तर पर कार्यक्रम करने की बात कही.

श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल के बच्चों ने किया शैक्षिक भ्रमण

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़ श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल के छात्रों के लिए एक प्रेरणादायक और शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा नर्सरी से 2 तक के बच्चों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अनुभवात्मक शिक्षण के माध्यम से छात्रों में विभिन्न जीवन कौशल और सामाजिक गुणों का विकास करना था। इस अनूठे अवसर ने बच्चों को पाठ्यपुस्तकों से परे जाकर वास्तविक दुनिया को जानने-समझने का अवसर प्रदान किया। कक्षा 1 के बच्चे स्थानीय डाकघर का भ्रमण करने गए। जहां उन्होंने पोस्टकार्ड लिखने और भेजने की प्रक्रिया सीखी। बच्चों ने अपनी माताओं के लिए प्यार भरे संदेश लिखे और डाकघर के विभिन्न कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त की। यह अनुभव न केवल उनके संचार कौशल को निखारने में सहायक सिद्ध हुआ, बल्कि उन्हें व्यावहारिक जीवन में उपयोगी प्रक्रियाओं से भी अवगत कराया। डाकघर पदाधिकारी ए एस पी नविन अग्रवाल ने बच्चों में चॉकलेट वितरण किया । कक्षा 2 के बच्चों ने रेलवे स्टेशन का दौरा किया जहां उन्होंने मालगाड़ी और पैसेंजर ट्रेन के बारे में जानकारी प्राप्त की। स्टेशन मास्टर ने उन्हें कंट्रोल रूम दिखाया और रेलवे स्टेशन के संचालन के बारे में बताया। बच्चों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए, स्टेशन मास्टर ने उनकी जिज्ञासा को शांत किया और उन्हें भारतीय रेलवे के कार्यों से परिचित कराया।

कोनरा पंचायत समिति के सदस्यों ने उपायुक्त के नाम एसडीओ को सौंपा ज्ञापन

बरही। कोनरा पंचायत समिति सदस्या अख्तरी खातुन, मो. यूसुफ व पंसस प्रतिनिधि मो. सागिर ने हजारीबाग उपायुक्त के नाम बरही एसडीओ जोहन टुडू को ज्ञापन सौंपते हुए कोनरा में स्थापित कंपनियों से फैल रहे प्रदूषण को लेकर अवगत कराया है। ज्ञापन में उन्होंने बरही विधानसभा के कोनरा ग्राम पंचायत में स्थित इन कंपनियों से निकलने वाले जहरीले धुंवे व पानी के कारण ग्रामीणों के समक्ष उत्पन्न हो रही गंभीर समस्याओं का आरोप लगाते हुए जिक्र किया है। पंसस अख्तरी खातुन ने बताया है कि कंपनियों से निकलने वाला धुआं और जहरीला पानी गांव के निवासियों के लिए स्वास्थ्य संबंधी बड़ी चुनौतियाँ पैदा कर रहा है। विशेष रूप से बच्चे और बुजुर्ग गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। ग्रामीणों में इसके कारण लगातार स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ रहा है। कोनरा पंचायत में कई बड़ी कंपनियां स्थापित हैं। इन कंपनियों से जहरीले धुएं और पानी का अत्यधिक मात्रा में उत्सर्जन हो रहा है, जिससे गांव के लोगों का स्वास्थ्य पर बुरी तरह प्रभावित कर रहा है।

33 आरक्षी बने अवर निरीक्षक

चाईबासा। जिला बल के 33 साक्षर आरक्षियों को सहायक अवर निरीक्षक की कोटि में प्रोन्नति प्रदान की गयी है। साथ 14 आरक्षियों को हवलदार की कोटि में प्रोन्नति प्रदान की गयी है। उक्त नवप्रोन्नत पुलिस पदाधिकारी एवं हवलदार का पीपिंग सेरेमनी शनिवार को पुलिस केन्द्र, चाईबासा में आयोजित किया गया। जिसमें पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), अनु०पु०पदा०, सदर/किरीबुरू/चक्रधरपुर, पुलिस निरीक्षक-सह-थाना प्रभारी, सदर / चक्रधरपुर, पुलिस निरीक्षक, सदर / नोवामुण्डी / किरीबुरू अंचल, परिचारी प्रवर, पुलिस एसोसिएशन / पुलिस मेंस एसोसिएशन के पदाधिकारीगण सम्मिलित हुये। पुलिस अधीक्षक, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा द्वारा नवप्रोन्नत सहायक अवर निरीक्षक के कंधे पर सितार लगाया गया। साथ ही नवप्रोन्नत हवलदार के दाहिनी हाथ पर रैंक लगाते हुए सभी के उज्जवल भविष्य हेतु हार्दिक शुभकामनाएं दी गई।

बरही चौक पर जनसंवाद अभियान को लेकर नुक्कड़ सभा का आयोजन

बरही विस कांग्रेस के लिए सुरक्षित सीट, जनता का समर्थन बरकरार रखने की प्रतिबद्धता : राजेश

कांग्रेस पार्टी आगामी चुनावों में इन मुद्दों को प्रमुखता से उठाएगी और जनता के हित में काम करेगी

नवीन मेल संवाुददाता। बरही बरही विधानसभा क्षेत्र के बरही चौक पर कांग्रेस पार्टी द्वारा जनसंवाद अभियान लक्ष्य 2024 के अंतर्गत एक नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया। इस सभा का उद्देश्य आगामी 2024 के चुनावों के लिए कांग्रेस पार्टी के संदेश और एजेंडे को जनता तक पहुंचाना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र यादव व संचालन प्रखण्ड अध्यक्ष अब्दुल मनान वारसी ने किया। इस नुक्कड़ सभा में कई प्रमुख नेताओं ने भाग लिया, जिनमें पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, पूर्व मंत्री जयप्रकाश भाई पटेल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सह पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर, बरही विधायक उमाशंकर अकेला, आवास बोर्ड के चेयरमैन संजय लाल पासवान मुख्य रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों को 51 किलो का माला पहनाकर स्वागत किया गया। नुक्कड़ सभा को सम्बोधित करते हुए पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा, बरही विधानसभा हमेशा से कांग्रेस पार्टी की सुरक्षित सीटों में से एक रही है। यहां की जनता ने हमेशा कांग्रेस को समर्थन दिया है और हम इसे आगे भी बरकरार रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा लक्ष्य सिर्फ सत्ता हासिल करना नहीं है, बल्कि जनता के मुद्दों का समाधान करना है। राजेश ठाकुर ने केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार ने देश में असमानता और बेरोजगारी को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आगामी चुनावों में इन मुद्दों को प्रमुखता से उठाएगी और जनता के हित में काम करेगी।

दुर्गा पूजा को लेकर बरही थाना में शांति समिति की बैठक आयोजित

बरही । आगामी दुर्गा पूजा को लेकर भारी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता नव पदस्थापित एसडीपीओ अजीत कुमार विमल एवं संचालन इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी आभाष कुमार ने किया. जिसमें मुख्य रूप से बीडीओ सी आर इंदीवार, शांति समिति के सदस्य के साथ, स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, विभिन्न पूजा समिति के अध्यक्ष सचिव और डीजे संचालक मौजूद रहे. बीडीओ ने सभी से सरकारी गाइडलाइन के अनुसार ही पूजा मनाने की बात कही. उन्होंने पूजा समिति के अधिकारियों को प्रत्येक पंडाल में सीसीटीवी, महिलाओं और पुरुषों के लिए सुरक्षित प्रवेश और निकास द्वार, वॉलिंटियर्स की समुचित व्यवस्था, अग्निशमन यंत्र की व्यवस्था आदि सुरक्षा के सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने का निर्देश दिया. उन्होंने डीजे पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाए जाने की बात कही. इसके साथ ही निर्धारित रूट के अनुसार ही प्रतिमा विसर्जन करने का निर्देश भी दिया.

मृतक के आश्रितों के साथ झालोतांक्रांमो रामगढ़ हमेशा सहयोग के लिए तत्पर है : रवि कुमार महतो

उमा कुमारी की मृत्यु कार्य अवधि में सरकारी कार्य के दौरान हुई है। इसलिए इनकी आश्रित को विभागीय सरकारी प्रावधानों के अनुसार पहल किया जाय

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़ झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा रामगढ़ के साथियों ने मृतक पारा शिक्षिका उमा कुमारी के आकस्मिक निधन पर उनके गजर पहुंचकर उनके परिजनों को ढाढस बंधाया तथा विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित कर भगवान मृत आत्मा को शांति प्रदान करें । साथियों ने बताया कि नव प्राथमिक विद्यालय बिजलीबाँध में कार्यरत सहायक अध्यापिका उमा कुमारी, पति स्वर्गीय राज किशोर महतो, ग्राम सुकरीगड़ा, प्रखंड चितरपुर की मृत्यु स्कूल में कार्य अवधि के दौरान हो गईं । उमा कुमारी पारा शिक्षिका के तौर पर कार्यरत थी एवं वर्तमान में स्कूल के प्रधानाध्यापक/प्रभारी के रूप में समस्त जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रही थी। परिवार की एकमात्र कमाऊ व्यक्ति थीं और परिवार के समस्त आर्थिक स्रोत स्कूल में उनके शिक्षण कार्य से ही संभव होता रहा है। उमा कुमारी की मृत्यु कार्य अवधि में सरकारी कार्य के दौरान हुई है। इसलिए इनकी आश्रित को विभागीय सरकारी प्रावधानों के अनुसार सभी प्रकार के लाभ देने का पहल किया जाय। सहायता एवं अनुकंपा के आधार पर उक्त स्कूल में उनके सुपुत्र रूपेश कुमार को कार्य करने की अनुमति दें एवं पदस्थापन देने की कृपा करें। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा रामगढ़ हमेशा इनको हर सुख दुख में हमेशा तत्पर रहेगी तथा जरूरत पड़ने पर हम लोग संगठन के माध्यम से आश्रित के परिवार को न्याय दिलाने में भरपूर कोशिश करेंगे। शिक्षिका को श्रद्धांजलि देने वालों जेएलकेएम केंद्रीय संगठन महामंत्री रवि कुमार महतो, जिला उपाध्यक्ष कुशवाहा पंकज महतो, पारा शिक्षक संघ शामिल थे।

झामुमो की बैठक में बूथ कमेटी मजबूत करने का दिया निर्देश

गांडेय, गिरिडीह। गांडेय प्रखंड झामुमो कार्यालय में शनिवार को कार्यकताओं की एक आवश्यक बैठक आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष चांदमल मरांडी ने की । बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि केन्द्रीय कमिटि के निर्देश पर प्रत्येक बूथ में 10 के स्थान पर 20 सदस्यीय बूथ कमेटी के गठन की रणनीति बनायी गई है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि बूथ कमेटी के गठन के लिए प्रत्येक पंचायत में कोर कमेटी का गठन किया जाना है । सभी पंचायत में बैठक कर 14 तक बूथ कमेटी का गठन कर 15 को सूची सौंपे। बैठक में संगठन मजबूती पर भी जोर दिया गया। बैठक में विभिन्न पंचायतों से आए कार्यकर्ताओं ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त की। बैठक का संचालन प्रखंड सचिव भैरव प्रसाद वर्मा ने किया।

बिजली वितरण माफी का दिया गया प्रमाण पत्र

गावां, गिरिडीह। गावां पावर सब स्टेशन में मुख्यमंत्री ऊर्जा खुशहाली योजना के तहत बिजली बिल माफी प्रमाण वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से एई प्रदीप कुमार उपस्थित थे। समारोह में 250 से अधिक उपभोक्ताओं के बीच बिजली बिल माफी का प्रमाण वितरण किया गया। मौके पर एई प्रदीप कुमार ने कहा कि जिन उपभोक्ताओं का बिजली बिल माफ हुआ है उन्हें प्रमाण पत्र दिया गया है। मौके पर बबलू सिंह, अजीत सिंह, अमित कुमार, उदय राय व उदय सिन्हा समेत कई उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ऊर्जा खुशहाल योजन के लिए लाभुकों के बीच प्रमाण पत्र वितरित

48 हजार उपभोक्ताओं का हुआ बिजली बिल माफ

नवीन मेल संवाददाता। बरही शनिवार को नगर भवन बड़ी में मुख्यमंत्री ऊर्जा खुशहाल योजना के तहत बिजली बिल माफ होने वाले लाभुकों के बीच प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक उमाशंकर अकेला यादव शामिल हुए. जिन्हें पुष्पगुच्छ देकर हजारीबाग मंडल के अधीक्षण अभियंता, कार्यपालक अभियंता, बरही डिविजन के प्रभारी सहायक अभियंता, दोनों कनीय अभियंता आदि ने संयुक्त रूप से स्वागत किया. कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई. जिसमें प्रखंड प्रमुख मनोज रजक, 20 सूत्री अध्यक्ष इकबाल रजा, विस विधायक प्रतिनिधि छट्ठू गोप, करियातपुर मुखिया मनोज कुमार, रसोईया धमना पंसस मो तैयब शामिल रहे. अपने संबोधन में विधायक श्री यादव ने झारखंड सरकार की उपलब्धियों को बताते हुए बिजली माफी, 200 यूनिट तक के मुफ्त बिजली सहित दो लाख के कृषि ऋण माफी, मइयां सम्मान योजना, गुरुजी क्रेडिट आदि जैसे विभिन्न योजनाओं की चर्चा किया. उन्होंने बताया कि झारखंड की कांग्रेस झामुमो की सरकार ही अब तक एक मात्र सरकार बनी जो गरीब जनता को कुछ देने का काम किया, बाकी सरकारों तो जनता को लूटने का काम किया है. उन्होंने उपस्थित लोगो से एक बार प्रदेश में कांग्रेस झामुमो गठबंधन की सरकार बनाने की अपील किया. कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ऊर्जा खुशहाल योजना के लाभुको के बीच प्रमाण पत्र वितरित किए गए. अधिक्षण अभियंता ने उपस्थित लोगो से अपील किया कि सभी कोई वैध कनेक्शन लेकर ही विद्युत उपभोग करें. बिजली की बचत भविष्य की बचत है. विदित हो कि हेमंत सरकार ने इस योजना के तहत राज्य के सभी बिजली उपभोक्ताओं का बिजली बिल माफ करने का काम किया है.बरही विद्युत कार्यालय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री ऊर्जा खुशहाल योजना के तहत बरही डिविजन में 48,962 उपभोक्ताओं के बीच कुल 62,46,07, 804.90 रुपए की बिजली बिल माफ किए जा चुके हैं.

बाइक के साथ 108 बोतल शराब बरामद, एक गिरफ्तार

तस्कर शराब को गावां के जंगल से होते हुए बिहार ले जा रहे थे जिसकी गुप्त सूचना मिलते ही पुलिस ने छापेमारी की

गावां, गिरिडीह। गावां थाना पुलिस ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ छापेमारी करते हुए 72 बोतल बियर और 36 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद किया है। साथ ही एक शराब तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है जिसकी पहचान डूमरझारा निवासी छोटू साव के रूप में की गई है। बताया गया कि तस्कर शराब को गावां के जंगल से होते हुए बिहार ले जा रहे थे जिसकी गुप्त सूचना मिलते ही पुलिस ने छापेमारी की। थाना प्रभारी महेश चंद्र ने कहा कि गुप्त सूचना मिली थी कि गावां से जंगल के रास्ते बाइक पर लोड कर अंग्रेजी शराब बिहार ले जाया जा रहा है। जिसके बाद कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तिलैया-बंगालीबारा जंगल के रास्ते से शराब तस्कर को पकड़ लिया।

बरही विकास पदयात्रा: शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की दिशा में नई क्रांति

बरही के घरों में लेबर और मजदूर पैदा नहीं होंगे : अविनाश आर्य

जिस नेता को चुना गया, वह एक डिग्री कॉलेज, महिला कॉलेज, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, मेडिकल कॉलेज, या विश्वविद्यालय स्थापित नहीं कर सका

नवीन मेल संवाददाता। बरही बरही अनुमंडल के चारों प्रखंडों में अविनाश आर्या के नेतृत्व में निकाली गई 'बरही विकास पदयात्रा' ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विकास की नई लहर उत्पन्न की है। आजादी के 80 वर्षों बाद भी जिस विकास की अपेक्षा इस क्षेत्र में की गई थी, वह शून्य के समान है। इसी विकास की कमी को पूरा करने के उद्देश्य से अविनाश आर्या ने इस पदयात्रा का शुभारंभ किया है। पदयात्रा का मूल उद्देश्य बरही के लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार की बेहतर सुविधाएं प्रदान करना है। अविनाश आर्या का संदेश स्पष्ट है–बरही का समुचित विकास तभी संभव है जब यहां के लोग नेता को नहीं, बल्कि अपने बेटे को चुनें। इस माटी का बेटा ही यहां के दुःख-दर्द और आवश्यकताओं को गहराई से समझ सकता है। आज तक विकास के नाम पर केवल नली-गली, जात-पात, और चुनावी लाभ के लिए दारू-मुर्गा जैसी चीजें ही दी गई हैं। सवाल उठता है कि पिछले 80 सालों में जिस नेता को चुना गया, वह क्यों इस मिट्टी के लिए एक डिग्री कॉलेज, महिला कॉलेज, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, मेडिकल कॉलेज, या विश्वविद्यालय स्थापित नहीं कर सका? अविनाश आर्या ने अब तक बिना किसी राजनीतिक समर्थन या वोट के 51 जोड़ी बेटियों का विवाह करवाया, 400 लोगों को रोजगार प्रदान किया, 2000 से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंचाया और जरूरतमंद बेटियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध करवाई। इसके साथ ही, उन्होंने टोला कोचिंग जैसी योजनाएं भी चलाईं, जो गरीब और पिछड़े वर्गों के बच्चों को शिक्षा का अवसर देती हैं। क्योंकि पढ़ेगा बरही तभी बढ़ेगा बरही। वह दिन दूर नहीं जब इस माटी के बेटे अविनाश आर्या को जनता का आशीर्वाद मिलेगा, और वह बरही की तस्वीर बदल देंगे। उनका सपना है कि बरही अनुमंडल को शिक्षा और रोजगार का हब बनाया जाए।

सदर विस के भावी प्रत्याशी ने की प्रेस वार्ता, कहा

जनता की हर समस्याओं का समाधान के लिए रहूंगा समर्पित : विक्रम राणा

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग सदर विधानसभा से भावी प्रत्याशी समाजसेवी विक्रम राणा ने शनिवार को कदमा शनि मंदिर स्थित प्रेस वार्ता किया। उन्होंने कहा कि जनता मुझे एक बार मौका देती है तो मैं जनता के हरेक समस्याओं का समाधान के लिए समर्पित रहूंगा। मेरा चुनावी मुद्दा है भ्रष्टाचार व अपराध पर अंकुश लगाना, जनता की स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली पानी, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना, सरकारी व्यवस्था में सुधार लाना है और बहन बेटियों को सुरक्षा प्रदान करना। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पताल में स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमराई रहती है। भीड़ के कारण अस्पताल में घंटों खड़े रहने के बाद भी मरीजों को दलालों के माध्यम से बाहर में दवाइयां खरीदनी पड़ती है। सरकारी विद्यालयों में भी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिला पाती है। अमीर लोग अपने बच्चों को निजी विद्यालय में पढ़ा रहे हैं। निजी विद्यालयों की मनमानी फीस के कारण गरीबों के बच्चे अच्छे शिक्षा से वंचित रह रहें हैं।

रामगढ़ विधानसभा के पूर्व पत्याशी कुंटू बाबू ने की प्रेसवार्ता, कहा

अमर बाउरी को बाहरी बताना कहीं आजसू को भारी न पड़ जाए

आजसू को समर्थन देकर जिताने के बाद खुद को ठगा महसूस करते हैं भाजपा कार्यकर्ता

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़ रामगढ़ विधानसभा के वरिष्ठ नेता सह पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रणंजय कुमार उर्फ कुंटू बाबू ने शनिवार को अपने आवासीय कार्यालय प्रेस वार्ता को संबोधित किया। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस बार 2024 के विधानसभा चुनाव में भाजपा कार्यकर्ता रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र से खुद का प्रत्याशी चाहते हैं और यही बात हम आपके और अन्य माध्यमों से केंद्र तक पहुंचाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि 2023 के उपचुनाव में भी हम सभी ने पूरी तन्मयता और समर्पण भाव से आजसू को अपने छोटे भाई की भूमिका में रखते हुए अपना समर्थन देकर चुनाव जितवाया पर चुनाव जीतने के बाद आजसू ने न तो औपचारिक रूप से कभी भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ कोई बैठक की और न हं धन्यवाद दिया। इसके उलट चंदनक्यारी से आजसू के पूर्व विधायक द्वारा भाजपा विधायक सह सदन में प्रतिपक्ष के नेता अमर बाउरी को बंगाल से आया बोलकर न सिर्फ गठबंधन धर्म को ठेंगा दिखाया। उन्होंने कहा कि उनका ये बयान आजसू की विधानसभा में मिले तीन विधायकों की संख्या शून्य करने का कारण भी बन सकता है। कुंटू बाबू ने आगे कहा की इस बार रामगढ़ विधानसभा के भाजपा कार्यकर्ताओं ने अकेले चुनाव लडने का मन बना लिया है और जरूरत पड़ी तो मोदी और योगी जी का खड़ाऊ रखकर इस बार चुनाव लडने को तैयार है। उन्होंने मीडिया के मध्यम से केंद्र सरकार से कमल फूल को रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़वाने का आहवान करते हुए बताया की 2019 में करीब 20 वर्षों बाद मुझे पार्टी ने रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी बनाया था।

हरियाणा विधानसभा चुनाव

हिंसा की छिटपुट घटनाओं के बीच 61.50 फीसद मतदान

एजेंसी। चंडीगढ़

हरियाणा में शनिवार को 15वीं विधानसभा के लिए हुए मतदान के दौरान हिंसा व मारपीट की घटनाओं के बीच कुल 61.50 प्रतिशत मतदान हुआ। प्रदेश में दिनभर मारपीट की घटनाओं के समाचार आते रहे। प्रदेश में कहीं पर भी दोबारा मतदान करवाने की स्थिति पैदा नहीं हुई है। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में हरियाणा में कुल 67.74 प्रतिशत मतदान हुआ था। राज्य में 20 हजार 629 मतदान केंद्र बनाए गए। राज्य निर्वाचन आयोग के प्रयासों के बावजूद आज मतदान का आंकड़ा 75 प्रतिशत तक नहीं पहुंच सका है। प्रदेश के कुछेक विधानसभा क्षेत्रों को छोडक़र मतदाताओं का उत्साह धीमा रहा। सुबह मतदान प्रक्रिया शुरू होने के बाद सबसे पहली हिंसा की खबर रोहतक जिले के महम से आई जहां रोहतक के महम में जनसेवक पार्टी प्रत्याशी एवं पूर्व विधायक बलराज कुंडू तथा उनके निजी सचिव के साथ मारपीट की घटना के बाद माहौल तनावपूर्ण बन गया। मारपीट की घटना में पूर्व विधायक बलराज कुंडू व उनके पीए के कपड़े तक फाड़ दिए गए। इस घटना के बाद लोग घरों से वोट डालने के लिए बाहर नहीं निकले। जिला प्रशासन ने मौके पर जाकर स्थिति को संभाला। हिसार के गांव खांडा खेड़ी में पूर्व वित्त मंत्री एवं नारनौंद से भाजपा उम्मीदवार कैप्टन अभिमन्यु और कांग्रेस उम्मीदवार जस्सी पेटवाड़ के समर्थक आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों के बीच जमकर लात घूंसे चले। पुलिस ने बीच बचाव करके दोनों पक्षों को अलग-अलग किया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर बोगस वोटिंग कराने का आरोप लगाया। खांडा खेड़ी में हुई घटना के बाद यहां काफी तनाव का माहौल बना रहा। राज्य के महेंद्रगढ़ जिला के अंतर्गत आते नांगल चौधरी के गांव धोखेरा में कांग्रेस व भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच बूथ कब्जाने को लेकर झड़प होने का समाचार है। भाजपा कार्यकर्ताओं का आरोप है कि कांग्रेस प्रत्याशी मंजू चौधरी के समर्थकों ने बूथ पर कब्जा करने की कोशिश की। जींद के जुलाना में बूथ कैप्चरिंग की शिकायत मिली। सूचना मिलने के बाद भाजपा प्रत्याशी कैप्टन योगेश बैरागी भी मौके पर पहुंचे। इस दौरान कुछ लोगों ने उनका विरोध किया। इस बीच धक्कामुक्की भी की।

डीआरडीओ ने चौथी पीढ़ी की शॉर्ट रेंज मिसाइल का किया परीक्षण

नई दिल्ली। भारत ने तकनीकी रूप से उन्नत शॉर्ट रेंज हवाई रक्षा प्रणाली की तीन उड़ानों का सफल परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा गुरुवार और शुक्रवार को राजस्थान के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में उड़ानों के परीक्षण किए गए। परीक्षण तेज गति से आ रहे लक्ष्यों के विरुद्ध किए गए, जिसमें अधिकतम सीमा और अधिकतम ऊंचाई पर इंटरसेप्शन के बेहद महत्वपूर्ण मापदंडों को हासिल किया गया। इन विकास परीक्षणों में विभिन्न परिस्थितियों में लक्ष्य को भेदने और मार गिराने की हथियार प्रणाली की क्षमता प्रदर्शित की गई। इसमें अपनी ओर आ रहे लक्ष्य, दूर जा रहे लक्ष्य और ऊपर से क्रॉस कर रहे लक्ष्य को भेदना शामिल था। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि इस प्रणाली के मिसाइलों का विकास पूरा हो चुका है और दो उत्पादन एजेंसियों के साथ विकास सह उत्पादन भागीदारी का करार किया गया है।

कांग्रेस ने बंजारा समाज को मुख्य धारा से अलग किया : पीएम

एजेंसी। वाशिम

महाराष्ट्र की यात्रा पर शनिवार को पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाशिम में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने आजादी के बाद बंजारा समाज को हमेशा मुख्य धारा से अलग करने का काम किया है। बंजारा समाज की आराध्य पोहरा देवी मंदिर में दर्शन करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि बंजारा समुदाय ने भारत के निर्माण, इसकी संस्कृति में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कला, संस्कृति, देशभक्ति, व्यापार आदि हर क्षेत्र में इस समाज के महापुरुषों, महान विभूतियों ने देश के लिए बहुत योगदान दिया है। इस अवसर पर कांग्रेस की आलोचना करते हुए मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने किसानों को बड़े पैमाने पर लूटा। कांग्रेस को ऐसे लोगों का समर्थन मिल रहा है, जो देश की प्रगति में बाधा डाल रहे हैं। हमें कांग्रेस से सावधान रहना चाहिए। हमारी एकता ही इस देश को अक्षुण्ण रख सकती है। हाल ही में दिल्ली में करोड़ों रुपये की ड्रग्स पकड़ी गई थी लेकिन दुर्भाग्य की बात ये है कि इस ड्रग रैकेट का असली मास्टरमाइंड कांग्रेस नेता निकला। कांग्रेस युवाओं को नशा देकर उस पैसे से चुनाव लड़ने की कोशिश कर रही है। शहरी नक्सली गिरोह कांग्रेस चलाती है। हमें ऐसे लोगों से सावधान रहना चाहिए। साथ ही दूसरों को भी सचेत करना चाहिए। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं नवरात्रि के पावन पर्व पर पीएम किसान सम्मान योजना की 18वीं किश्त देने में सफल रहा। देश के साढ़े नौ करोड़ किसानों के खाते में 20 हजार करोड़ की धनराशि दी गई है। महाराष्ट्र की डबल इंजन सरकार अपने किसानों को दोहरा लाभ पहुंचा रही है। नमो शेतकारी महासम्मान योजना के तहत राज्य के 90 हजार से ज्यादा किसानों को करोड़ों रुपये की धनराशि आवंटित की गई।

संजौली मस्जिद के ऊपर की तीन मंजिल गिराने के आदेश

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के उपनगर संजौली की मस्जिद में अवैध निर्माण पर कोर्ट का फैसला आ गया। सुर्खियों में रहने वाली इस विवादित चार मंजिला मस्जिद में अवैध निर्माण को लेकर शनिवार को नगर निगम के कोर्ट में सुनवाई हुई। नगर निगम आयुक्त भूपेंद्र अत्री ने मस्जिद के अवैध निर्माण को लेकर सुनवाई करते हुए मस्जिद कमेटी को अहम आदेश दिया है। इसमें कहा गया कि मस्जिद की ऊपर की तीन मंजिलें गैर कानूनी रूप से बनी हैं। कोर्ट ने आदेश जारी किए हैं कि मस्जिद की दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिलों को गिराना होगा। मस्जिद में अवैध निर्माण की पिछले 14 सालों से आयुक्त कोर्ट में सुनवाई चल रही है। 46वीं सुनवाई पर नगर निगम आयुक्त ने आज यह बड़ा फैसला सुनाया है। मुस्लिम पक्ष को दो माह के भीतर मस्जिद की तीन मंजिलों को गिराने के आदेश दिए गए हैं।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज में सामान्य हो रहे हालात

इमरजेंसी से लेकर सामान्य विभाग तक जूनियर डॉक्टरों ने शुरू किया कार्य

एजेंसी। कोलकाता

आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के जूनियर डॉक्टरों ने शुक्रवार रात से ही अपनी दूसरी पूर्ण हड़ताल समाप्त कर काम पर वापसी कर ली है। शनिवार सुबह से उन्होंने आउटडोर विभाग में भी मरीजों का इलाज शुरू कर दिया है। आरजी कर सहित अन्य मेडिकल कॉलेजों में भी शनिवार को यही स्थिति देखी गई, जहां डॉक्टर मरीजों को देखकर आवश्यक चिकित्सा परामर्श दे रहे थे। जूनियर डॉक्टरों का कहना है कि इतने दिनों से चले आ रहे आंदोलन के दौरान आम जनता ने उनका समर्थन किया है। अब वे जनता के साथ खड़े होकर पूरी तरह से चिकित्सा सेवाओं को सामान्य कर रहे हैं। उन्होंने आंदोलन के दौरान साथ खड़े रहने वाले वरिष्ठ डॉक्टरों के प्रति भी आभार प्रकट किया। आरजी कर मेडिकल कॉलेज के जूनियर डॉक्टर आरिफ अहमद लस्कर ने कहा, वेस्ट बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट की आधिकारिक घोषणा के बाद हड़ताल पूरी तरह समाप्त कर दी गई है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज सहित अन्य सभी मेडिकल कॉलेजों में जूनियर डॉक्टर अब काम पर लौट चुके हैं। हमने आउटडोर विभाग के साथ-साथ अस्पताल में भर्ती मरीजों और इमरजेंसी सेवाओं में भी काम शुरू कर दिया है। शुक्रवार रात से ही आरजी कर अस्पताल की इमरजेंसी और इंडोर सेवाओं में जूनियर डॉक्टरों ने काम पर वापसी कर ली थी। शनिवार सुबह से आउटडोर सेवाएं भी पूरी तरह से सामान्य हो गईं। आंदोलन के दौरान वरिष्ठ डॉक्टरों ने हमेशा जूनियर डॉक्टरों का समर्थन किया और अतिरिक्त काम करके मरीजों की देखभाल जारी रखी। अब भी वे जूनियर डॉक्टरों के आंदोलन के साथ खड़े हैं। हालांकि, वरिष्ठ डॉक्टरों ने हाल के दिनों में सुझाव दिया था कि पूर्ण हड़ताल के बजाय किसी और तरीके से आंदोलन को आगे बढ़ाया जा सकता है। इस सुझाव को स्वीकार करते हुए जूनियर डॉक्टरों ने हड़ताल खत्म करने का निर्णय लिया। कोलकाता मेडिकल कॉलेज के जूनियर डॉक्टर अनिकेत कर ने भी बताया कि शुक्रवार रात से इमरजेंसी सेवाओं, सर्जरी विभाग सहित विभिन्न विभागों में डॉक्टरों ने काम शुरू कर दिया है।

टेरर फंडिंग मामले में कार्रवाई

एनआईए का दिल्ली, उप्र समेत 5 राज्यों में छापा, कई हिरासत में

एजेंसी। नई दिल्ली

- जैश-ए-मुहम्मद से जुड़े संदिग्धों की तलाश में 5 राज्यों के 30 स्थानों पर छापेमारी की गई
- एनआईए ने यह छापेमारी दिल्ली, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर और असम में की है

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को टेरर फंडिंग मामले में जैश-ए-मुहम्मद से जुड़े संदिग्धों की तलाश में 5 राज्यों के 30 स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान एनआईए ने इन जगहों से आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की। एनआईए ने पूछताछ के लिए कई संदिग्धों को हिरासत में लिया है। एनआईए ने यह छापेमारी दिल्ली, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर और असम में की है। एनआईए के मुताबिक दिल्ली के मुस्तफाबाद के मदरसे पर छापेमारी कर यहां से एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है। छापेमारी तड़के 03 बजे से शुरू हुई। इस क्रम में एनआईए ने महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर मदरसे में छापेमारी के दौरान एक मौलवी को हिरासत में लिया। इसके बाद महाराष्ट्र के जालना एवं मालेगांव कस्बे से एक-एक संदिग्ध को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। एनआईए ने जम्मू-कश्मीर के बारामुला के सांगली में इकबाल भट्ट के घर पर छापेमारी की। दक्षिण कश्मीर के इलाके में भी छापेमारी की गई। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के देवबंद और मेरठ में एनआईए ने छापेमारी के दौरान पूछताछ के लिए एक-एक संदिग्ध को हिरासत में लिया। एनआईए ने असम में गोलपारा में आठ संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

बिहार के अररिया में रह रहा बंग्लादेशी नागरिक कागजात वेरिफिकेशन में पकड़ाया

एजेंसी। अररिया

बिहार के अररिया में बीते तीन साल से अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिक को मुखिया ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है। तीन साल पहले भारतीय सीमा को लांघकर बिहार के अररिया में प्रवेश करने वाले नवाब ने भारत के सरकारी सिस्टम के साथ जमकर खिलवाड़ किया। न केवल वह भारतीय सीमा क्षेत्र में प्रवेश कर अवैध तरीके से रहते हुए भारत में निकाह की। बल्कि आधार कार्ड से लेकर वोटर आई कार्ड भी बना डाला। सबसे ज्यादा ताज्जुब की बात यह है कि उसने चार माह पहले बनवाए आधार कार्ड में अपने पिता के नाम के स्थान पर अपने चचिया ससुर का नाम अंकित करवाया। मतदाता पहचान पत्र में बांग्लादेशी नागरिक ने अपने पिता के नाम पर अपनी पत्नी का नाम रंगीला खातून अंकित करवाया,जो खुद में एक सवाल है कि आखिर कैसे मतदाता पहचान पत्र में पिता या पति के नाम के बदले पत्नी का नाम अंकित किया गया। भारत में तीन साल से अवैध रूप से रह रहे नवाब आखिरकार कागजात वेरिफिकेशन के दौरान पकड़ा ही गया। दरअसल बांग्लादेश के चापा नवाबगंज जिला के रहने वाले नवाब भारतीय होने के अपने और अधिक मजबूत आधार को तैयार करने के लिए पासपोर्ट अप्लाई किया था और पासपोर्ट वेरिफिकेशन के लिए उनका डॉक्यूमेंट नगर थाना आया था। जहां नगर थाना पुलिस द्वारा स्थानीय मुखिया से पहले वेरिफिकेशन करवाकर लिखवाने की नसीहत देते हुए कागजात देकर भेज दिया। नवाब अपने कागजात वेरिफिकेशन के लिए रामपुर कोदरकट्टी की मुखिया पम्मी देवी के पास पहुंचा। कागजात अवलोकन के दौरान मुखिया को शक हुआ तो उन्होंने अपने पति राजेश सिंह से सारा वाक्या शेयर की।जिसके बाद राजेश सिंह ने वोटर आई कार्ड में पिता के स्थान पर पत्नी और आधार कार्ड में पिता के नाम के स्थान पर उसी के पंचायत में रहने वाले शख्स का नाम देख कड़ाई से पूछताछ की तो नवाब टूट गया और खुद को बांग्लादेश के होने की बात कही।

गारो हिल्स में भूस्खलन से 10 लोगों की मौत

एजेंसी। शिलांग

मेघालय के गारो हिल्स में दो अलग-अलग भूस्खलनों में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। यहां शुक्रवार आधी रात से भारी बारिश हो रही है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि भारी बारिश और भूस्खलन ने क्षेत्र के सभी पांच जिलों को बुरी तरह प्रभावित किया है। एक अधिकारी ने बताया कि दक्षिण गारो हिल्स जिले के हातियासिया सोंगमा गांव में सात लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। गांव में तीन महिलाओं समेत सभी सात लोग भूस्खलन के कारण दब गए थे। अधिकारी ने बताया कि पश्चिमी गारो हिल्स के दालू में तीन और ग्रामीणों की जान चली गई है। कुल 10 लोगों की मौत हुई है।

आज का राशिफल

मेष : आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी।

वृष : व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेगा। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है।

मिथुन : आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग है।

कर्क : बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग है।

सिंह : व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचें। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा, इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। पारिवारिक विवाद टालें।

कन्या : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी।

तुला : अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा।

वृश्चिक : आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा।

धनु : उच्च मनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

मकर : आत्मीय जनों से मिलन होगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा।

कुंभ : घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा।

मीन : शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है।

देवबंद में एनआईए और एटीएस की छापेमारी

सहारनपुर। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) और आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) की सयुंक्त टीम ने शनिवार सुबह देवबंद में छापा मारकर एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लिया है। टीम ने उसके पास एक लैपटॉप जब्त किया है। टीम उसे अपने साथ दिल्ली ले गई है। एनआईए के सूत्रों की माने तो आतंकी साजिश और टेरर फंडिंग के शक में शनिवार सुबह एनआईए और एटीएस की सयुंक्त टीम ने देवबंद के मोहल्ला खानकाह स्थित बड़ा दरवाजा के पास से एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। वह मूलरूप से बिहार का रहने वाला है। वर्ष 2008 में नगर के एक मदरसे में तालीम हासिल करने के बाद वह वर्तमान में एक कुतुबखाना (पुस्तकों की दुकान) में कार्य कर रहा था। एटीएस युवक एवं उसकी पत्नी को भी अपने साथ लेकर देवबंद के एटीएस सेंटर पहुंची थी। काफी देर चली पूछताछ के बाद उसे छोड़ दिया और संदिग्ध व्यक्ति को अपने साथ दिल्ली ले गई।

मंदिर पर हमला करने वालों पर लगाया जाए एनएसए

डासना मंदिर पहुंचे लोनी विधायक ने कहा

एजेंसी। गाजियाबाद

डासना मंदिर के महंत द्वारा दिए गए बयान के बाद शुरू हुआ बवाल अभी शांत नहीं हुआ है। वहीं, इस पर राजनीति और वाद-विवाद भी शुरू हो चुका है। गाजियाबाद के लोनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक नंदकिशोर गुर्जर शनिवार को डासना मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने कहा कि मंदिर पर हमला करने वालों पर लाठी नहीं, बल्कि गोलियां चलानी चाहिए। नंदकिशोर गुर्जर ने कहा है कि एनसीआर में यह सबसे पुराना मंदिर है और इसका वर्णन हमारे इतिहास की किताबों में भी आता है। उन्होंने कहा कि मंदिर पर शुक्रवार की रात हुआ हमला बेहद गलत है। सनातन धर्म और सनातन धर्म से जुड़े लोगों पर लगातार हो रहे हमले की वजह से महाराज जी ने आवेश में कुछ कहा था। चाहे वह बांग्लादेश में हो या कहीं और। लेकिन मंदिर पर हुआ हमला गलत है। नंदकिशोर गुर्जर ने कहा कि पुलिस ने शुक्रवार रात लाठीचार्ज कर भीड़ को भगाने का नाटक किया, उसे उपद्रवियों लोगों को गोली मारना चाहिए था। जब सर तन से जुदा के नारे लगते हैं, तो क्या कोई हिंदू किसी मस्जिद पर जाकर पथराव करता है। यह देश कानून से चलता है। अगर कोई दिक्कत थी, तो एफआईआर दर्ज करानी चाहिए थी।

असदुद्दीन ओवैसी ने यति नरसिंहानंद की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की

हैदराबाद। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ ईशनिंदा वाली टिप्पणी करने के लिए यति नरसिंहानंद सरस्वती की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मुसलमानों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए यति नरसिंहानंद के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। असदुद्दीन ओवैसी ने यति नरसिंहानंद के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने मीडियाकर्मियों से बात की।

डासना देवी मंदिर की तरफ जा रही अराजक भीड़ को पुलिस ने खदेड़ा

गाजियाबाद। डासना देवी मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद के धर्म विशेष को लेकर दिए गए बयान से एक वर्ग विशेष के लोगों में गुस्सा पनपा है। इन लोगों ने बड़ी संख्या में अराजक भीड़ के साथ मंदिर की तरफ रुख किया। इनको पुलिस ने खदेड़ दिया। पुलिस उपायुक्त एसएन तिवारी ने लोगों से धैर्य बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अफवाहों पर ध्यान न दें। मंदिर व आसपास पूरी तरह से शांति है।

पैगंबर मोहम्मद पर नरसिंहानंद की टिप्पणी से मुस्लिम नेताओं में आक्रोश

श्रीनगर। यूपी के गाजियाबाद के डासना मंदिर के महंत नरसिंहानंद की पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी से मुस्लिम नेताओं में आक्रोश है। इस टिप्पणी के विरोध में शनिवार को इस्लामिक कल्याण संगठन और अन्य धार्मिक संगठनों ने विरोध प्रदर्शन कर नरसिंहानंद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। मुस्लिम नेताओं ने कहा कि हम इस बात को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं कर पाएंगे कि कोई भी व्यक्ति हमारे पैगंबर के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करे।

पश्चिम बंगाल में नाबालिग लड़की का शव नहर में मिला, भाजपा हमलावर

एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में चौथी कक्षा की एक लड़की का शव नहर में मिलने के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। इसको लेकर भाजपा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमला बोला है। भाजपा ने कहा कि पश्चिम बंगाल में बेटियां असुरक्षित हैं। यहां दुष्कर्मियों को तृणमूल सरकार से संरक्षण मिल रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में मीडिया से कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल में मां, माटी, मानुष या महिला के लिए कोई 'ममता' नहीं है। आज बेटियां असुरक्षित हैं और केवल दुष्कर्मियों को ही ममता सरकार का पूरा समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आरजी कर मामले से लेकर दर्जनों मामले अब तक हमने देखे हैं कि कृपाखाली इलाके में एक 11 साल की हिंदू लड़की के साथ दुष्कर्म किया गया और उसकी हत्या कर दी गयी। पुलिस ने कुछ निहित स्वार्थों और वोट बैंक से संबंधित उद्देश्यों के चलते परिवार वालों की शिकायत नहीं ली। अब ममता बनर्जी के जाने का समय आ गया है क्योंकि जब तक वे वहां हैं, तृणमूल कांग्रेस केवल दुष्कर्मियों को संरक्षण देगी। दक्षिण 24 परगना जिले के लोगों का आरोप है कि कृपाखाली में ट्यूशन से घर लौटते समय लड़की के साथ दुष्कर्म किया गया और उसकी हत्या कर दी गई।

बेटे को थी सट्टेबाजी की लत, कर्ज में डूबे परिवार ने दी जान

निजामाबाद। तेलंगाना के निजामाबाद जिले के येदापल्ली मंडल के वड्डीपल्ली गांव में एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इसकी वजह आर्थिक तंगी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 22 वर्षीय रंगनावेनी हरीश को कोरोना काल में ऑनलाइन सट्टे की लत लग गई थी और उसने अपने परिवार को भारी कर्ज में डुबो दिया था। कथित तौर पर हरीश सट्टेबाजी के जाल में फंस बड़ी रकम गंवा चुका था। बेटे का कर्ज चुकाने के लिए पिता ने अपनी खेती की जमीन बेच दी थी। फिर भी मामला सुलझ नहीं पाया था। आखिरकार परेशना होकर पिता रंगनावेनी सुरेश (53), मां हेमलता (45) और बेटे हरीश (22) ने रात में अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि उस पर 20 लाख का कर्जा था।

पहली बार दिल्ली पहुंची नमो भारत ट्रेन

एजेंसी। नई दिल्ली

एनसीआरटीसी ने भारत के प्रथम रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) को तैयार करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए शनिवार को दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के साहिबाबाद-न्यू अशोक नगर सेक्शन के बीच ट्रायल रन शुरू कर दिया। यह एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि नमो भारत ट्रेन अब दिल्ली में प्रवेश कर रही है, जिससे कॉरिडोर का दिल्ली सेक्शन, पहले से संचालित साहिबाबाद-मेरठ साउथ खंड से जुड़ने वाला है। इस मौके पर एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक शलभ गोयल और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस ट्रायल में सिविल स्ट्रक्चर की जांच के लिए नमो भारत ट्रेन को मैन्युअल तरीके से चलाया गया। इसी कड़ी में जैसे-जैसे यह परीक्षण आगे बढ़ेगा, एनसीआरटीसी ट्रैक, सिग्नलिंग, प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर (पीएसडी) और ओवरहेड पावर सप्लाई सिस्टम जैसे विभिन्न सब-सिस्टम के साथ ट्रेन के इंटीग्रेशन और इसके समन्वय का आकलन करने के लिए व्यापक मूल्यांकन करेगी।

दुमका के पर्यटन स्थल

पर्यटन का एक स्वरूप तीर्थ पर्यटन भी है, जहां यात्रा का प्राथमिक उद्देश्य मंदिरों की तीर्थयात्रा करना होता है। दुमका अपने समृद्ध और विविध मंदिरों और तीर्थस्थलों के साथ एक उल्लेखनीय स्थान है। यह समृद्ध परंपरा, विरासत और ऐतिहासिक महत्व का स्थान है। यहां हम दुमका जिले के कुछ ऐतिहासिक, सबसे अधिक देखे जाने वाले और प्रसिद्ध तीर्थस्थलों की सूची उनके विवरण के साथ प्रदान कर रहे हैं।

ततलोई

झारखंड की उपराजधानी दुमका समेत पूरा संताल परगना प्राकृतिक सौंदर्य से सुसज्जित है। नदी, पहाड़ झरना और जंगल का इलाका पर्यटकों और सैलानियों के आकर्षक का केन्द्र रहा है। इस क्षेत्र में कई ऐसे गर्म जल कुंड हैं, जहां से आज भी गर्म पानी की धार निकलती है। इन्हीं में से एक उपराजधानी दुमका से करीब 20 किलोमीटर दूर जामा प्रखंड क्षेत्र में बारापलासी के निकट स्थित तातलोई गर्म जल कुंड है। छोटी -छोटी पहाड़ियो और प्राकृतिक सौन्दर्य के बीच भूरभूरी नदी के किनारे अवस्थित तातलोई गर्म जलकुंड अब भी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। इस आकर्षक पर्यटक स्थल का भ्रमण करने झारखंड के विभिन्न जिलों से नहीं, बल्कि बिहार और पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल से भी बड़ी संख्या में पर्यटक आते है। जाड़े के मौसम में यहां आने वाले सैलानियों की संख्या बढ़ जाती हैं।

1. मकर संक्रति में तीन दिवसीय मेले का आयोजन

तातलोई जलकुंड में स्नान देने करने के लिए हर दिन लोगों की भीड़ लगी रहती है। वहीं नव वर्ष के अवसर पर पिकनिक मनाने भी लोग आते हैं। जबकि मकर संक्रांति के मौके पर तातलोई में आयोजित तीन दिवसीय मेले में भी काफी संख्या में लोग पहुंचते हैं।

2. गर्म जलकुंड में गंधक और अन्य औषधीय तत्वों का मिश्रण

लोगों की मान्यता है कि इस इस गर्म जलकुंड के पानी में गंधक और अन्य औषधीय तत्वों का मिश्रण है। इस कारण इसमें स्नान करने से चर्म रोग से संबंधित सभी बीमारियां ठीक हो जाती है। लोग की माने तो तातलोई गर्म जल कुंड के पानी में अगर कपड़े की पोटली में चावल या अंडा कुछ देर रख दिया जाय तो वह भी पक कर खाने योग्य बन जाता है।

3. गर्म जल कुंड तातलोई का धार्मिक महत्व

गर्म जल कुंड तातलोई का धार्मिक महत्व भी है। मकर संक्रांति के मौके पर यहां मेले का भी आयोजन किया जाता है जो तीन दिनों तक चलता है। इस अवसर पर मांस मदिरा से दूर रहनेवाले संताल समाज के सफाहोड़ समुदाय के लोग इस गर्म जलकुंड में स्नान कर अपने आराध्य देव की वार्षिक पूजा अर्चना करते हैं। यहां तक पहुंचने के लिए रेल मार्ग और सड़क का भी निर्माण किया गया है।

बासुकीनाथ में भगवान शिव का स्वरूप नागेश का है। यहां भगवान शिव को दूध अर्पित करने वाले भक्तों को भगवान शिव का भरपूर आशीर्वाद प्राप्त होता है। एक कथा के अनुसार, इस सुंदर एवं रमणीय प्रदेश में वासु नाम का एक चरवाहा रहता था, जो भगवान शिव का भक्त था। इसलिए यह जगह बासुकीनाथ कहलाया।

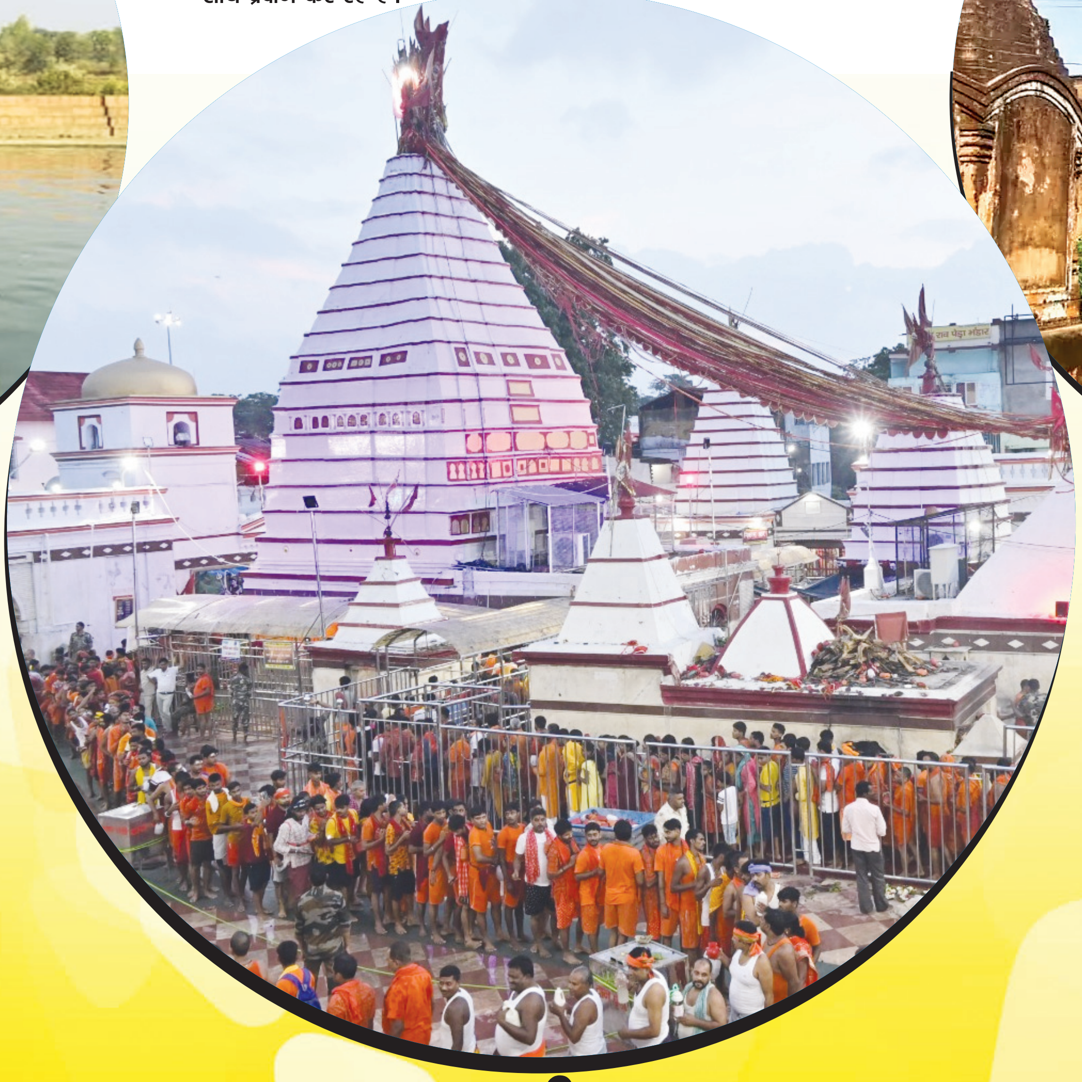

बाबा बासुकीनाथ धाम

श्रावण माह भगवान शिव को समर्पित है। भगवान शिव संहारक हैं, सृजनकर्ता और नव निर्माण कर्ता भी हैं। शिव अर्थात कल्याणकारी, सर्वसिद्धिदायक, सर्वश्रेयस्कर कल्याणस्वरूप और कल्याणप्रदाता है। जो हमेशा योगमुद्रा में विराजमान रहते हैं और हमें जीवन में योगस्थ, जीवंत और जागृत रहने की शिक्षा देते हैं। पुराणों में उल्लेख है कि समुद्र मंथन के दौरान निकले विष के विनाशकारी प्रभावों से इस धरा को सुरक्षित रखने के लिए भगवान शिव ने उस हलाहल को अपने कंठ में धारण किया और पूरी पृथ्वी को विषाक्त होने से बचा लिया।तीर्थ नगरी देवधर स्थित द्वादश ज्योर्तिलिंग बाबा बैधनाथ और सुलतानगंज की उत्तर वाहिनी गंगा तट पर स्थित बाबा अजगैबीनाथ के साथ दुमका जिला में बाबा बासुकीनाथ धाम की गणना बिहार और झारखंड ही नहीं, वरन राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख शैव-स्थल के रूप में होती है। इस पावन धाम में श्रावणी- मेला के दौरान केसरिया वस्त्रधारी कांवड़ियों व तीर्थयात्रियों की खास चहल-पहल रहती हैं।

ऐसी मान्यता है कि बासुकीनाथ की पूजा के बिना बाबा बैद्यनाथ की पूजा अधूरी है। यही कारण है कि श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ की पूजा के साथ साथ यहां आकर नागेश ज्योतिर्लिंग के नाम से विख्यात बाबा बासुकीनाथ की अराधना करते हैं। सावन के महीने में तो हजारों लाखों श्रद्धालु सुलतानगंज-अजगैबीनाथ से उत्तरवाहिनी गंगा का पवित्र जल अपने कांवड़ में भरते हैं।

फिर एक सौ किलोमीटर से भी अधिक पहाड़ के जंगली रास्ते पैदल पारकर इसे देवघर में बैधनाथ ज्योतिर्लिंग पर चढ़ाते हैं। इसके बाद वे बासुकीनाथ आकर नागेश ज्योतिर्लिंग पर जल-अर्पण करते हैं।

भगवान शिव औघड़दानी कहलाते हैं। शिव-भक्त मानते हैं कि जहां (बैद्यनाथ धाम) भगवान शंकर की दीवानी अदालत है, वहीं बासुकीनाथ धाम उनकी फौजदारी अदालत है। बाबा बासुकीनाथ के दरबार में मांगी गई मुरादों की तुरंत सुनवाई होती है।

प्राचीन काल में बासुकीनाथ घने जंगलों से घिरा था। उन दिनों यह क्षेत्र दारूक-वन कहलाता था। पौराणिक कथा के अनुसार इसी दारुक-बन में द्वादश ज्योतिर्लिंग स्वरूप नागेश्वर ज्योतिर्लिंग का निवास था। शिव पुराण में वर्णित है कि दारूक-बन दारूक नाम के असुर के अधीन था। कहते हैं, इसी दारूक-बन के नाम पर संताल परगना प्रमंडल के मुख्यालय दुमका का नाम पड़ा है।

बासुकीनाथ शिवलिंग के आविर्भाव की कथा अत्यंत निराली है। एक बार की बात है- बासु नाम का एक व्यक्ति कंद की खोज में भूमि खोद रहा था। उसके शस्त्र से शिवलिंग पर चोट पड़ी। बस क्या था-उससे रक्त की धार बह चली। बासु यह दृश्य देख कर भयभीत हो गया। उसी क्षण भगवान शंकर ने उसे आकाशवाणी के द्वारा धीरज दिया कि डरो मत, यहां मेरा निवास है। भगवान भोलेनाथ की वाणी सुन बासु श्रद्धा-भक्ति से अभिभूत हो गया और उसी समय से उस लिंग की मूर्त्ति-पूजन करने लगा। बासु द्वारा पूजित होने के कारण उनका नाम बासुकीनाथ पड़ गया। उसी समय से यहां शिव-पूजन की जो परंपरा शुरू हुई। आज यहां भगवान भोले शंकर और माता पार्वती का विशाल मंदिर है। मुख्य मंदिर के बगल में शिव गंगा है जहां श्रद्धालु स्नान कर अपने आराध्य को बेल-पत्र, पुष्प और गंगाजल समर्पित करते हैं।

मलूटी दुमका

भारत में अनेक मंदिर समूह हैं। विश्व प्रसिद्ध खजुराहो के मंदिर समूह से लेकर अपेक्षाकृत कम चर्चित उत्तराखंड के गुप्तकाशी स्थित नारायण-कोटि मंदिर समूह तक। लेकिन, सुदूर झारखंड के दुमका जिले में मलूटी नामक एक ऐसा भी गांव है जहां अभी भी जितने घर हैं उनसे ज्यादा मंदिर हैं। इस तरह से यह गांव मंदिरों के गांव के नाम से जाना जाता है।

मलूटी के मंदिरों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनके पार्श्व भाग टेराकोटा पैनल (फलक) से अलंकृत हैं। माना जाता है कि कभी यहां इन मंदिरों की संख्या 100 से ज्यादा थी, जिनमें 108 सिर्फ शिवमंदिर थे। वर्तमान में यह संख्या लगभग 72 के करीब हैं और इसके अलावा मां मौलीक्षा का मंदिर भी है। इन मंदिरों के निर्माण की शुरूआत स्थानीय राजा बाज बसंत राय के समय में हुआ माना जाता है। अपने जमाने में यह एक ऐसा राज्य था जिसमें प्रजा पर किसी तरह का टैक्स नहीं लगाया गया था। इसीलिए यह राज्य ननकर राज्य के तौर पर जाना जाता था। राजा बाज बसंत के बारे में कहा जाता है कि उन्हें यह राज्य गौरा के मुस्लिम शासक अलाउद्दीन शाह (1495-1525) के द्वारा पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया गया था।

घटन कुछ यूं है कि अलाउद्दीन शाह का एक बाज लापता हो गया था, जिसे ढूंढकर लानेवाले को ईनाम देने की घोषणा की गयी थी। युवा बसंत राय ने उस बाज को पकड़कर नवाब तक पहुंचाया, जिसके ईनाम के रूप में उन्हें यह राज्य या जमींदारी मिली। राजा बाज बसंत एक अत्यंत धार्मिक प्रवृति के व्यक्ति थे, इसलिए उन्होंने अपने अन्य समकालीनों की तरह महल या किला बनवाने के बजाय मंदिरों को बनवाने की परंपरा डाली। बाद में इस वंश ?की चार शाखायें हो गयीं और प्रत्येक ने अपने-अपने स्तर से यह परंपरा जारी रखी। स्थानीय जनश्रुतियों के मुताबिक राजा बाज बसंत राय ने 108 मंदिर और इतने ही तालाबों का निर्माण करवाया था। इसी वंश की कुलदेवी के रूप में माता मौलाक्षी का एक मंदिर भी यहां बना हुआ है। मलूटी के प्राचीन मंदिरों में वही एक मंदिर है जिसमें आज भी पूजा के लिए श्रद्धालु आते हैं।

बहरहाल, कला की दृष्टि से देखा जाए तो मलूटी के शिव मंदिरों के बाह्य भाग में लगे टेराकोटा पैनल उन्हें आम मंदिरों या मंदिर समूहों से अलग करता है। लगभग 350 मीटर के दायरे में इन 108 शिव मंदिरों का निर्माण किया गया था, जिनमें 72 मंदिर वर्तमान में मौजूद हैं। उनमें कुछ थोड़ी अच्छी अवस्था में हैं, तो कुछ जीर्ण-शीर्ण। बाकी 36 मंदिरों का कोई नामोंनिशां नहीं रह गया है। साथ ही देवी मौलाक्षी, काली, मनसा एवं दुर्गा के भी मंदिर भी हैं। वर्तमान समय में भी कुछ नये मंदिर बनाये गये हैं जिसमें स्थानीय ग्रामीणों द्वारा नियमित पूजा-अर्चना होती है। यह गांव बंगाल के सिद्ध तांत्रिक समझे जाने वाले स्वामी बामदेव यानी बामाखेपा की साधना स्थली भी रहा है।

बाबा सुमेश्वरनाथ मंदिर

यह एक धार्मिक स्थल है जो दुमका जिला मुख्यालय से 60 किलोमीटर की दूरी पर सरैयाहाट प्रखंड में स्थित है। यहां भगवान शिव का एक बड़ा मंदिर है। महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर जिले के विभिन्न हिस्सों से लोग यहां दैनिक पूजा के अलावा भगवान शिव की पूजा करने आते हैं।

दुमका का नाग मंदिर

नाग मंदिर दुमका में शिव पहाड़ की एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित है। दुमका जिले में स्थित शिव पहाड़ स्थानीय लोगों के बीच बहुत प्रसिद्ध है। शिव पहाड़ मंदिर के परिसर में कई छोटे मंदिर स्थित हैं । मुख्य मंदिर भगवान शिव को समर्पित है । नाग मंदिर शिव पहाड़ की चोटी पर स्थित है।

मयूराक्षी नदी

झारखंड के देवघर के हरे-भरे परिदृश्यों से होकर बहने वाली मयूराक्षी नदी इस क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत का प्रमाण है। ऐतिहासिक रूप से, यह नदी स्थानीय समुदायों का अभिन्न अंग रही है, जो उनकी जीवनशैली और विश्वासों को आकार देती है। नदी का नाम 'मयूरा', जिसका अर्थ है मोर, और 'अक्षि', जिसका अर्थ है आँख, से लिया गया है, जो नदी की सुंदरता को दशार्ता है। देवघर, बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग मंदिर के लिए प्रसिद्ध है, जो भारत के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है, सदियों से तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को समान रूप से आकर्षित करता रहा है। मयूराक्षी नदी तीर्थयात्रियों की आध्यात्मिक यात्रा का पूरक रही है, अक्सर वह स्थान होता है जहाँ वे अनुष्ठान और समारोह करते हैं, जिससे इस क्षेत्र में पर्यटन की शुरूआत में योगदान मिलता है।

पर्यटन का विकास

पिछले कुछ वर्षों में, मयूराक्षी नदी के आस-पास के पर्यटन में धीरे-धीरे लेकिन महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला है। इस क्षेत्र की संभावनाओं को राज्य पर्यटन विभाग ने देखा, जिसके कारण बुनियादी और उन्नत पर्यटन सुविधाओं जैसे कि आवास, परिवहन और खाद्य सेवाओं का विकास हुआ। मयूराक्षी नदी के पास मसानजोर बांध जैसे आकर्षणों ने अतिरिक्त मनोरंजक गतिविधियां प्रदान कीं, जिससे प्रकृति प्रेमियों और पिकनिक मनाने वालों के लिए इस क्षेत्र का आकर्षण बढ़ा ।

वर्तमान पर्यटन रुझान

समकालीन परिदृश्य में, मयूराक्षी नदी के आसपास पर्यटन में विकास हो रहा है, जिसमें इको-टूरिज्म और संधारणीय यात्रा पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। नदी के आसपास इको-फ्रेंडली लॉज और रिसॉर्ट उभर रहे हैं, जिससे पर्यटकों को पर्यावरण पर कोई दबाव डाले बिना प्रकृति से जुड़ने का मौका मिल रहा है। इसके अलावा, ग्रामीण पर्यटन में भी रुचि बढ़ रही है, जहां यात्री स्थानीय जीवन शैली से जुड़कर प्रामाणिक अनुभव प्राप्त करना चाहते हैं। साहसिक पर्यटन भी बढ़ रहा है, जिसमें ट्रैकिंग, मछली पकड़ना और पक्षियों को देखना आगंतुकों के लिए लोकप्रिय गतिविधियाँ बन रही हैं।

छिनतई करने वाली दो महिलाएं गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता। रांची

हाल के दिनों में चेन व मोबाइल छिनताई की घटना हो रही है। इसके बाद पुलिस सतर्क हो गई है। एसआईटी गठन कर छापेमारी अभियान चला रही है। पहले भी कई आरोपियों को चेन छिनताई के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। इसी अभियान के तहत छिनताई गिरोह में शामिल दो महिला सहित तीन युवकों को भी गिरफ्तार किया गया। उक्त बातें नगर पुलिस अधीक्षक राजकुमार मेहता ने पत्रकार वार्त्ता में कही। उन्होंने कहा कि छिनताई में पहली बार महिला की गिरफ्तारी हुई है जो गंभीर मामला है और सतर्क रहने की जरुरत है। उन्होंने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक आवासीय कार्यालय के पास मोबाइल से बात करते हुए जा रही एक युवती से झपट्टा मार कर दो मोटरसाइकिल सवार युवकों ने उसका मोबाइल लेकर भाग गया था। इस मामले में एक मामला दर्ज किया गया। जिसमें लालपुर थाना प्रभारी रुपेश कुमार सिंह नेतृत्व में दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है। मोहम्मद सैफ और कैफ दोनों ही हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। इसके पास से छिनताई की गई मोबाइल बरामद किया गया है। वहीं इसके पास से जेएच 01 सीजी 2362 हीरो होंडा ग्लैमर भी जब्त किया गया है। इस अभियान में सत्य प्रकाश उपाध्याय प्रभारी मोराबादी टीओपी, पुलिस अवर निरीक्षक पंकज कुमार लालपुर , सहायक आवर निरीक्षक सुनील मुर्मू लालपुर, सहायक अवर निरीक्षक दस मुर्मू लालपुर थाना शामिल थे ।

मनरेगाकर्मी की हड़ताल से चार लाख को नहीं मिल रहा है काम

- आम बागवानी सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है इसमें लाखों आम के पौधे नहीं लग पाये हैं
- मनरेगा कर्मियों में प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी को महीने में 23,000 रुपये दिए जाते है

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड के मनरेगाकर्मी हड़ताल पर हैं। इस कारण मनरेगा से चलने वाले कई योजना ठप पड़ी है। इसी योजनाओ में आम बागवानी भी है, इस कारण आम बागवानी योजना सबसे ज्यादा प्रभावित है। आम बागवानी सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इसमें सैकड़ो आम के पौधे लगाए जा रहे है। दरअसल आम के पौधे लगाने के लिए गड्ढे तो खोद दिए गए है, लेकिन इस पर आम का पौधा नहीं लग पाया, क्योकि पिछले 76 दिनों से मनरेगा कर्मी हडताल पर हैं। इस लिए यह काम पूरा नहीं हो पाया। इससे सरकार को करोड़ो रुपए की नुकसान हुआ है। मनरेगा में प्रति दिन चार लाख मजदूर काम करते हैं जो बेकार बैठे हैं। इनकी एक दिन की दिहाड़ी 272 रुपए है। इनका भुगतान एक दिन में लगभग 10 करोड़ 88 लाख रुपये होता है। वहीं यह रकम 76 दिनों मे 8268800000 होगा। मनरेगा कर्मी स्थाईकरण, ग्रेडपे आधारित नियुक्ति और समाजिक सुरक्षा की मांग को ले कर राजभवन के सामने धरना दे रहे हैं। इन मनरेगा कर्मियों में प्रखंड कार्यक्रम पदाधिरी को महीने में 23000 रुपए दिए जाते है, सहायक अभियंता को 22500 रुपए दिए जाते है, कनीय अभियंता को19500 रुपए दिए जाते है वहीं कंप्यूटर सहायक और लेखा सहायक को 15000 रुपए दिए जाते है। सबसे कम ग्राम रोजगार सेवक को दिया जाता है वह 12000 रुपए। मनरेगा कर्मियों का कहना है कि इतने कम मानदेय में हमलोगों का घर का गुजारा कैसे होगा।

दुर्गा पूजा उत्सव का आयोजन

रांची। संतोष कॉलेज ऑफ टीचर्स ट्रेनिंग एंड एजुकेशन एवं स्नेहकुल पब्लिक हाई स्कूल के संयुक्त तत्वाधान में दुर्गा पूजा पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने मां दुर्गा के नौ रूपों की प्रस्तुति दी। सामूहिक दांडिया नृत्य के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के द्वारा मां दुर्गा की स्तुति की गई। मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में तुपुदाना थाना प्रभारी उपस्थित थे।

खेलो झारखंड प्रतियोगिता : पदक तालिका में रांची टॉप पर

नवीन मेल संवाददाता। रांची

खेलो झारखंड ताइक्वांडो प्रतियोगिता के दूसरे दिन, आज हुए मुकाबलो के बाद रांची ओवरआल चैंपियन बन गया है। रांची कुल 141 स्कोर के साथ ओवरआल चैंपियन बना। रनरअप टीम रही देवघर ने 74 स्कोर हासिल किये।

अंडर 14 में हजारीबाग 32 अंको के साथ पहले स्थान पर रहा। अंडर 17 में रांची 62 और अंडर 19 में रांची 50 अंको के साथ पहले पायदान पर रहा।

राज्यस्तरीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता 2024-25 में अबतक हुए मुकाबलो में रांची की टीम कुल 71 पदको के साथ शीर्ष पर कायम है। रांची के बाद पश्चिमी सिंहभूम की टीम 34 पदको के साथ दूसरे स्थान पर है। सरायकेला खरसांवा की टीम 15 पदको के साथ तीसरे स्थान पर है। रांची ने अबतक 24 स्वर्ण पदक, 26 रजत और 21 कांस्य जीते है। पश्चिमी सिंघभूम के खाते में 8 स्वर्ण पदक, 16 रजत पदक और 10 कांस्य पदक आये है। सरायकेला खरसांवा की झोली में अबतक 6 स्वर्ण पदक, 4 रजत पदक और 5 कांस्य पदक आये है।

कार्य की सिद्धि के लिए मन का स्थिर होना जरूरी : संजय सर्राफ

रांची। विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग एवं राष्ट्रीय सनातन एकता मंच के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा है कि नवरात्रि की नौ दिनों की साधना के लिए कलश स्थापना के साथ हथेली में जल और अक्षत लेकर मन की चंचलता को नियंत्रित एवं एकाग्रचित करने का संकल्प लिया जाता है। अल्पाहार, उपवास, कठोर आधार पर शयन, ब्रह्मचर्य इत्यादि कठोर तप के माध्यम से शरीर एवं मन के भटकाव की गति पर नियंत्रण स्थापित किया जाता है। हम सभी अनुभव करते हैं कि मन बड़ा चंचल है जबकि किसी भी कार्य की सिद्धि के लिए मन का स्थिर होना अति आवश्यक है। आध्यात्मिक अनुष्ठान तो चंचल मन के साथ असंभव है।

जेएसएससी की एक और नियुक्ति परीक्षा पर विवाद लगातार क्रमांक वाले कई अभ्यर्थी हुए उत्तीर्ण

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड में सरकारी नौकरी की एक और परीक्षा विवादों में फंस गई है। कुल 921 पदों पर नियुक्ति के लिए आयोजित नगरपालिका सेवा संवर्ग संयुक्त परीक्षा के रिजल्ट में गड़बड़ी के आरोप लग रहे हैं। कुछ केंद्रों पर परीक्षा देने वाले लगातार क्रमांक के कई अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए हैं। छात्र-युवा इसे सेटिंग का परिणाम बता रहे हैं। कुछ संगठनों ने आंदोलन की चेतावनी भी दी है। नगरपालिका सेवा संवर्ग की इस नियुक्ति परीक्षा का आयोजन झारखंड स्टाफ सेलेक्शन कमीशन ने कुछ महीने पहले किया था। इसका विज्ञापन वर्ष 2023 में ही जारी हुआ था। परीक्षा के बाद इसका रिजल्ट 4 अक्टूबर को जारी किया गया है। इसके तहत सबसे अधिक संख्या में 645 सेनेटरी सुपरवाइजरों की नियुक्ति होनी है। इसके अलावा राजस्व निरीक्षक के 184, विधायक सहायक के 46, सेनेटरी और फूड इंस्पेक्टर के 24, गार्डन सुपरिंटेंडेंट के 12 और वेटनरी ऑफिसर के 10 पदों पर नियुक्ति की जानी है। परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों की जांच 7 अक्टूबर को झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के नामकुम स्थित कार्यालय में की जाएगी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने परीक्षा के रिजल्ट पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, यह परीक्षा भले ही नई हो पर सीट बेचने की स्क्रिप्ट वही है। नगरपालिका सेवा संवर्ग परीक्षा की मेधा सूची में क्रम से अभ्यर्थियों के सफल होने के बाद से इसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगे हैं। संभव है कि हेमंत सोरेन ने नगरपालिका सेवा संवर्ग परीक्षा में सीट बेचने वाली जेपीएससी और पीजीटी परीक्षा वाली पुरानी स्क्रिप्ट ही चुनी और लगातार क्रम से अभ्यर्थियों को पास कर दिया। बाबूलाल ने कहा, हेमंत सरकार ने ऐसा ही कारनामा जेपीएससी और पीजीटी की परीक्षा में भी किया था। इस दौरान भी एक ही सेंटर और लगातार क्रम से सैकड़ों अभ्यर्थी परीक्षा में पास हुए थे।

आशा लकड़ा ने आम लोगों के साथ किया संवाद

रांची। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डॉ. आशा लकड़ा ने शनिवार को ओरमांझी प्रखंड में आम लोगों के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों को राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के कार्यों की जानकारी दी। ग्रामीणों से बातचीत के दौरान उन्होंने यह भी पूछा कि अनुसूचित जनजाति के लोगों को केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं। डॉ आशा लकड़ा ने बताया कि संवाद के दौरान ग्रामीणों ने पानी की समस्या बताई। जमीन से संबंधित कई मामले भी सामने आए। मसना व सरना स्थल की घेराबंदी नहीं कराई गई है। इसके अलावा पेंशन, पीएम आवास से संबंधित कई मामले भी सामने आए। सूची में संबंधित लाभुकों का नाम दर्ज नहीं किया गया है।

राहुल कुमार सिन्हा बने खान निदेशक

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रांची के उपायुक्त पद से हाल में हटे राहुल कुमार सिन्हा को खान निदेशक बनाया गया है। सिन्हा को जेएसएमडीसी का प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। सुमन कैथरीन किस्पोट्टा को कार्मिक एवं प्रशासनिक विभाग में विशेष सचिव के पद पर तैनात किया गया है।इसके अतिरिक्त शशि प्रकाश झा को स्थानांतरित करते हुए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में विशेष सचिव बनाया गया है।अंजनी कुमार मिश्रा को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में ही विशेष सचिव बनाया गया है। मृत्युंजय कुमार बरनवाल को जेएसएलपीएस का मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी बनाया गया है। मृत्युंजय बरनवाल को मनरेगा आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। शशि रंजन को स्थानांतरित करते हुए उन्हें राज्य परियोजना निदेशक झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद सर्व शिक्षा अभियान के पद पर नियुक्त किया गया है। किरण कुमार पासी को समाज कल्याण विभाग में निदेशक बनाया गया है। आदित्य रंजन को पशुपालन विभाग में निदेशक बनाया गया है। हजारीबाग की उप विकास आयुक्त प्रेरणा दीक्षित को जियाडा का निदेशक नियुक्त किया गया है।

वक्फ बोर्ड के नियमों को खत्म करने के लिए रायशुमारी जरूरी नहीं : अविमुक्तेश्वरानंद

रांची। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा है कि वक्फ बोर्ड के नियमों को खत्म करने या इसके संशोधन के लिए किसी से रायशुमारी करने की कोई आवश्यकता है। इसके नियम और परिनियमों को बदला जाना चाहिए। ये बातें शंकराचार्य ने रातू स्थित राणी सती मंदिर में प्रवचन से पूर्व संवाददाताओं से कहीं। वह रांची के प्रसिद्ध पहाड़ी मंदिर में गोवंश की रक्षा के लिए आए हैं। पहाड़ी मंदिर में महाकाली मंदिर के समीप गो ध्वज की स्थापना की। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड के पास जरूरत से ज्यादा भूमि है। वहीं, देश में गोशाला और गोचर भूमि का अभाव है। सरकार को वक्फ बोर्ड की अतिरिक्त भूमि गोचर के लिए देना चाहिए। इससे गोवंश की रक्षा होगी। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड कानून जब बनाया गया था तो उस समय किसी दल या समाज से रायशुमारी नहीं की गई थी, इसलिए अब इसके संशोधन या इसके मौजूदा कानूनों को खत्म करने पर भी कोई विचार-विमर्श की आ?वश्यकता नहीं है। उन्होंने देश के सभी मंदिरों का प्रबंधन सनातनी धमार्चार्य और शंकराचार्यों को देने की वकालत की। मंदिरों में साईबाबा की मूर्ति का विरोध करते हुए हटाने की मांग की। सनातन कोड बनने के मामले पर उन्होंने कहा कि इसकी कोई जरूरत नहीं है। झारखंड में घुसपैठ के मामले पर उन्होंने कहा कि यह गलत है। बांग्लादेश में हिंदुओं को अपमानित किया जा रहा है। महिलाओं को अपमानित किया जा रहा है। वहां से आनेवाले घुसपैठिए यहां पर तुरंत कोई ठिकाना खोज लेते हैं। कुछ ही दिनों में उनका आधार कार्ड और फिर राशन कार्ड बन जाता है। इस पर रोक लगनी चाहिए। अगर ऐसे शरणार्थी यदि हिंदू भी आते हैं तो उनके लिए शरणार्थी कैंप बनना चाहिए। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि गोरक्षा का मंत्र लेकर कई व्यक्ति केंद्र की सत्ता में पहुंचे।

हिंदू लड़कियों के यौन शोषण को लेकर झारखंड सरकार लापरवाह : प्रियंक कानूनगो

रांची/नई दिल्ली। झारखंड में नाबालिग लड़कियों के शोषण के मामले हर दिन सामने आ रहे हैं। फिलहाल रांची के जेल रोड स्थित एक कॉलोनी में शर्मनाक घटना सामने आई है। इस इलाके में रहने वाली एक नाबालिग लड़की का यौन शोषण किया गया। नाबालिग लड़की गर्भवती भी हो गई। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने शनिवार को झारखंड सरकार पर ऐसे मामलों में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। प्रियंक कानूनगो ने कहा कि धार्मिक संस्था होने के नाम पर किसी को भी बच्चों का शोषण करने का अधिकार नहीं मिल जाता है। देश में कानून साफ और स्पष्ट है। झारखंड के रांची में 2018 में ये मामला सामने आया था जिसमें नाबालिग दुष्कर्म पीड़िताओं को रखा जाता था और प्रसव के बाद उनके नवजात शिशुओं को बेच दिया जाता था। जब मामले की जांच की गई तो पता चला कि लड़कियों को दूसरी जगहों से लाया जाता था, लेकिन झारखंड की राज्य सरकार ने इस मामले में पीड़ितों की पहचान के लिए कुछ नहीं किया। करीब 1 साल बाद 2019 में पता चला कि दुमका में दो लड़कियों ने बयान दिया है कि उनके साथ दुष्कर्म हुआ है और उनकी बेटियों को इस तरह से बेचा गया है। कानूनगो ने कहा, हमारे पास जो जानकारी थी, उसके अनुसार झारखंड पुलिस के पास 250 से ज्यादा ऐसी पीड़िताओं की जानकारी है, जिसके साथ दुष्कर्म हुआ और जन्म देने के बाद उनके बच्चों को बेच दिया गया। झारखंड की हिंदू लड़कियों के मामले में हमने झारखंड सरकार से कहा कि लड़कियों का यह बयान हमें मिला है। नाबालिग लड़कियों के साथ दुष्कर्म के मामलों में आपको फिर से पोक्सो के तहत मामला दर्ज करना चाहिए। झारखंड सरकार ऐसा करने में विफल रही। उसने हिंदू लड़कियों के मामले में कुछ नहीं किया। उसने दूसरे समुदाय की लड़कियों के मामले में कुछ काम किया। उसने कोई मामला पेश नहीं किया। फिर हम सुप्रीम कोर्ट गए। उन्होंने आगे कहा कि अभी पिछले महीने सितंबर में सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि हम आयोग की शक्तियों में सीसीआर एक्ट का उपयोग करके इस मामले की जांच कर सकते हैं। फिर हमने झारखंड के मुख्य सचिव और डीजीपी को नोटिस भेजा। तीनों लड़कियों के मामले फिर से दर्ज करें। उनके बयान दर्ज करें। जो भी इस तरह के अपराधों में शामिल हैं, उनकी पहचान करें। एनसीपीसीआर अध्यक्ष ने कहा, भारत का कानून बिल्कुल स्पष्ट है। धार्मिक संस्था होने के नाम पर बच्चों का शोषण करने का अधिकार किसी को नहीं मिलता। हमने आसाराम जैसे बलात्कारियों को सजा दी है। जो भी बच्चों के खिलाफ शोषण करेगा उसे दंडित किया जाएगा। प्रियंक कानूनगो ने पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में एक नाबालिग के साथ यौन उत्पीड़न के मामले पर भी बात की, जहां घटना के बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आरएएफ को तैनात किया गया है।

नाक से खून बहने व सांस लेने की तकलीफ से युवक को मिली राहत

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मेदांता अब्दुर रज्जाक मेमोरियल वीवर्स हॉस्पिटल में छह माह से नाक से खून बहने, नाक में रूकावट और सांस लेने में कठिनाई से परेशान 34 वर्षीय युवक को बिना चीरा लगाये एंडोस्कोपी सर्जरी कर राहत दिलाई गई। उसके दायीं नाक की कैविटी में एक दांत पैदा हो गया था जिसके ऊपर एक मास (द्रव्यमान) था जिससे लगातार खून बह रहा थ। इस बीमारी को मेडिकल भाषा में इंट्रोनेजल एक्टोपिक डेंटिशन कहा जाता है जो एक दुर्लभ (रेयर) बीमारी होती है। मरीज अब बिल्कुल ठीक है। यह जानकारी देते हुए हॉस्पिटल के कान, नाक और गला (इएनटी) विभाग के विशेषज्ञ डॉ. कृष्णा किंकर दास ने बताया कि छह महीने से परेशान युवक ने कई हॉस्पिटलों में इलाज कराया, पर कहीं राहत नहीं मिली। इसके बाद वह मेदांता पहुंचा जहां सीटी स्कैन तथा एंडोस्कोपी जांच में दायीं नाक की गुहा के तल पर दानेदार उत्तक से घिरा एक सफेद मास पाया गया। नैदानिक प्रस्तुति राइनोलिथ थी। अतिरिक्त दांत सामान्य दांतों की संख्या के अलावा होता हैं। उन्होंने कहा कि जांच में दांत नहीं पाया गया, पर जब हमने एंडोस्कोपी ऑपरेशन के दौरान मास को हटाया तो उसके नीचे कोई ठोस चीज लग रहा था, तो काफी मेहनत करने पर वह दांत निकला। डॉक्टर बताते हैं कि मास तो टुकड़े-टुकड़े में निकला, पर दांत साबुत मिल गया। मास की जांच में कुछ नहीं पाया गया।

डॉ. दास ने बताया कि ऑपरेशन के बाद नाक को पैक कर दिया गया, लेकिन जब दूसरे दिन उसे खोला गया तो युवक पूरी तरह फिट था। इसके बाद उसे हॉस्पिटल से छुट्टी दे दी गयी।

न्यूज बॉक्स

बिजारे फैशन शो के दूसरे राउंड का ऑडिशन संपन्न

रांची। आईआईसीसी तथा आईएनआईएफडी संस्थान द्वारा 27 अक्टूबर को होने वाले फैशन शो सह वार्षिकोत्सव - बीआईजेडएआरआरई-24 का ऑडिशन 5 अक्टूबर शनिवार को सम्पन्न हो गया है। इसमें मॉडलिंग के लिए इच्छुक झारखण्ड के कई शहरों से 50- 60 लडके और लड़कियों ने बड़े उत्साह और लगन के साथ भाग लिया। इसमें चयनित मॉडल ही 27 अक्टूबर को होने वाले बिजारे शो में भाग ले पायेगे। इसमें सबसे सफल मॉडल को मिस्टर विजारे-24 और मिस विजारे- 24 के खिताब से भी नवाजा जायेगा। ज्ञात हो कि विजारे - 24 फैशन शो का आयोजन होटल रेडिशन ब्लू में किया जायेगा। इसमें संस्थान के फैशन डिजाइनिंग स्टूडेंट्स को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका दिया जायेगा। बिजारे शो पिछले 23 सालों से आयोजित किया जा रहा है जो कि झारखंड का सबसे बड़ा फैशन शो जाना जाता है। इसमें प्रतिभागियों को 5 अलग अलग थीमो में 5 राउन्ड दिये जायेगें।

शारदीय नवरात्र अनुष्ठान के तीसरे दिन श्रीदुर्गास्तोत्राणि का हुआ पाठ

रांची। श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी) मंदिर में नवरात्र पर विशेष पूजा, अर्चना, स्तुति और वंदना की जा रही है। शनिवार को संयमपूर्वक भक्तिभाव से संपन्न हो वेदोक्त विधि से सभी देवी-देवताओं के इष्ट श्रीहरि वेंकटेश्वर का सोलह पवित्र उपचार अर्पित किया। मूल मंत्र से षोडषोचार अर्पित किया फिर भूतशुद्धि, प्राणायाम, अंगन्यास, प्रत्यंगन्यास, मन्त्रन्यास तथा वर्णन्यास संपादन करके अर्घ्यादि पात्रों में गंगाजल, पुष्प, तुलसी भरके तीर्थों का आवाहन हुआ और पाद्य आदि सभी उपचार बारी-बारी आराध्यदेव श्रीश्रीनिवास को अर्पित की। फिर आगम शास्त्र में बताये हुए विधि से विस्तार पूर्वक पूजा - नित्याराधना की। फिर महाभारती और स्तोत्रों से स्तवन किया। खिचड़ी महाप्रसाद का भोग लगा। इसके बाद अन्यान्य पूजा क्रम के पश्चात मंगलचण्डिका स्तोत्र, दुर्गास्तोत्र, श्रीचतुःश्लोकी, श्रीस्तुतिः भूस्तुति, गोदास्तुति और यतिराजसप्तति सस्वर पाठ हुआ । खिचड़ी भोगः श्रीशशिभूषण सिंह पत्नी वीणा सिंह जबकि दिनभर का भोग राजेन्द्र नायडू आंध्रप्रदेश निवासी ने पुत्री यामिनी के नाम संकल्प कराकर निवेदन किया। ब्रह्मवैवर्तपुराण के अनुसार भगवान श्रीमन्नारायण के शरीर से देवी दुर्गा का आविर्भाव हुआ। ये दुर्गा शिवजी की प्रिया, सनातनी एवं भगवान विष्णु की माया है। इन्हें नारायणी, ईशानी और सर्वशक्तिरुपिणी कहा जाता है। ये भगवान श्रीमन्नारायण के बुद्धिकी अधिष्ठात्री देवी है। इसलिए श्रीवैष्णव जगत में भी दुर्गाजी की पूजा-आराधना वैष्णव वृत्ति से करने का विधान है।

कन्याओं के बीच सेनेटरी पैड का वितरण

रांची। झारखंड प्रांत युवा मंच के 9 दिन 9 कन्या कार्यक्रम के अंतर्गत रांची समर्पण शाखा द्वारा 20 बच्चियों के बीच में सेनेटरी पैड का वितरण किया गया। यह कार्य किशोरगंज आरबी स्प्रिंगडल स्कूल पतराटोली रातु में किया गया। उन्हें हाइजीन के बारे में भी बताया गया। ताकि वह स्वच्छ रहे सुरक्षित रहें। इस कार्य में सयोजिका और प्रभारी का भरपूर सहयोग रहा। कार्यक्रम में अध्यक्ष विनिता सिंघानिया, सचिव शुभा अग्रवाल, कोमल पोद्दार, पायल जैन, कविता जालान उपस्थित थी । यह जानकारी मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल ने दी।

सीसीएल में बेसिक कंप्यूटर प्रशिक्षण का आयोजन

रांची। सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड में नवनियुक्त कैटेगरी 1कर्मचारियों में कार्य कुशलता एवं क्षमता वृद्धि करने के उद्देश्य से बेसिक कंप्यूटर प्रशिक्षण कोर्स का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण सिस्टम विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रदान किया गया। इससे मुख्यालय एवं विभिन्न क्षेत्रों से आए कर्मचारी लाभांवित हुए। शनिवार को मानव संसाधन विभाग के कांफ्रेंस कक्ष में आयोजित समाप्ति सत्र में सभी कर्मचारियों को रमाकांत पांडे, महाप्रबंधक, मानव संसाधन विकास द्वारा संबोधित किया गया और उन्हें अपने कार्यस्थल पर निरंतर आगे बढ़ते और प्रगतिशील रहने के लिए प्रेरित किया गया । संभी प्रशिक्षुओं को कंप्यूटर प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए प्रमाण पत्र दिया गया। समाप्ति सत्र का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन चन्द्र शेखर प्रसाद सिंह, प्रबंधक(खनन), मानव संसाधन विकास विभाग द्वारा किया गया जिसमे विभाग के समस्त अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

जूनियर विंग सृजन शाखा का हुआ गठन

रांची। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन रांची शाखा की जूनियर विंग सृजन शाखा का गठन 22 आजीवन सदस्यों के साथ किया गया। पूर्व प्रादेशिक अध्यक्ष रूपा अग्रवाल एवं प्रादेशिक उपाध्यक्ष अलका सरावगी, गीता डालमिया सभी की सर्वसम्मति के साथ नेहा सरावगी को अध्यक्ष , रीता मोदी को सचिव एवं निधि सर्राफ को कोषाध्यक्ष बनाया गया। रांची शाखा मारवाड़ी महिला सम्मेलन की अध्यक्ष मधु सर्राफ ने सभी नवगठित सृजन शाखा के नई सदस्यों को शपथ ग्रहण कराकर पदभार सौपा। समिति की ओर से सभी को पुष्प गुच्छ देकर बधाई दी गई। इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे गीता डालमिया, मंजू केडिया, वीणा मोदी, नैना मोर, सुनीता सरावगी, शशि डागा, मंजू लोहिया, छाया अग्रवाल, बबीता नारसरिया, करुणा अग्रवाल, रेखा जैन, मीना अग्रवाल, ललिता नारसरिया, सीमा टांटिया आदि के अलावे बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थिति थी।

हॉकी इंडिया लीग में उठेगा 'हैदराबाद का तूफान'

एजेंसी

हैदराबाद। रेसोल्यूट स्पोर्ट्स के स्वामित्व वाली हैदराबाद तूफान इस साल के अंत में शुरू होने वाली हॉकी इंडिया लीग की आठ फ्रेंचाइजी में से एक है। हॉकी इंडिया द्वारा आयोजित उद्घाटन समारोह में घोषित की गई यह फ्रेंचाइजी हॉकी इंडिया लीग का हिस्सा होगी। रेसोल्यूट स्पोर्ट्स के निदेशक आलोक सांघी ने कहा, हम एचआईएल का हिस्सा बनकर रोमांचित हैं। हॉकी हमारे देश का राष्ट्रीय खेल है। 1972 के बाद पहली बार टोक्यो और पेरिस में लगातार दो ओलंपिक पदक जीतने के साथ, हमारा मानना है कि भारत में हॉकी अपने गौरवशाली अतीत की ओर लौट रही है। हमारा मानना है कि भारतीय हॉकी अब इस खेल के दीर्घकालिक विकास में अगला कदम उठाने के लिए तैयार है। एचआईएल युवाओं को अपने कौशल को निखारने का एक और अवसर प्रदान करेगा। जैसे-जैसे हम हितधारकों के रूप में एक साथ भविष्य की ओर कदम बढ़ा रहे हैं, मैं सभी को शुभकामनाएं देता हूं! हाल के वर्षों में, रेसोल्यूट स्पोर्ट्स ने प्राइम वॉलीबॉल लीग में भाग लिया है और पिछले सीजन में दिल्ली तूफान के साथ दूसरे स्थान पर रहा। एचआईएल में यह कदम न केवल सामान्य रूप से खेलों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को पुख्ता करता है, बल्कि हैदराबाद में खेल पारिस्थितिकी तंत्र को बेहतर बनाने के उनके उद्देश्य को भी पुष्ट करता है। रेसोल्यूट स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड एक खेल उद्यम है जिसका उद्देश्य क्रिकेट से परे एक समग्र पारिस्थितिकी तंत्र के साथ भारत के खेल परिदृश्य में क्रांति लाना है, जो टीमवर्क, एकता, अनुशासन और लचीलेपन के सिद्धांत पर आधारित है, जो न केवल हितधारकों, बल्कि बड़े पैमाने पर समाज को प्रभावित करता है।

श्रीलंका के खिलाफ टी-20 शृंखला

वेस्ट इंडिज टीम से हटे आंद्रे रसेल पूरन और हेटमायर, एंड्र्यू वनडे टीम में

एजेंसी

नई दिल्ली। आंद्रे रसेल, निकोलस पूरन, शिमरोन हेटमायर और अकील होसेन ने व्यक्तिगत कारणों से श्रीलंका के खिलाफ आगामी टी20 श्रृंखला से नाम वापस ले लिया है। सलामी बल्लेबाज एविन लुईस, जिन्होंने आखिरी बार 2022 में विश्व कप के दौरान टी20 अंतरराष्ट्रीय खेला था, की टीम में वापसी हुई है। लुईस को श्रीलंका दौरे के वनडे चरण के लिए भी चुना गया है। ब्रैंडन किंग भी साइड की चोट से उबरने के बाद टी20अंतरराष्ट्रीय टीम में लौट आए, जिसके कारण उन्हें इस शुरूआत में टी20 विश्व कप और सीपीएल 2024 से चूकना पड़ा था। रसेल की अनुपस्थिति में, वेस्टइंडीज ने ट्रिनबागो नाइट राइडर्स टीम के साथी टेरेंस हिंड्स और एंटीगिया और बारबुडा फाल्कन्स के शमर स्प्रिंगर को टीम में शामिल किया है। रोवमैन पॉवेल टी-20 टीम का नेतृत्व करना जारी रखेंगे, जबकि रोस्टन चेज, जिन्होंने इस सप्ताह के शुरू में वेस्टइंडीज का केंद्रीय अनुबंध अर्जित किया था, को उनके डिप्टी के रूप में बरकरार रखा गया है। चयन

प्रणाली में सुधार के बाद लुईस की वापसी हुई है और कोच डेरेन सैमी अब पैनल का नेतृत्व कर रहे हैं।

ज्वेल एंड्र्यू को वेस्टइंडीज वनडे टीम में शामिल किया गया : सत्रह वर्षीय ज्वेल एंड्र्यू को पल्लेकेले में तीन मैचों की श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज की एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है। वह एकदिवसीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले सबसे कम उम्र के वेस्टइंडियन बन सकते हैं। केवल डेरेक सीली और गैरी सोबर्स ने 17 साल की उम्र में वेस्टइंडीज के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। एंड्र्यू ने अब तक केवल तीन लिस्ट ए गेम और सात सीपीएल मैच खेले हैं, लेकिन उन्होंने अपने प्रदर्शन से पहले ही वेस्ट इंडीज के कुछ दिग्गज खिलाड़ियों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया है।

वेस्टइंडीज टी20 टीम

रोवमैन पॉवेल (कप्तान), रोस्टन चेज (उप-कप्तान), फैबियन एलन, एलिक अथानाज, आंद्रे फ्लेचर, टेरेंस हिंड्स, शाई होप, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एविन लुईस, गुडाकेश मोती, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड, शमर स्प्रिंगर।

वेस्टइंडीज का श्रीलंका का सफेद गेंद दौरा 13 अक्टूबर से शुरू होगा और 26 अक्टूबर तक चलेगा।

वेस्टइंडीज वनडे टीम

शाई होप (कप्तान), अल्जारी जोसेफ (उप-कप्तान), ज्वेल एंड्र्यू, एलिक अथानाज, कीसी कार्टी, रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्डे, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एविन लुईस, गुडाकेश मोती, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडेन सील्स, रोमारियो शेफर्ड, हेडन वॉल्श जूनियर।

शंघाई मास्टर्स के तीसरे दौर में पहुंचे अल्कराज

शंघाई। चार बार के ग्रैंड स्लैम विजेता कार्लोस अल्कराज ने शनिवार को चीन के शांग जुनचेंग को सीधे सेटों में हराकर शंघाई मास्टर्स के तीसरे दौर में प्रवेश किया। अल्कराज ने पहले गेम में ब्रेक लिया और 6-2, 6-2 से आसान जीत दर्ज की। पिछले महीने चेंगदू ओपन में एटीपी टूर एकल खिताब जीतने वाले केवल दूसरे चीनी खिलाड़ी बने शांग, दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी के खिलाफ कुछ ज्यादा हासिल नहीं कर सके।

मुंबई ने 27 साल का इंतजार खत्म किया, 15वीं बार जीता ईरानी कप

एजेंसी

लखनऊ। मुंबई ने शनिवार को रेस्ट ऑफ इंडिया के खिलाफ 15वीं बार ईरानी कप जीतकर अपनी विरासत में एक और ऐतिहासिक अध्याय जोड़ दिया। अजिंक्य रहाणे की टीम ने रेस्ट ऑफ इंडिया पर पहली पारी की बढ़त के आधार पर खिताब हासिल किया, जिससे एक ही सीजन में रणजी ट्रॉफी-ईरानी कप की रिकॉर्ड दोहरी जीत पूरी हुई। यह मुकाबला रोमांचक रहा जहां रनों का अंबार लगा। मुंबई की जीत पांच दिवसीय मुकाबले के आखिरी दिन तय हुई, जहां तनुष कोटियन का दूसरी पारी में लगाया गया दूसरा प्रथम श्रेणी शतक निर्णायक साबित हुआ। पहली पारी में 537 रन बनाने के बाद 121 रन की बढ़त के बावजूद, शुक्रवार को मुंबई की टीम 8 विकेट पर 171 रन बनाकर मुश्किल स्थिति में थी, जिसमें ऑफ स्पिनर सारांश जैन ने पूरी टीम को तहस-नहस कर दिया। पृथ्वी शॉ ने 76 रनों की ठोस पारी खेलकर शुरूआत में मुंबई को मैच में बनाए रखा लेकिन टीम के स्टार बल्लेबाजी क्रम, जिसमें अजिंक्य रहाणे (9), श्रेयस अय्यर (8), सरफराज खान (17) और हार्दिक तमोर (7) शामिल थे, अच्छी शुरूआत को भुनाने में विफल रहे। हालांकि, निचले क्रम के बल्लेबाज के रूप में आए कोटियन ने अपने धैर्य और संयम का परिचय दिया, मोहित अवस्थी के साथ मिलकर नौवें विकेट के लिए 158 रनों की शानदार साझेदारी की, जिसने मुंबई की स्थिति को संभाल लिया।

कोटियन के नाबाद 114 रन और अवस्थी के अर्धशतक की बदौलत मुंबई ने अपनी बढ़त को 450 रनों तक बढ़ाया। दूसरे सत्र के अंत में अवस्थी के अर्धशतक के बाद, दोनों टीमों ने हाथ मिलाया और मैच ड्रॉ होने की पुष्टि की, जिसके बाद मुंबई को पहली पारी में बढ़त के आधार पर ईरानी कप का खिताब मिला।

ईरानी कप के लिए मुंबई का लंबा इंतजार खत्म होना 'अद्भुत' : श्रेयस अय्यर

लखनऊ। मुंबई ने 27 साल का इंतजार खत्म करते हुए शनिवार को ईरानी कप 2024 अपने नाम किया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद मुंबई और टीम इंडिया के मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट किया। अय्यर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "मुंबई को इस जीत के लिए 27 साल तक इंतजार करना पड़ा, लेकिन हमने आखिरकार यह कर दिखाया। टीम में अद्भुत भावना है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। ईरानी कप जीतने पर सभी को बधाई।"यह जीत मुंबई का 15वां ईरानी कप खिताब है, जिससे ट्रॉफी के लिए 27 साल का इंतजार खत्म हो गया। इससे पहले, मुंबई ने 1997 में यह खिताब जीता था।

पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट से बाहर हुए बेन स्टोक्स

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स पाकिस्तान के खिलाफ मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम में सोमवार से शुरू होने वाले पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं। कथित तौर पर वह अभी भी हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं। स्टोक्स की अनुपस्थिति में ओली पोप टीम की कप्तानी करेंगे। अगस्त में हंड्रेड के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के बाद स्टोक्स श्रीलंका के खिलाफ हाल ही में घरेलू सीरीज से बाहर हो गए थे, उनके अब और

क्रिसमस के बीच पाकिस्तान और न्यूजीलैंड में छह टेस्ट मैचों में के लिए कप्तानी फिर से शुरू करने की उम्मीद थी। स्टोक्स शुक्रवार को मुल्तान में लगभग 40 डिग्री की गर्मी में प्रशिक्षण के दौरान एक या दो ओवर फेंके। उनकी अनुपस्थिति से इंग्लैंड को एक बार फिर इस पर काम करने की जरूरत है। सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली ने कहा, 'वह अपनी चोट से अच्छी तरह उबर रहा है, लेकिन हमें अभी तक पता नहीं है।' टीम के संतुलन के बारे में पूछे जाने पर, क्रॉली ने जवाब दिया, 'हमारे पास गेंद और बल्ले के साथ बहुत सारे विकल्प हैं, हमारे पास ऐसे गेंदबाज हैं जो वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं, जैसा कि गर्मियों में साबित हुआ। जो भी टीम आएगी, हम तैयार हैं।

काटे गए 1.77 करोड़ मोबाइल कनेक्शन

देश में 45 लाख स्पूफ कॉल किए गए ब्लॉक

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र ने शुक्रवार को बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित उपकरणों का उपयोग करके अब तक 1.77 करोड़ मोबाइल कनेक्शन काट दिए गए हैं। इसके अंतर्गत वह मोबाइल कनेक्शन काटे गए हैं। इनमें नकली या जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया था। इसके अलावा, चार दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) ने दूरसंचार विभाग (डीओटी) के सहयोग से एक उन्नत प्रणाली को सफलतापूर्वक लागू किया है। इसके तहत अब तक 45 लाख फर्जी अंतर्राष्ट्रीय कॉलों को भारतीय दूरसंचार नेटवर्क में आने से रोका गया है। संचार मंत्रालय ने कहा, अगले चरण में एक केंद्रीकृत प्रणाली शामिल होगी, जो सभी टीएसपी में शेष बची फर्जी कॉलों को समाप्त कर देगी, इसके शीघ्र ही चालू होने की उम्मीद है। वहीं दूरसंचार विभाग ने एक उन्नत प्रणाली शुरू की है। इसके तहत भारतीय दूरसंचार उपभोक्ताओं तक पहुंचने से पहले आने वाली अंतर्राष्ट्रीय फर्जी कॉलों की पहचान करने और उन्हें ब्लॉक करने के लिए तैयार की गई है। इस व्यवस्था को दो चरणों में लागू किया जा रहा है। पहला चरण टीएसपी स्तर पर लागू किया जा रहा है। इसके तहत अपने ग्राहकों के फोन नंबर से आने वाली फर्जी कॉल को रोका जा सकेगा। दूसरा चरण केंद्रीय स्तर पर लागू किया जा रहा है। इसके तहत दूसरे टीएसपी के ग्राहकों के फोन नंबर से आने वाली फर्जी कॉल को रोका जा सकेगा। 1.77 करोड़ मोबाइल कनेक्शनों पर कार्रवाई के तहत केंद्र ने देश के साइबर अपराध हॉटस्पॉट/जिलों में साइबर अपराधियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले 33.48 लाख मोबाइल कनेक्शन काट दिए और 49,930 मोबाइल हैंडसेट ब्लॉक कर दिए।

एक व्यक्ति के लिए निर्धारित सीमा से अधिक मोबाइल कनेक्शन वाले लगभग 77.61 लाख कनेक्शन काट दिए गए हैं और साइबर अपराध या धोखाधड़ी गतिविधियों में शामिल 2.29 लाख मोबाइल फोन ब्लॉक कर दिए गए हैं। चोरी/खोए हुए 21.03 लाख मोबाइल फोन में से लगभग 12.02 लाख का पता लगा लिया गया है। साथ ही डीओटी और टीएसपी ने एसएमएस भेजने में शामिल लगभग 20,000 संस्थाओं, 32,000 एसएमएस हेडर और 2 लाख एसएमएस टेम्पलेट को काट दिया है।

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच सोने की कीमतों में उछाल जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच सोने की कीमतों में तेजी जारी है। इस सप्ताह सोने में निश्चित उछाल देखने को मिला है। ईरान-इजरायल संघर्ष के कारण सोने की ऊंची कीमतों के साथ अधिक खरीद के बावजूद खरीदारों की स्थिति बरकरार रही। शनिवार को सोने की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी देखी गई। सुबह के कारोबार में 24 कैरेट सोने की कीमत 7,785.3 रुपये प्रति ग्राम थी। यह शुक्रवार के मुकाबले 120 रुपये की वृद्धि को दशार्ती है। वहीं, 22 कैरेट सोने की कीमत 7,138.3 रुपये प्रति ग्राम थी, जो कि शुक्रवार से 110 रुपये ज्यादा थी। एसकेआई कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक नरिंद्र वाधवा ने कहा, ''मध्य पूर्व में राजनीतिक अस्थिरता के समय, सोना अक्सर सुरक्षित निवेश का विकल्प बन जाता है, जबकि कच्चे तेल की कीमतें आपूर्ति में बाधा आने की चिंता के कारण तेजी से प्रतिक्रिया करती हैं।'' वाधवा ने आगे कहा, अनिश्चितता से सोना खरीदने की बढ़ती मांग हो रही है, क्योंकि लोग इसे सुरक्षित निवेश मानते हैं। इसके साथ ही, ऊर्जा बाजार में भी तेल की कमी की अटकलें लगाई जा रही हैं, जिससे सोना और तेल दोनों ही वैश्विक जोखिम का संकेत बन गए हैं।

भारतीय बाजार में इन दोपहिया वाहनों का कब्जा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री का देश की अर्थव्यवस्था की तेजी में एक महत्वपूर्ण भूमिका है। देश की ऑटोमोबाइल कंपनियां लगातार अच्छे प्रोडक्ट बना रही हैं। वहीं, दुनिया की एक बड़ी आबादी अपने यहां होने के कारण देश में इनकी बिक्री तो तेजी से हो ही रही है, लेकिन इनको बाहर भी निर्यात किया जा रहा है। पिछले कुछ सालों में इसकी मांग में अच्छा-खासा इजाफा हुआ है। हम टॉप-5 ऐसे दोपहिया वाहनों की बिक्री की बात करेंगे, जिनका बाजार पर सबसे ज्यादा कब्जा है। 'सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चरर्स' (एसआईएएम) के नवीनतम

आंकड़ों के अनुसार इस साल जून में हीरो स्प्लेंडर प्लस की बिक्री सबसे अधिक हुई। इस महीने में इसकी 2,84,190 यूनिट बिकी, जो पिछले साल की तुलना में 33.9 प्रतिशत का उछाल है और मई से 2.6 प्रतिशत ज्यादा है। लिस्ट में दूसरे नंबर पर होंडा शाइन 125 सीसी की बाइक है, जिसकी जून 2024 में 1,39,587 यूनिट बिक्री हुई। यह पिछले साल की तुलना में 40.6 प्रतिशत और पिछले महीने की तुलना में 9.9 प्रतिशत अधिक है। हीरो एचएफ डीलक्स 89,941 यूनिट की बिक्री के साथ टॉप तीन में जगह बनाने में कामयाब रही है। यह पिछले साल की तुलना में 0.7 प्रतिशत अधिक और पिछले महीने के मुकाबले 3.2 प्रतिशत अधिक है।

बजाज पल्सर 125 सीसी की बिक्री में गिरावट दर्ज की गई है। पिछले साल की तुलना में 5.2 प्रतिशत की गिरावट और पिछले महीने की तुलना में 14.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। 33,101 यूनिट के साथ बजाज प्लेटिना टॉप फाइल में जगह बनाने में कामयाब रही। इसमें पिछले साल की तुलना में 9.4 प्रतिशत की गिरावट और पिछले महीने की तुलना में 9.46 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

21 भारतीय स्टार्टअप्स ने इस सप्ताह 16 सौदों के जरिए जुटाए 93 मिलियन डॉलर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में लगभग 21 स्टार्टअप्स ने इस सप्ताह 16 सौदों के जरिए लगभग 93 मिलियन डॉलर का वित्त पोषण जुटाया। इसमें चार विकास चरण सौदे और 12 प्रारंभिक चरण के वित्त पोषण शामिल हैं। यह पिछले सप्ताह 29 घरेलू स्टार्टअप्स द्वारा जुटाई गई लगभग 461 मिलियन डॉलर की राशि से काफी कम है, जिसमें 10 विकास-चरण सौदे शामिल थे। इस सप्ताह, कृषि आपूर्ति श्रृंखला स्टार्टअप वेकूल ने ग्रैंड एनीकट से

ऋण वित्त पोषण में 100 करोड़ रुपये जुटाए। वेकूल किसानों से डेयरी उत्पादों सहित ताजा उपज खरीदता है और उन्हें खुदरा विक्रेताओं और रेस्तरां को बेचता है। फिनटेक प्लेटफॉर्म बेसिक होम लोन ने सीई-वेंचर्स के साथ मिलकर बर्टेल्समन इंडिया इन्वेस्टमेंट्स (बीआईआई) के नेतृत्व में सीरीज बी फंडिंग राउंड में 10.6 मिलियन डॉलर जुटाए।

इंडिगो के बुकिंग सिस्टम में तकनीकी खराबी, एयरपोर्ट पर लगी लंबी कतारें

एजेंसी

नई दिल्ली। देशभर में एयरलाइन कंपनी इंडिगो की बुकिंग सिस्टम में शनिवार को खराबी आ गई, जिसके चलते इंडिगो की उड़ान और ग्राउंड सेवाएं प्रभावित हो गई हैं। बताया जा रहा है कि इंडिया में आई तकनीकी खराबी के कारण कई यात्री एयरपोर्ट पर फंसे रहे और अपनी फ्लाइट नहीं पकड़ पाए। यही नहीं, कई यात्रियों को बुकिंग करने में भी समस्याओं का सामना करना पड़ा है। इंडिगो ने अपने एक्स अकाउंट के जरिए

सेवाएं प्रभावित होने की जानकारी दी। एयरलाइन कंपनी ने कहा, हम वर्तमान में अपने नेटवर्क में अस्थायी रूप से सिस्टम स्लोडाउन का सामना कर रहे हैं, जिससे हमारी वेबसाइट और बुकिंग सिस्टम प्रभावित हो रहा है। हमारे ग्राहकों को वेटिंग समय में वृद्धि का सामना करना पड़ सकता है।

अबुआ आवास योजना में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : डीडीसी

31 पंचायत सचिव के वेतन पर अगले आदेश तक रोक

92 पंचायतों में प्रगति औसत से भी कम, 80.8 प्रतिशत

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिला में अबुआ आवास योजना की स्थिति काफी खराब है। विभागीय विभागीय निर्देश के बाद भी पंचायत सचिव योजना को शत प्रतिशत पूरा कराने को लेकर गंभीर नहीं है। जियो टैग व प्लिंथ लेबल तक काम भी कई पंचायतों में अधूरा है।

उपविकास आयुक्त शब्बीर अहमद ने कई बार प्रखंड स्तर पर जांच कर बीडीओ व संबंधित पंचायत सेवकों को निर्देश दे चुके हैं, बावजूद कार्य प्रगति संतोषजनक नहीं है। अबुआ आवास योजना व जियो टैग में

92 पंचायतों का प्रगति पूरे जिला में 80.8 प्रतिशत से भी कम हैं। इनमें 31 पंचायतों का प्रगति 26 सितंबर से 30 सितंबर तक पांच दिनों में शून्य है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए उपविकास आयुक्त ने 31 पंचायत सचिव का माह सितंबर का वेतन से पांच दिन का वेतन भुगतान अगले तक रोक लगा दिया गया है।

इन पंचायत सचिव के वेतन पर रोक लगा

विश्रामपुर के बघमनवा के रामदेनी सिंह, गुरहाकलाल के चंद्रावती सिन्हा, तोलरा के मुकेश राम, चैनपुर के बसरियाकला के श्वेता कुमारी, कोशियारा में राहुल कुमार, छतरपुर के नौडीहा में श्याम सुदंर राम, रूदवा में रौकी कुमार, हैदरनगर के चौकरी में पंकज कुमार दास, हैदरनगर इस्ट से जयकृष्णा सिंह, हरिहरगंज के सरसोत में इंद्रदेव यादव, हुसैनाबाद के महुरी से सुर्यदेव राम, मेदिनीनगर के चिंयाकी में लल्लू सिंह, जमुने रेणू कुमारी, लहलहे कंचन कुमारी, पोलपोल कला फतेह अहमद, रजवाडीह प्रिति कुमारी, नौडीहा बाजार में खैरादोहर में नंदकिशोर राम, नीलांबर-पीतांबरपुर में चौरा में शिवजीत राम,पिपराखुर्द में सोनी कुमारी, सांगवार में ममता कुमारी, पांडू में कजरूकला में चंद्रदेव सिंह, महुगांव में विवेक कुमार, मुशीखाप में अमरेश मोची, पांकी में केकरगढ़ व मदान में अर्जुन राम, नौडीहा टू में सतीश सिंह, लोईंगा मिथिलेश सिंह,मुहलिया में सुरेश सिंह, सतबरवा के सतबरवा में कांति कुमारी, उटांरी रोड में करकटा में अनुज कुमार पासवान के नाम शामिल है।

ससमय पूरा करें अबूआ आवास : उपविकास आयुक्त

उपविकास आयुक्त शब्बीर अहमद ने कहा कि अबुआ आवास योजना सरकार की महत्वकांक्षी योजना है। योजना में लापारवाही किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। अबुआ आवास योजना को शत प्रतिशत ससमय पूरा कराने का प्रयास किया जा रहा है।

समेकित बिरसा ग्राम विकास योजना और कृषक पाठशाला योजना पर हुई समीक्षा बैठक

रेनफेड एरिया डेवलपमेंट और एफपीओ को मजबूती प्रदान करने पर जोर

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। समाहरणालय सभागार में उप विकास आयुक्त पशुपतिनाथ मिश्रा की अध्यक्षता में कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं पर अनुमोदन प्राप्त करने और उनके कार्यान्वयन को लेकर महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में समेकित बिरसा ग्राम विकास योजना-सह-कृषक पाठशाला योजना और रेनफेड एरिया डेवलपमेंट (आरएडी) के तहत ग्राम सभा से प्राप्त लाभुकों की सूची पर अनुमोदन प्राप्त किया गया। इसके अलावा, एफपीओ को मजबूती और प्रोत्साहन प्रदान करने पर भी चर्चा हुई। बैठक का मुख्य एजेंडा था एफपीओ ग्रांट स्कीम का अनुमोदन, रेनफेड एरिया डेवलपमेंट के तहत लाभुकों की सूची का अनुमोदन, कृषक पाठशाला की समीक्षा, और टारगेटेड राइस फैलो एरिया (टीआरएफए) पल्सेस/ऑयल सीड्स स्कीम का अनुमोदन। बैठक के दौरान मेराल प्रखंड के तेनार और राजहरा क्लस्टर में ग्रामसभा से प्राप्त लाभुकों की सूची का अनुमोदन भी किया गया। उप विकास आयुक्त ने सभी योजनाओं के कार्यों को समय पर पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी, जिला बागवानी पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला मृदा संरक्षण पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी और नाबार्ड के प्रतिनिधियों समेत कई अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पलामू के छह खिलाड़ी लेगें 35वीं ईस्ट जोन जूनियर नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग

चयनित खिलाड़ियों को दी शुभकामनाएं

इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए पलामू जिला खेल पदाधिकारी, पलामू जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष किशोर कुमार पांडे, एथलेटिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजात शत्रु प्रसाद सिन्हा, सचिव संजय कुमार त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष कमलानंद दुबे, वूशु संघ के अध्यक्ष रमेश चंद्र प्रसाद, सचिव सुमित वर्मन और अन्य गणमान्य लोगों ने उज्जवल भविष्य की कामना की।

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। भुवनेश्वर स्थित कलिंगा स्टेडियम में 07 से 09 अक्टूबर 2024 तक होने वाली 35वीं ईस्ट जोन जूनियर नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए पलामू के 6 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। इस प्रतियोगिता का आयोजन एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया और उड़ीसा एथलेटिक्स एसोसिएशन द्वारा किया जा रहा है। एसोसिएशन के सचिव संजय कुमार त्रिपाठी और मोनू कुमार ने आज इन खिलाड़ियों को भुवनेश्वर के लिए रवाना किया। चयनित खिलाड़ियों में आकांक्षा का चयन अंडर-20 वर्ग में 200 मीटर, 400 मीटर और 400 मीटर रिले दौड़ के लिए हुआ है। आर्यन कुमार 110 मीटर बाधा दौड़ और ट्रिपल जंप में, आर्य सिंह शॉट पुट और जैवलिन थ्रो में, इरफान अंसारी डिस्कस थ्रो में, हेमंत कुमार जैवलिन थ्रो में और संध्या कुमारी हाई जंप और लॉन्ग जंप में भाग लेंगे।

कुख्यात सोना लुटेरे को रिमांड पर लेगी पलामू पुलिस

घर के पंखे और बेसिन में छिपाता था लूटा हुआ सोना

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर । कुख्यात सोना लुटेरा मोनू सोनी उर्फ बुकी को पलामू पुलिस रिमांड पर लेगी, जिसके दौरान उससे कई महत्वपूर्ण मामलों में पूछताछ की जाएगी। मोनू सोनी को छत्तीसगढ़ पुलिस ने दिल्ली के पहाड़गंज इलाके से गिरफ्तार किया था। वह झारखंड, बिहार, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल में कई सोना लूट की घटनाओं का मुख्य आरोपी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मोनू सोनी के खिलाफ पलामू में अलग-अलग घटनाओं को लेकर पांच प्राथमिकी दर्ज हैं।

चौंकाने वाले खुलासे: पंखे और बेसिन में छिपाया था सोना

पुलिस सूत्रों के अनुसार जब मोनू सोनी के घर पर छापेमारी की गई, तो कई चौंकाने वाले खुलासे हुए। मोनू ने लूटे गए सोने को पिघलाकर घर के पंखे और बेसिन के कैप में छिपा दिया था, साथ ही कुछ सोना जमीन में गाड़ रखा था। पुलिस ने उसके घर से सोना बरामद कर लिया है। मोनू लूटा हुआ सोना बेचकर प्राप्त धनराशि अपनी गर्लफ्रेंड के खाते में जमा करता था।

अंतरराज्यीय लूट की घटनाओं में सक्रिय था

मोनू सोनी अंतरराज्यीय सोना लुटेरा बन चुका था और करोड़ों की सोना लूट की घटनाओं को अंजाम दे चुका था। छत्तीसगढ़ के रामानुजगंज में उसने करोड़ों का सोना लूटा था, जिसके बाद छत्तीसगढ़ पुलिस ने एक अभियान चलाकर उसे और उसके गिरोह को गिरफ्तार किया। झारखंड के गुमला में भी उसने सोना लूटने की कोशिश की थी, हालांकि वहां वह नाकाम रहा। इसके बाद गुमला पुलिस ने पलामू में सर्च ऑपरेशन चलाया, जहां मोनू के साथ मुठभेड़ भी हुई थी।

तीन सूत्रों मांगों के समर्थन में कस्तूरबा विद्यालय कर्मी संघ ने दिया धरना

गढ़वा। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कर्मी संघ के तत्वावधान में शनिवार को तीन सूत्री मांगों को लेकर समाहरणालय के समक्ष धरना दिया गया। इस अवसर पर संघ के लोगों ने कहा कि विगत 17 -18 वर्षों से कार्यरत कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय की शिक्षिका तथा शिक्षकेत्तर कर्मी के लंबित मांगों को लेकर कई बार झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के परियोजना निदेशक से मिल चुके हैं। लेकिन आश्वासन के बाद भी राज्य कार्यकारिणी समिति द्वारा वेतन वृद्धि समेत अन्य मांग पूरी नहीं होने के कारण सभी कर्मी दुखी एवं आहत होकर चरणबद्ध आंदोलन करने को लेकर बाध्य हुए हैं। जिसके तहत आज शनिवार को प्रथम चरण में जेईपीसी कर्मी संघ के साथ सभी कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय कर्मी आज जिला स्तरीय एक दिवसीय धरना का आयोजन किया।

पेज एक के शेष

केंद्र 1.36 लाख...

जल्द इसकी आधारशिला रखी जाएगी। आपकी सरकार लगातार स्वास्थ्य के क्षेत्र में व्यवस्थाओं को मजबूत करने के प्रयास में जुटी है। जमशेदपुर के मानगो और पारीडीह में भी फ्लाईओवर का काम चल रहा है। बहुत जल्द इसमें वाहनों का परिचालन जमशेदपुरवासी शुरू कर सके, इसका प्रयास किया जा रहा है।

प्रदेश भाजपा ने...

लोकसभा, विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण के लिए पहल हो, तीन तलाक के खिलाफ कानून बनाना हो, सुकन्या समृद्धि योजना की शुरूआत हो, महिलाओं, बहनों के लिए शौचालय निर्माण हो, पीएम मातृ वंदना और दूसरी योजनाएं हो, इससे उल्लेखनीय बदलाव माताओं, बहनों के जीवन में आया। यहां भी पूर्व में एक रुपये में महिलाओं के नाम 50 लाख रुपये तक की संपत्ति रजिस्ट्री के प्रावधान की बात हो, भाजपा सरकार में हुआ।

पंच प्रण के वादे और इरादे...

ही भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी, जिससे नवंबर 2025 तक 1.5 लाख भर्तियां पूरी हो जाएंगी। इसके अलावा एक वार्षिक कैलेंडर पेश किया जाएगा, जिसमें सभी मौजूदा परीक्षाओं को एक ही परीक्षा में शामिल किया जाएगा।

4. भाजपा उन युवाओं की चुनौतियों का समाधान करेगी, जो अपना करियर शुरू करने में संघर्ष कर रहे हैं। इसके लिए हम हर स्नातक और स्नातकोत्तर युवा को दो साल के लिए 2,000 रुपये प्रति माह का युवा साथी भत्ता देगी। इससे उन्हें अपनी पढ़ाई और करियर के खर्चों जैसे की किताबें और कोचिंग फीस को पूरा करने में मदद मिलेगी।

5. भाजपा राज्य में घर साकार शुरू करेगी, जिसके तहत झामुमो सरकार के कुशासन को सुधारने और सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण आवास सुनिश्चित करने के लिए घरों के निर्माण के लिए मुफ्त बालू उपलब्ध कराएंगी तथा प्रधानमंत्री आवास योजना को पूर्ण रूप से लागू करके 21 लाख घरों का निर्माण और प्रत्येक को 1 लाख की बढ़ी हुई सहायता प्रदान करेगी। इसके अतिरिक्त 2027 तक जल जीवन मिशन के माध्यम से 59 लाख घरों को नल के पानी का कनेक्शन प्रदान किया जाएगा।

अब जाएंगे सुप्रीम कोर्ट...

कहा गया है कि मामले पर सरकार अपनी तरफ से निर्णय ले। उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग ने मधुपुर उपचुनाव में तत्कालीन देवघर डीसी द्वारा आयोग के वोटर टर्न आउट अप और प्रेस कॉन्फ्रेंस में अलग-अलग आंकड़ा पेश किए जाने की वजह से उन्हें 26 अप्रैल, 2021 को उपायुक्त के पद से हटा दिया था। चुनाव आचार संहिता समाप्त होने के बाद सरकार ने उन्हें फिर से देवघर डीसी के पद पर स्थापित करने का आदेश दिया था। इसके करीब छह महीने बाद मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने आयोग को रिपोर्ट भेजकर यह जानकारी दी कि डीसी ने चुनाव आचार संहिता खत्म होने के बाद आचार संहिता उल्लंघन के आरोप में सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। आयोग ने इस पर उपायुक्त से स्पष्टीकरण पूछा। जवाब संतोषप्रद नहीं होने की वजह से छह दिसंबर, 2021 को आयोग ने उपायुक्त को हटाने और भविष्य में आयोग की अनुमति के बिना चुनाव से जुड़े काम में पदस्थापित नहीं करने का आदेश दिया। इसके बाद 23 दिसंबर, 2021 को कार्मिक विभाग की ओर से आयोग के एक पत्र लिखकर कहा गया कि आयोग अपना आदेश वापस ले। क्योंकि, आचार संहिता समाप्त होने के बाद इस तरह का आदेश देने का अधिकार आयोग को नहीं है।

एग्जिट पोल: हरियाणा में...

हरियाणा के एग्जिट पोल के संबंध में दैनिक भास्कर के अनुसार भाजपा को 55 से 59, कांग्रेस को 44 से 54, जेजेपी को एक और स्वतंत्र को 01 से 05 सीटें मिलने का अनुमान लगाया है। वहीं ध्रुव रिसर्च के मुताबिक भाजपा 22 से 32, कांग्रेस 50 से 64 सीटें हासिल कर सकती है। पीपल्स पुल्स के मुताबिक भाजपा 20 से 32, कांग्रेस 49 से 61 और अन्य तीन से चार सीटें ले सकते हैं। वहीं, जम्मू-कश्मीर के सर्वे की बात की जाए तो दैनिक भास्कर के अनुसार भाजपा 20 से 25 सीटें, कांग्रेस-एनसी गठबंधन 35 से 40, पीडीपी 04 से 07 और अन्य 12 से 16 सीटें हासिल कर सकते हैं। इंडिया टुडे-सी वोटर सर्वे के मुताबिक भाजपा 27 से 32, कांग्रेस-एनसी 40 से 48, पीडीपी 6 से 12 और अन्य 6 से 11 सीटें जीत सकते हैं। पीपल्स पुल्स के अनुसार भाजपा 23 से 27, कांग्रेस-एनसी 46 से 50, पीडीपी 7 से 11 और अन्य 4 से 6 सीटें हासिल कर सकते हैं।

अवैध खनन मामले...

अदालत ने याचिका पर सुनवाई करने और फैसला सुरक्षित रखने के बाद राज्य सरकार की ओर से दायर आए संख्या 10676 को गंभीरता से लिया है। अदालत ने इस मामले में कहा है कि याचिका पर सुनवाई के बाद 24 सितंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया गया था। इसके बाद 26 सितंबर को सरकार की ओर से आईपीए संख्या 10676 दायर किया गया। इसमें सरकार की ओर से यह कहा गया है की अदालत फैसला सुनाने से पहले आइपीए संख्या 9800 पर फैसला करे। कोर्ट में इस आईए को इस नियत के साथ दायर किया गया ताकि अदालत मूल याचिका पर कोई फैसला नहीं कर सके। इसलिए अदालत ने इस आईए याचिका को खारिज कर दिया। न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि सरकार की ओर से आईए संख्या 9800 के 14वें पैराग्राफ में सरकार की ओर से यह कहा गया है कि 11 मई को दायर की गई ऑनलाइन प्राथमिकी में लगे आरोपों की प्रारंभिक जांच भी अब तक पुलिस नहीं कर सकी है। इसमें सरकार की ओर से यह भी कहा गया है कि पुलिस को इस मामले में जांच करने का अधिकार नहीं है। सरकार की ओर से दायर किए गए आईए में वर्णित तथ्यों के मद्देनजर न्यायालय ने यह टिप्पणी की है कि इससे यह लगता है कि सरकार अपने वरीय अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं करने पर आमादा है।

अन्नराज डैम में डूबे युवक का 52 घंटे बाद भी नहीं मिला शव

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। सदर थाना क्षेत्र के ओबरा गांव स्थित अन्नराज डैम में गुरुवार की दोपहर 3:00 बजे डूबा युवक का शव 52 घंटे बीत जाने के बाद भी नहीं मिल सका। स्थानीय गोताखोरों के लाख प्रयास के बाद शव नहीं मिलने के बाद शनिवार को स्थानीय प्रशासन के द्वारा रांची से एनडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। देर शाम तक एनडीआरएफ की टीम ने अन्नराज डैम के चप्पे चप्पे पर छान बीन किया। लेकिन टीम को कुछ भी हाथ नहीं लगा। उस दौरान दिनभर चिरोंजिया गांव के हजारों ग्रामीण अन्नराज डैम पर इस इंतजार में खड़े रहे की कब युवक का शव मिलेगा। उस दौरान चिरोंजिया गांव के क्रम साव का पुत्र पिंटू गुप्ता 20 वर्ष के परिजन भी इस आस में जम रहे की पिंटू का शव बाहर कब निकलेगा। लेकिन दिनभर इंतजार के बाद शव नहीं मिलने पर परिजनों को खाली हाथ लौटना पड़ा। उधर गढ़वा अनुमंडल पदाधिकारी नीरज कुमार थाना प्रभारी ब्रिज कुमार प्रखंड विकास पदाधिकारी कुमार नरेंद्र नारायण अन्नराज डैम पर युवक के शव के बारे में जानकारी लेते रहे। बताते चले की पिंटू गुप्ता अन्य साथियों के साथ वोटिंग करने अन्नराज डैम गया हुआ था। इस दौरान पिंटू अपने साथियों के साथ वोटिंग करने गया था। जहां अपने साथियों के साथ वोट खुद लेकर गहरे पानी की ओर चला गया। काफी देर तक वह नहीं लौटा। इसके बाद वोटिंग कर रहे कर्मियों के द्वारा उसके वोट के पास जाकर पता किया गया। तब उसके साथियों ने बताया कि पिंटू पानी में डूब गया है।

10 घंटे तक एनडीआरफ टीम ने किया रेस्क्यू : रांची से चलकर आए एनडीआरएफ की टीम ने लगभग 10 घंटे तक अन्नराज डैम में काफी मशक्कत कर खोजबीन किया। लेकिन उसके बाद भी पिंटू गुप्ता का कोई सुराग नहीं मिल सका। एनडीआरएफ की टीम के पदाधिकारी ने बताया कि अन्नराज डैम में काफी पानी है। उसके कारण शव को ढूढने में परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा की लोकेशन नहीं मिल रहा है। हम लोग प्रयास कर रहे हैं। जल्द ही शव को निकाल दिया जाएगा।

शव को खोजने का प्रयास आज भी किया जायेगा: थाना प्रभारी : इस संबंध में थाना प्रभारी बृज कुमार ने बताया कि डूबने की सूचना के बाद स्थानीय गोताखोरों के द्वारा काफी खोजबीन किया गया। कोई सुराग नहीं मिलने के बाद एनडीआरएफ टीम को बुलाई गई। एनडीआरएफ के द्वारा सुबह 7:00 से ही अन्नराज डैम के चप्पे चप्पे पर छानबीन किया गया। लेकिन उसका अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। एनडीआरएफ की टीम ने आश्वासन दिया है। कि जल्द ही उसका शव बरामद कर लिया जाएगा। शनिवार को 5:00 बजे तक छानबीन किया गया। लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। अंधेरा होने के कारण अब रविवार की सुबह फिर से एनडीआरएफ टीम के द्वारा छानबीन शुरू की जाएगी।

मोटरसाइकिल दुर्घटना में युवक घायल

गढ़वा। मझिआंव थाना क्षेत्र के खरसोता गांव के झिना टोला निवासी सुदर्शन राम का पुत्र मुकेश कुमार मोटरसाइकिल दुर्घटना में घायल हो गया। उसे इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि मुकेश कुमार अपने घर से मोटरसाइकिल पर सवार होकर मोरबे गांव स्थित पेट्रोल पंप पर तेल लेने गया हुआ था। वहां से वापस लौट के क्रम में एक बस में उसकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दिया। घटना के बाद बस के स्टाफ ने उसे गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती कराया। इसके बाद वह वहां से फरार हो गया। काफी देर के बाद गांव के एक टेंपो चालक ने उसके परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिजनों ने गढ़वा सदर अस्पताल पहुंचकर घटना की जानकारी ली।

छात्रों ने मनमोहक नृत्य पेश कर शमां बांधा

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा (टंडवा)। नारायणपुर स्थित ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नवरात्रि के अवसर पर डांडिया कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के निदेशक अनूप सोनी, प्रबंधन सदस्य आकाश कुमार ।सहित विद्यालय के शिक्षकों द्वारा माता भगवती की पूजा आराधना की गयी। उसके उपरांत भक्ति गीतों के धुन पर बच्चों के द्वारा मनमोहक नृत्य एवं झाकियां प्रस्तुत किया गया। वर्ग प्री नर्सरी से वर्ग 1 तक के बच्चों ने डांडिया डांस प्रस्तुत किये। विद्यालय के वर्ग 3 के बच्चे मां दुर्गा के नौ स्वरुपों को धारण कर लोगों का मन मोह लिया। वही वर्ग 4 से वर्ग 8 तक के बच्चे देवी गीत के थीम पर तथा देवी स्तुति पर नृत्य प्रस्तुत किया। वर्ग 6 के बच्चे महिसासुर बनकर अपना प्रदर्शन दिखाए। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को माँ दुर्गा के नौ स्वरुपों के बारे मे बताया गया। नाम के अनुसार सभी देवियों की पहचान बताई गयी। उसके बाद विद्यालय प्रांगण भक्तिमय गीतों से झूम उठा। माता के सुन्दर सुन्दर भजनों पर बच्चों तथा शिक्षकों ने डांडिया नृत्य कर लोगों को रोमांचित कर दिया। विद्यालय के निदेशक व प्रबंधन सदस्य ने सभी गढ़वावासियों को नवरात्री की हार्दिक शुभकामनाएँ दी। वहीं उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। वही सभी शिक्षकों ने भी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। बताते चले कि यह विद्यालय हर धार्मिक मौके या पर्व त्योहारों को बड़े हर्षोल्लास से मनाता आया है। मंच का संचालन वर्ग छः की छात्रा वैष्णवी गुप्ता ने किया। मौके पर मुख्य रूप से विद्यालय के निदेशक महोदय अनूप सोनी, प्रबंधन समिति सदस्य आकाश कुमार, मिडिया प्रभारी नूर अजीजी, विद्यालय के शिक्षक सुमित, अमित, सुधांशु कुमार मिश्र, मंगल पाण्डेय, दिरेन्द्र कुमार, राहुल कुमार गिरी, जॉर्डन तमांग, इनाम मल्लिक, पंकज कुमार गुप्ता, शिक्षिका नेहा प्रीति लकड़ा,रिम्पा दास, निवेदिता बाला, अंकिता सिंह, सांचेयिता सहाना, अलका सिंह, उपासना क्षेत्रीय, अशिष्टा टोप्पो आदि मौजूद थे।

भक्ति-भाव

सरस्वती विद्या मंदिर में कन्या पूजन

कन्याओं का किया गया श्रृंगार

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। शारदीय नवरात्र के अवसर पर स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर में शनिवार को कन्या पूजन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर उंटारी, महिला थाना प्रभारी रुक्मिणी कुमारी, विद्यालय समिति के अध्यक्ष जोखू प्रसाद, सचिव रवि प्रकाश, सह सचिव चंदन कुमार, कोषाध्यक्ष राजकुमार प्रसाद एवं समिति सदस्य सुनील चौबे ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर मां दुर्गा के जीवंत रूप में बने कक्षा नवम की बहन आराधना कुमारी व कक्षा तृतीय के भैया अक्षय कुमार ने बाघ का रूप धारण किया। प्रधानाचार्य ने कन्याओं की महाआरती जगदंबा घर में दियरा बार आइनी हो... का गायन कर किया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि महिला थाना प्रभारी को शॉल ओढ़कर तथा श्री बंशीधर राधा कृष्ण की तस्वीर व विद्यालय की वार्षिक पत्रिका उत्सर्ग भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके बाद महिला थाना प्रभारी रुकमणी कुमारी सहित अन्य अतिथियों द्वारा सभी कन्याओं के पैर पखारे गए। उनका श्रृंगार किया गया तथा फल उपहार और द्रव्य की दक्षिणा भेंट किया। राजा पहाड़ी के पुजारी गोविंद पाठक द्वारा कन्याओं के पूजन हेतु लड्डू और पेड़ा की व्यवस्था की गई। कन्या पूजन कार्यक्रम में कक्षा अरुण से प्रथम तक की सैकड़ो कन्याओं का पूजन किया गया। सभी बहनें कन्या रूप रूप में सज धज कर आई थी। जो बहुत ही आकर्षक व मनमोहक था। मौके पर महिला थाना प्रभारी रुकमणी कुमारी ने कहा कि जहां महिलाओं का सम्मान होता है, वहीं देवता वास करते हैं। नारी का सम्मान करके ही हम अपने समाज व देश को आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि नवरात्र के अवसर पर स्कूल परिसर द्वारा कन्या पूजन का आयोजन किया गया है यह बहुत ही खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि स्कूल परिसर में इस तरह का कार्यक्रम होने से बच्चों में निखार आता है। बच्चों को पढ़ाई के साथ- साथ सभी क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत है। सरस्वती विद्या मंदिर में यह कन्या पूजन एक अनोखी पहल है, इसे देखकर मैं भाव विभोर हो गई। विद्या मंदिर में ही शिक्षा के साथ-साथ संस्कार और संस्कृति का ज्ञान ही प्राप्त होता है। प्रधानाचार्य रविकांत पाठक ने कहा कि कन्याओं का पूजन और उनका सम्मान हमारी संस्कृति का हिस्सा है। सदियों से इसकी परंपरा चली आ रही है। अभिष्ठफल के लिए कन्याओं का पूजन जरूरी है। कन्या पूजन के बिना आदि शक्ति की पूजा सम्पूर्ण नहीं होती है। कुंवारी कन्याएं साक्षात योगिनी व ब्रह्मा विद्या है। यही श्रृष्टि की सृजनकर्ता तथा पालनकर्ता है। इस कार्यक्रम में आचार्य कौशलेंद्र झा, नीरज सिंह, सुधीर प्रसाद श्रीवास्तव अविनाश कुमार, नंदलाल पांडेय, कृष्ण कुमार पांडेय, सुजीत दुबे, रूपेश कुमार, उमेश कुमार, अंकित जैन, अशोक कुमार, प्रसुन्न कुमार, प्रदीप कुमार गुप्ता, सत्येंद्र प्रजापति,दिनेश कुमार, कृष्ण मुरारी, आचार्या नीति कुमारी, प्रियम्बदा, सुप्रिया कुमारी, रेणु पाठक, सलोनी कुमारी, नेहा द्वय,

एनएच-75 सड़क निर्माण: रैयतों के साथ अपर समाहर्ता की बैठक

गढ़वा। राष्ट्रीय राजमार्ग 75 के लगमा से विंढमगंज तक निर्माण कार्य को लेकर आज समाहरणालय सभाकक्ष में ग्राम लातदाग एवं गोंदा के रैयतों के साथ अपर समाहर्ता राज महेश्वरम की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मौजा लातदाग और गोंदा के लगभग 150 रैयत उपस्थित थे। अपर समाहर्ता ने रैयतों की समस्याओं और सुझावों को सुना और आश्वासन दिया कि जिन रैयतों के पास तीस वर्षों से अधिक समय से वैध दस्तावेज और दखलकारी प्रमाण हैं, उन्हें रैयती मुआवजा राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने रैयतों से एनएच-75 के निर्माण कार्य में किसी प्रकार का अवरोध न डालने का आग्रह किया और बताया कि जिला प्रशासन उनके साथ पूरी तरह सहयोग करेगा।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC
Dr. Vaibhav Kashyap
Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA
" Smiles & More"
छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट
Facilities
❖ आरसीटी
❖ पायरिया का ईलाज
❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
❖ स्माईल डिजाइन
❖ इनविजिवल क्लिप
❖ दंत रोपण
❖ फिक्स दाँत लगाना
❖ अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज
CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

नेपाल में भारत से तस्करी कर लाए गए 11 करोड़ का सोना जब्त

काठमांडू। भारत से तस्करी कर लायी गयी सोने की बड़ी खेप के साथ महाराष्ट्र के सांगली जिले के दो युवकों को नेपाल पुलिस ने शनिवार तड़के गिरफ्तार किया। दोनों युवक अपने शरीर और जूतों में छिपाकर आठ किलो सोना नेपाल में बेचने जा रहे थे। जब्त सोने की कीमत 11 करोड़ रुपये आंकी गयी है। मकवानपुर जिले के पुलिस अधीक्षक विश्वराज खड़का ने शनिवार को मीडियाकर्मियों को बताया कि रक्सौल-बीरगंज सीमा से नेपाल में प्रवेश करने वाले इन युवकों को बीरगंज से करीब 55 किमी दूर हेटौड़ा के पास गिरफ्तार किया गया। सोने की तस्करी के बारे में गोपनीय सूचना मिलने के बाद यह जांच अभियान चलाया गया था। उन्होंने बताया कि भोर में करीब 03 बजे बीरगंज से हेटौड़ा की तरफ आ रही स्कूटी को रोक कर जांच की गयी। इस दौरान महाराष्ट्र के सांगली जिला निवासी अभिषेक अजीनाथ कुटी और राहुल भिट्टीहाल (27 वर्ष) के पास से 8 किलो 43.97 ग्राम सोने के बिस्कुट मिले। नेपाल के बाजार में इसकी कीमत 11 करोड़ रुपये के करीब है।

हैती में सेवियन गिरोह के हमले में 70 लोगों की मौत

पोर्ट-औ-प्रिंस। कैरिबियन देश हैती के छोटे शहर पोंट-सोंडे में गुरुवार को सशस्त्र सेवियन गिरोह (ग्रैन ग्रिफ गिरोह) के हमले में कम से कम 70 लोग मारे गए। पोंट-सोंडे राजधानी पोर्ट-औ-प्रिंस से लगभग 71 किलोमीटर (44 मील) उत्तर-पश्चिम में सेंट-मार्क के कम्यून में है। द हैतियन टाइम्स अखबार के अनुसार, डाकुओं के इस हमले में दर्जनों अन्य लोग घायल हो गए। कम से कम 3,000 लोग घर छोड़कर भाग गए। हैती में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के प्रवक्ता थमीन अल-खेतान ने मृतकों की संख्या की पुष्टि की है। स्थानीय लोगों ने पुलिस अधिकारियों को संदेश भेजकर मदद की गुहार लगाई है। इस हमले ने पोंट सोंडे क्षेत्र और सेंट-मार्क जैसे पड़ोसी क्षेत्रों के निवासियों में दहशत पैदा कर दी है।

विश्व बैंक को कार्बन बेचने से नेपाल को मिलेंगे 1600 करोड़

काठमांडू। विश्व बैंक के साथ हुए समझौते के मुताबिक नेपाल को इस महीने के भीतर कार्बन की बिक्री से 1600 करोड़ रुपये मिलेंगे। वन तथा पर्यावरण मंत्रालय के अनुसार 2018 से 2024 तक तराई के 13 जिलों के जंगलों के माध्यम से कार्बन डाइऑक्साइड को कम करने के लिए नेपाल को यह राशि मिलने वाली है। तराई भूमि परिधि कार्यक्रम के तहत मधेश के सलार्ही जिले में बागमती नदी से लेकर सुदूरपश्चिम प्रदेश के भारतीय सीमा में रहे महाकाली नदी तक 24 लाख टन कार्बन भंडारण के लिए नेपाल को 1600 करोड़ रुपये मिलेंगे। वन मंत्रालय के प्रवक्ता बद्रीराज ढुंगाना के मुताबिक अक्टूबर के अंत तक विश्व बैंक ने नेपाल को यह राशि भुगतान करने की सूचना दी है।

महाराष्ट्र का विकास भी सुपर स्पीड : प्रधानमंत्री

मेट्रो लाइन-3 के बीकेसी से आरे जेवीएलआर सेक्शन के बीच मेट्रो रूट रविवार से आम जनता के लिए खुलेगा

एजेंसी

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को ठाणे जिले में मेट्रो लाइन-3 के बीकेसी से आरे जेवीएलआर सेक्शन के बीच मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कहा कि यह मेट्रो रूट रविवार से आम जनता के लिए खुलेगा। इससे यात्रा का काफी समय बचेगा और लोगों को ट्रैफिक से भी राहत मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र के आधुनिक विकास का रिकॉर्ड कार्य ठाणे में शुरू हो रहा है। महाराष्ट्र का विकास भी सुपर स्पीड है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज मैं एक बड़ी खुशखबरी लेकर महाराष्ट्र आया हूं। केंद्र सरकार ने हमारी मराठी भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया है। ये सिर्फ मराठी और महाराष्ट्र का सम्मान ही नहीं, बल्कि यह उन पीढ़ियों को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने देश को आध्यात्मिकता, ज्ञान और साहित्य का उपहार दिया है। मुझे नवरात्रि के दौरान एक के बाद एक कई विकास कार्यों का शुभारंभ करने का सौभाग्य मिलता है। वाशिम में मैंने देश के 9.5 करोड़ किसानों के लिए सम्मान निधि जारी की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भाजपा नीत एनडीए सरकार ने मुंबई में 30 हजार करोड़ से ज्यादा के प्रोजेक्ट शुरू किए हैं। नवी मुंबई एयरपोर्ट, नैना प्रोजेक्ट, ईस्टर्न फ्रीवे, ठाणे नगर निगम के नए मुख्यालय का आज उद्घाटन हो रहा है। ये विकास मुंबई और ठाणे को एक आधुनिक पहचान देंगे। आज से मेट्रो शुरू हो रही है। मुंबई के लोग महीनों से इसका इंतजार कर रहे थे। मैं जापान सरकार का आभार व्यक्त करता हूं। इस काम में उन्होंने काफी मदद की है। यह मेट्रो भारत-जापान मित्रता का प्रतीक है। बाला साहेब ठाकरे का ठाणे से एक अलग रिश्ता था। विकसित भारत ही हमारा एकमात्र लक्ष्य है। हमारी सरकार का प्रत्येक कार्य विकसित भारत के लिए समर्पित है।

विकास विरोधी है महाविकास अघाड़ी

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज एक तरफ महाराष्ट्र में विकास को लक्ष्य मानने वाली भाजपा नीत एनडीए गंठबंधन की सरकार है। दूसरी ओर, महाविकास आघाड़ी है, उन्हें जब भी मौका मिलता है, ये काम बंद कर देते हैं। मुंबई मेट्रो इसका गवाह है। मेट्रो लाइन 3 की शुरूआत फड़णवीस के कार्यकाल में हुई थी लेकिन बाद में महाविकास अघाड़ी सरकार ने अहंकार के कारण मेट्रो का काम स्थगित कर दिया। ढाई साल तक काम बंद रहने से 14 हजार करोड़ खर्च बढ़ गया। ये वो लोग हैं जो महाविकास के विरोधी हैं। अटल सेतु का भी विरोध किया। बुलेट ट्रेन रोकने की कोशिश की। बुलेट ट्रेन का संचालन बंद हो गया। जल परियोजना बंद कर दी गई।

हिजबुल्लाह के ठिकानों पर बमबारी जारी, लेबनान से दागे गए दो रॉकेट

एजेंसी

बेरूत। इजराइल के लड़ाकू विमानों ने शनिवार सुबह लेबनान की राजधानी बेरूत के अलावा चौइफात और बोरज अल ब्रजनेह में बमबारी की। हिजबुल्लाह आतंकवादियों के कमांड सेंटर को भी निशाना बनाया। इस बीच लेबनान से भी इजराइल के हाइफा पर दो रॉकेट दागे गए। इजराइल की सेना लेबनान के कई हिस्सों पर बम बरसा रही है। वह लगातार ईरान समर्थित आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के बंकरों को ध्वस्त कर रही है। इजराइल ने जमीनी लड़ाई भी छेड़ दी है। ईरान के सरकारी मीडिया इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) के अनुसार, इजराइली सुरक्षा बलों (आईडीएफ) ने शनिवार सुबह से चौइफात और बोरज अल ब्रजनेह सहित लेबनान की राजधानी के कई इलाकों पर बमबारी की है।

ईरान ने गाजा, लेबनान में युद्धविराम की पहल की

तेहरान। ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि इजराइल के लगातार हमलों के बीच लेबनान और गाजा में युद्धविराम की पहल की गई है। उम्मीद है कि इसका सुखद परिणाम होगा। शीर्ष ईरानी राजनयिक ने शनिवार को अपने क्षेत्रीय दौरे के दूसरे चरण में दमिश्क (सीरिया) पहुंचने पर यह टिप्पणी की। ईरान के सरकारी मीडिया इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) के अनुसार, अराघची कल लेबनान की राजधानी बेरूत पहुंचे। उन्होंने वहां के सरकारी अधिकारियों के साथ बहुत महत्वपूर्ण बातचीत की।

एससीओ शिखरवार्ता के दौरान पाक से नहीं होगी कोई वार्ता : विदेश मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि उनकी पाकिस्तान यात्रा बहुपक्षीय मंच में भागीदारी से जुड़ी है और इसका कोई द्विपक्षीय पहलू नहीं है। हालांकि उन्होंने कहा कि वे हर यात्रा से पहले अपेक्षित और अनपेक्षित दोनों स्थितियों के लिए पूरी तैयारी के साथ जाते हैं। विदेश मंत्री ने नई दिल्ली में आयोजित शासन व्यवस्था पर सरदार पटेल स्मृति व्याख्यान को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे दुनिया बहु-ध्रुवीय व्यवस्था में लौट रही है। ऐसे में आत्मविश्वास, यथार्थवाद, तैयारी और विकसित भारत के लिए राष्ट्रवाद के सही संतुलन की आवश्यकता है। कार्यक्रम में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश भी मौजूद रहे। जयशंकर ने कहा कि इस महीने के मध्य में उनका पाकिस्तान जाने का कार्यक्रम है। वे वहां भारत, पाकिस्तान संबंधों पर चर्चा करने नहीं जा रहा हैं। वे एससीओ के एक सदस्य के नाते वहां जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे एक विनम्र और सभ्य व्यक्ति हैं, इसलिए अच्छा व्यवहार करेंगे। विदेश मंत्री डॉ जयशंकर 15-16 अक्टूबर को पाकिस्तान में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की शिखरवार्ता में शामिल होने जाएंगे। एससीओ के शासनाध्यक्षों की परिषद की बैठक में संगठन में शामिल देशों के शीर्ष नेता शामिल होते हैं। हालांकि भारत-पाकिस्तान के संबंधों के कारण यह माना जा रहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसमें शामिल नहीं होंगे। एससीओ एक प्रभावशाली आर्थिक और सुरक्षा समूह है जो सबसे बड़े अंतर-क्षेत्रीय अंतरराष्ट्रीय संगठनों में से एक के रूप में उभरा है।

एजुकेशन/करियर

इंटीरियर डिजाइनर डेकोरेशन कोर्स कर बना सकते हैं अपना करियर

इंटीरियर डिज़ाइनर डेकोरेशन से जुड़ी सेवाएँ प्रदान करते हैं जैसे मकान, इमारत, भवन आदि को एक खुबसूरत लुक देना, इंटीरियर डिज़ाइनर का प्रमुख काम होता है। इसके अलावा इंटीरियर डिज़ाइनर की डिमांड अब केवल बड़े शहरो तक सिमित नही रह गया है बल्कि छोटे शहरो, गांव आदि में भी इंटीरियर डिज़ाइनर का डिमांड बहुत अधिक हो गया है। आजकल हर छोटे-बड़े फंक्शन में इंटीरियर डिज़ाइनर से डेकोरेशन कराया जा रहा है। इंटीरियर डिजाइनर के प्राथमिक काम में योजना बनाना, नई डिज़ाइन की रुपरेखा तैयार करना और रिहायशी मकानों, व्यावसायिक व अन्य इमारतों की सजावट करना शामिल हैं। इंटीरियर डिज़ाइनर को कॉन्ट्रैक्टर, आर्किटेक्ट व इंजीनियर समेत अनेक अन्य पेशे के लोगों के साथ मिलकर काम करना होता है, ताकि वह यह सुनिश्चित कर सके कि डिज़ाइन बनाने का कार्य अच्छे तरीके से हो रहा है। इंटीरियर डिज़ाइनर अपने ग्राहकों को स्पेसिंग, ले आउट, फर्नीचर व कलर कॉम्बिनेशन समेत विभिन्न तरह के डिज़ाइन से जुड़ी सलाह देते हैं। इसके साथ ही डिज़ाइन को और बेहतर करने के संबंध में ग्राहक से निरंतर बातचीत करना व विचारों का आदान प्रदान करना भी इंटीरियर डिज़ाइनर के काम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

स्किल्स : इंटीयर डिज़ाइनर में तकनीकी बारिकियों को मैनेज करने के साथ-साथ अपने साथ काम करने वाली टीम से तालमेल बनाए रखने का कौशल होना अत्यंत आवश्यक है। टीम के साथ बेहतर तालमेल बनाकर काम करने से परिणाम हमेशा बेहतर होता है। एक इंटीरियर डिज़ाइनर में विजुअल समझ के साथ एक विश्लेषणात्मक सोच का होना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही इंटीरियर डिज़ाइनर को एक निर्धारित बजट में काम करना आना चाहिए व ग्राहक से बातचीत करने में निपुणता हासिल होनी चाहिए। कलर , टेक्सचर व मटेरियल की सटीक जानकारी के साथ इंटीरियर डिज़ाइनर काम को बेहतर परिणाम दे सकते हैं।

इंटीरियर डिजाइनर का काम : इंटीरियर डिज़ाइनर किसी कंपनी से जुड़ कर या स्वतंत्र रूप से काम सकते हैं। कई बार ग्राहक की जरूरत के अनुसार किसी स्वतंत्र डिज़ाइनर को किसी कंपनी या किसी कंपनी को एक स्वतंत्र डिज़ाइनर के साथ भी काम करना पड़ सकता है। आज के समय में कई डिज़ाइनर लंबे समय तक चलने वाली डिज़ाइन को पसंद करते हैं, जो आधुनिक व इको -फ्रेंडली भी है। डिज़ाइनर को किसी भी डिज़ाइन को अंजाम तक पहुंचाने के लिए कॉन्ट्रैक्टर व मालिक दोनों के साथ तालमेल बनाना पड़ता है। इंटीरियर डिज़ाइनर को बिल्डिंग कोड, यूनिवर्सल एक्सेसबिलटी स्टैंडर्ड व इन्पेक्शन रेगुलेशन के बारे में जानकारी होनी चाहिए। क्षेत्र से संबंधित कौशल के साथ-साथ डिज़ाइनर को केड (कंप्यूटर-एडेड डिज़ाइन), फ़ोटोशॉप व रैविट जैसे सॉफ्टवेयर की जानकारी भी होनी चाहिए। इंटीरियर डिज़ाइनर मकान व रेस्त्रां, कैफ़े, ऑफ़िस या हॉस्पिटल जैसी व्यावसायिक जगह को डिज़ाइन करते हैं।

विदेशी विश्वविद्यालय

- न्यूयॉर्क इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी
- आरएमआईटी युनिवर्सिटी
- स्विनवर्न यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी
- यूनिवर्सिटी ऑफ कैनबेरा
- कर्टिन यूनिवर्सिटी
- यूनिवर्सिटी ऑफ द आर्ट्स, लंदन
- ग्रिफिथ यूनिवर्सिटी
- द यूनिवर्सिटी ऑफ द वेस्ट ऑफ इंग्लैंड
- डलहाउजी यूनिवर्सिटी
- शेरिडन कॉलेज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड एडवांस लर्निंग
- लफबोरफ यूनिवर्सिटी
- यूनिवर्सिटी ऑफ लिवरपूल
- सैन डिआगो स्टेट यूनिवर्सिटी
- स्टीवेन्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी

इंटीरियर डिज़ाइनिंग क्षेत्र में शीर्ष नौकरी

- ला सोरोगीका
- आमिर एंड हमीदा
- डिजाइन क्यूब
- राजा ऐडेरी
- मॉर्फ डिज़ाइन
- सेविओ एंड रूपा इंटीरियर कॉन्सेप्ट्स
- मैप्स ऑफ इंडिया
- द कारिघर्स
- द ग्रिड
- आर्किटेक्ट

करियर के अवसर

- एक्स बिशन डिज़ाइनर
- ला इटिंग डिज़ाइनर
- किचन डिज़ाइनर
- आर्किटेक्ट
- आर्किटेक्चरल टेक्नोलॉजिस्ट
- प्रोडक्ट डिजाइनर
- टेक्सटाइल डिजाइनर
- प्रोडक्शन डिजाइनर

इंटीरियर डिजाइन के कोर्स

- बैचलर ऑफ फ़ाइन आर्ट्स इन इंटीरियर डिज़ाइन
- बैचलर ऑफ अप्लाइड साइंस इंटीरियर आर्किटेक्चर
- बैचलर ऑफ इन्वायरमेंटल डिज़ाइन स्टडीज
- बैचलर ऑफ इंटीरियर डिज़ाइन ऑनर्स
- बीए ऑनर्स इंटीरियर एंड स्पेशल डिज़ाइन
- बी एससी ऑनर्स इंटीरियर आर्किटेक्चर एंड प्रॉपर्टी डवलपमेंट
- बैचलर ऑफ डिज़ाइन इन इंटीरियर आर्किटेक्चर ऑनर्स
- बैचलर ऑफ डिज़ाइन-इंटीरियर डिज़ाइन एंड इन्वायरमेंट्स
- बैचलर ऑफ साइंस इन होम फर्निशिंग मर्चन्डाइज़िंग
- बैचलर ऑफ बिल्ट इन्वायरमेंट इंटीरियर आर्किटेक्चर
- बीएससी ऑनर्स आर्किटेक्चरल टेक्नोलॉजी एंड डिज़ाइन
- ऑनर्स बैचलर ऑफ क्राफ्ट एंड डिज़ाइन फर्नीचर

पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम

- इंटीरियर डिज़ाइन एमए
- इन्वायरमेंटल डिज़ाइन ऑफ बिल्डिंग एमएससी
- मास्टर ऑफ डिज़ाइन इन इंटीरियर स्टडीज- अडैप्टिव रीयूज
- एमए इंटीरियर एंड स्पेशल डिज़ाइन
- क्लाइमेट रिसिलिएन्स एंड इन्वायरमेंटल सस्टेनिबिलिटी इन आर्किटेक्चर एमएससी
- मास्टर ऑफ आर्ट्स इन फैमिली एंड कंज्यूमर साइंस इंटीरियर डिज़ाइन
- एम एससी इंफ्रास्ट्रक्चर डिज़ाइन एंड मैनेजमेंट
- कॉमर्सियल इंटीरियर मैनेजमेंट एंड प्रैक्टिस एम एससी
- मास्टर ऑफ आर्ट्स इन अप्लाइड डिज़ाइन- फर्नीचर एंड वुडवर्किंग

भारतीय कॉलेज

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन, अहमदाबाद
- पर्ल एकेडमी
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, चंडीगढ़
- चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़
- आर्च कॉलेज ऑफ डिज़ाइन एंड बिज़नेस, जयपुर
- जेडी इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, मुंबई
- हैम्सटेक इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव एजुकेशन, हैदराबाद
- लव ली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, जालंधर
- एमआईटी इंस्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन, पुणे
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन डिज़ाइन, मुंबई